Vol.35, Issue 2 Price Rs 35 | Annual Subscription Rs 420

@NewsRotary /RotaryNewsIndia

August 2017

रोटरी समाचार

Rotary

हुनर सिखाने का मिशन

BETTER SERVICES PVT. LTD.

www.better.in

CREATIVE DESIGNS

EXCELLENT QUALITY

GREAT PRICES

LICENSEE SINCE 1975

OFFICIAL LICENSED VENDOR OF ROTARY INTERNATIONAL

HEADQUARTER ADD. : Better Services Pvt. Ltd., 22 Meghna, 64 S. V. Road, Santacruz West, Mumbai 400 054, India
Tel : 022 2649 1143 / 2649 1826 • Email : better@betterservices.org • Website: www.better.in

विषयसूची

28 जब आइनों ने शौचालयों को स्वच्छ रखने में मदद की!
टारगेट चेलेंज देशों के WinS प्रमुखों ने एटलांटा कन्वेंशन में एक Wins सत्र में सबसे अच्छे स्वच्छता अभ्यासों की चर्चा की।

33 रोटरी का झंडा ऊँचा लहराता है
हाल ही में संपन्न हुए चार अलग-अलग कार्यक्रमों में, रोटरी के झंडे/बैनर को दो चोटियों - माउंट एवेरेस्ट और मनाली में माउंट नोर्भु - पर फहराया गया।

36 ओवोरी की विरासत जीवित रहेगी
पीआरआईपी राजेन्द्र साबू और आरआईडी सी भास्कर ने आरआईपीई सेम ओवोरी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

40 अक्रा के लिए एक चिकित्सीय मिशन
मंडल 3250 के नौ दिवसीय चिकित्सा मिशन ने अक्रा,घाना में 2500 से अधिक मरीजों का इलाज किया।

76 सेहत छोटी चीज़ों से आती है
'छोटी' चीज़ों का पालन करके अपने जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

14 ओड़िशा का कौशल विकास
ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष सुब्रतो बागची, ओडिशा में 8 लाख युवाओं को कौशल के प्रति दृष्टिकोण के बारे में चर्चा करते हैं।

24 राजश्री बिड़ला ने TRF को $1 मिलियन और दिए
अटलांटा कन्वेंशन में, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन के सामुदायिक प्रयासों और ग्रामीण विकास की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला, भारत में पोलियो को ख़तम करने की उनकी यात्रा को याद करते हैं।

54 कोस्टा रीका एक उष्णदेशीय स्वर्गलोक
इस सेंट्रल अमेरिकन देश की शानदार सुंदरता की खोज करें जो अपने शानदार समुद्र तटों और उष्णकटिबंधीय वनों के साथ एक आदर्श छुट्टी प्रदान करता है।

60 प्राकृतिक अज्रख
इस टेक्सटाइल ट्रेल में, लेखिका कच्छ की अज्रख ब्लॉक-प्रिंटिंग की आकर्षक कला को उजागर करती है।

मुख्य पृष्ठ पर : सुब्रतो बागची, ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष।
चत्र : रशीदा भगत

प्रेरक लेखों के लिये शुक्रिया

हमारे क्लब के गठन को दो साल ही हुये है और शुरू से ही हम *रोटरी समाचार* में दिलचस्पी लेते आ रहे हैं। हम पा रहे हैं कि पत्रिका का प्रत्येक अंक रोटरी की गतिविधियों और उससे जुडी खबरों से भरपूर है जो वाकई हमारा हौसला बढा रहा है। हमारी नियमित बैठकों के दौरान हम हमेशा *रोटरी समाचार* में प्रकाशित विभिन्न विषयों को लेकर विचार विमर्श करते रहते हैं।

हम प्रत्येक अंक में प्रेरक लेखों के लिये संपादिका रशीदा भगत् और उनके संपादकीय दल के आभारी हैं जो हमें अपने कारोबारों और मानव सेवा कार्यों में प्रेरित करते हैं। रोटेरियन होने के नाते, हम रोटरी समाचार का चंदाधारक बनने पर खुश हैं और हमें पत्रिका का पाठक बनने पर नाज़ है।

अशीम भट्टाचार्यजी, चार्टर अध्यक्ष, रोटरी क्लब ग्रीन लैंड सिलचर – मंडल 3240

मैं *रोटरी समाचार* का नियमित पाठक हूँ, जो एक बेहतर पत्रिका है, जिसमें पोलियो उन्मूलन, शिक्षण, आरोग्य तथा दुनिया भर के गरीब लोगों की सहायता करने की जरुरत जैसे रोटरी के मुख्य मुद्दों पर संकेंद्रण करने के अलावा अनेक विषयों पर खबरें प्रकाशित की जाती है। संपादिका को शाबासी जिन्होने जुलाई अंक के सभी मुख्य लेख लिखकर पत्रिका की शान बढा दी। लंबे फासले का सफर करने के बावजूद उनके अथक काम करने के उत्साह और मनोबल को देखकर ताज्जुब किये बिना रहा नहीं जाता।

बिल गेट की उदारता की बराबरी नहीं की जा सकती (*पोलियो एक दशक से मेरी उच्चतम प्राथमिकता रही है*, जुलाई अंक)। परोपकारिता में सहभागी, मेलींडा तथा बिल गेटस् इस बीमारी का उन्मूलन करने कुछ अतिरिक्त प्रयास कर रहे हैं। गेटस् का यह ऐलान कि अगले तीन सालों में ''मिलकर हम 450 मिलियन डॉलरें इकठ्ठा करें ताकि शून्य पोलियो कि स्थिति हासिल कर ली जाये'', बढिया बात है। भगवान दोनों को सही सलामत रखें।

मुझे रो इं अध्यक्ष ईयान राय्सली के यें अर्थपूर्ण लब्ज बेहद पसंद आये: ''रोटरी हमें बेहतर लोग बनने के लिये, उन तरीकों में महत्वाँकाक्षी बनने के लिये जो मायने रखते हो, ऊँचे लक्ष्यों को हासिल करने में प्रयास करने के लिये और हमारे दैनिक जीवन में स्वयं से बढ़कर सेवा को पिरो लेने के लिये ललकारता है।''

रोटेरियन हमेशा सहायता करने के लिये तैयार रहते हैं और भगवद् गीता के असली अनुयायी हैं जो यही सीख देता है, ''मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।''

राज कुमार कपूर,
रोटरी क्लब रूपनगर – मंडल 3080

रोटरी के सिध्दांत अब पहले जैसे नही रहे

जून अंक में लेख *हमें क्लबों गुणवत्ता चाहिए, न की संख्या* जयश्री द्वारा बखूबी लिखा गया है जो काफी सोचने पर मजबूर कर देता है। वर्धन करना जीवन का प्राणाधार है और जो कुछ वृध्दि नहीं कर पाता हो वह सड़-गल जाता है। हम अक्सर नये क्लबों का गठन होते हुये देखते हैं। लेकिन क्या असल में यही वृध्दि है? कम से कम इनमे से कुछ तो व्यक्तिगत या सामूहिक हित में तैयार किये गये कृत्रिम पूरक हैं। नये क्लबों के गठन में कुछ रोक लगाने और निरीक्षण करने की जरुरत है। यह चिंता की बात है। रोटरी के सिध्दाँत तथा मानक अब पहले जैसे नहीं रहे। वह अनेक रोटेरियनों के समर्पण भाव और स्वार्थहीन सेवा की बदौलत, समाज के लिये मूल्यवान साबित होने वाली संस्था के रूप में उभरकर आयी है। मुश्किल से कमाई गयी सद्भावना और सराहना को, बिना किसी दाग के, सुरक्षित रखना है। रोटरी के प्रधान मूल्यों और सिध्दाँतो को नये सदस्यों के चयन में बेहतर तरीके से काम में लाया जा सकता है।

पी ओ थॉमस,
रोटरी क्लब अल्लेप्पी – मंडल 3211

यह लेख क्लब प्राधिकारियों के लिये आँखें खोल देने वाली बात है। हमें काबिल सदस्यों को चुनना होगा जो मानव सेवा करना चाहते हो। यदि सदस्यों के चुनाव के समय सख्त छान बीन ना की जाये तो रोटरी का नाम बदनाम हो जायेगा।

रो इं अध्यक्ष जॉन एफ जर्म का संदेश (जून अंक) प्रभावकारी था। उनका कहना है कि रोटरी का सार है सहायता करना तथा दूसरों की भलाई करने की दिशा में काम करने की इच्छा जाहिर करना।

रशीदा भगत् द्वारा *हैप्पी अवर्स ले आये, हैप्पी विलेज और हैप्पी स्कूल* (जुलाई अंक) पढ़कर मुझे खुशी हुयी जो कुर्सियाँ, बेंच और मेज आदि का प्रबंध करने के द्वारा चेन्नै के बाहरी इलाके के एक स्कूल की सहायता करने वाले रोटेरियनों के काम को विवरित करता है। उम्मीद है स्कूलों में पढ़ने वाले हमारे बच्चों की बुरी हालत को संवारने के लिये रोटरी ऐसे कुछ उपाय ढूँढेंगे।

एम टी फिलिप,
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबरबन – मंडल 3211

बनावटीपन से दूर रहें

बनावटीपन आधुनिक वस्तुवाद का 'उपहार' है जहाँ व्यक्तिगत फायदों के लिये मूल नैतिकता की बली चढा दी जाती है। हममे से कुछ रोटेरियनों में इस बनावटीपन की झलक देखी जाती है जब हम 'जो कहते है उसके विपरीत काम करते हैं'। इससे पहले कि यह एक चलन बन जायें इस पर तुरंत रोक लगानी होगी ताकि यह महान संस्था बाधित ना हो। हमारा चार-मार्ग परीक्षण बनावटीपन के खिलाफ एक सशक्त अभयपत्र साबित होगा, यदि हम अपने करमों और करनीयों में उसका अनुसरण करें।

पीडीजी कुलदीप धीर – मंडल 3070

रो इं के नये अध्यक्ष एक अनमोल रतन

रो इं के नये अध्यक्ष को ऊँचे दर्जे का शिक्षण और विविध अनुभव पाने का सौभाग्य मिला है। वें लगभग 30 सालों से रोटरी के विभिन्न पदों पर सेवारत रह चुके हैं। यह अनुभव परियोजनाओं को योजित करने तथा उनके कार्यांवयन में उपयोगी साबित होगा। हम रोटेरियनों को इस 'अनमोल रतन' पर बेहद नाज़ है, जो अपनी पत्नी पीडीजी जूलीयट के साथ मिलकर रोटरी कार्यक्रमों को कामयाब तरीके से कार्यांवित करने पर प्रेरित कर सकते हैं।

जीवी सायगवी, रोटरी क्लब
दवानागेरे विद्यानगरा – मंडल 3160

आप परिवर्तन ले आ रहे हैं!

रोटरी समाचार को अधिक युवा, आकर्षक और सूचनात्मक बनते देखकर मुझे बेहद खुशी हुयी है। मई अंक में थळपड की युवा राजदूत सुचित्रा के बारे में खबर बढ़िया थी। जब हम WinS परियोजना करेंगे मैं स्कूल के बच्चों से इस कहानी का जिक्र करूँगा। उडिशा के हथकरघा (इक्कत...रंगों की गुँथाई); गोवा:काजू की खुशबु हर कहीं; औरचर्बी गलने की मिथ्या आदि लेखों से पत्रिका समूचे परिवार के लिये रोचक बन गयी है। उसके बदले प्रारूप और उसकी विषयवस्तु के साथ रोटरी समाचार एकदम सही मालूम होती है हालाँकि मैं जानता हूँ कि संपादकीय दल उसे और भी अधिक रोचक बनाने के लिये प्रयास करते रहेंगे। आपके उत्साह और आपकी वचनबध्दता के लिये शाबासी क्यों कि आप परिवर्तन ले आ रहे हैं।

सहायक मंडलाध्यक्ष नितेन अग्रवाल, रोटरी क्लब गोरखपुर मिड़टाऊन – मंडल 3120

रोटेरियन कुलबीर दोड्ड के MKD टैब्लेट्स (जून अंक में *निरक्षरता का उपचार करने के लिए टेब्लेट*) के लिये मैं आपका शुक्रगुजार हूँ जो निरक्षरता का उन्मूलन करने का एक प्रयास है। उसके प्रकाशन से मैं जून के आखिरी हफ्ते में अतिरिक्त 60,000 डॉलरें देने पर कुलबीर को राजी करा पाया। अब 250,000 डॉलरों से अधिक संचयी अंशदान देकर वें अघड सदस्य बनने के लिये काबिल बन गये हैं।

पूर्व अध्यक्ष कुमार शिनागरे,
रोटरी क्लब पूना नॉर्थ – मंडल 3131

हरित भूग्रह के लिये आव्हान

पर्यावरण में एक संपूर्ण क्राँति ले आने के लिये सही समय आ गया। जून के संपादकीय में आपका आव्हान *पौधा रोपें, क्राँति शुरू करें* चित्ताकर्षक है।

रो इं अध्यक्ष ईयान राय्सली ने 1.2 मिलियन रोटेरियनों से पेड रोपने तथा परिवर्तन ले आने के लिये अर्ज किया है ताकि दूसरे भी उसका अनुसरण करें। मंडल 3131 में शहजन की फली की क्राँति और ऐतिहासिक चिपको आँदोलन, मानवता को लाभाँवित करने वाले प्रभावशाली प्रतिरूप है।

दशकों से रोटरी का ध्यान पोलियो पर लगा है, जिसके बाद निरक्षरता की बारी आयी। अब हमे पर्यावरणीय चुनौति को हाथ में लेना होगा।

अरूण कुमार दाश,
रोटरी क्लब बारीपाडा – मंडल 3262

इस पत्रिका में *आस्था का अर्थशास्त्र* (जुलाई अंक) जैसे लेखों को प्रकाशित नहीं करना चाहिये। गो हत्या के समर्थन में लेखक ने इस मामले को जिस तरह पेश किया है उससे जुडे वाद विवादों में ना उलझते हुये, मैं महसूस करता हूँ कि इस तरह के लेखों को प्रकाशित ना करना ही सही रहेगा। बेहतर होगा कि हमारी पत्रिका में प्रकाशित लेख रोटरी की मैत्री, सेवा और उसके साहचर्य तक ही सीमित हो।

डी नारायणन, रोटरी क्लब
मद्रास मिड़टाऊन – मंडल 3232

डीजीओं पर लेख का स्वागत है

आपके गर्वनर से मिलिये लेख के लिये शुक्रिया, जिसमें नये मंडलाध्यक्षों की दूरदर्शिता और उनके सपनों के बारे में लिखा गया है। यह जानकर बेहद खुशी होती है कि मानव सेवा करने प्रत्येक मंडल की अपनी कुछ खास परियोजनायें है। टीआरएफ को अधिकाधिक देने की इच्छा सूची, सदस्यता में वृध्दि, कैंसर व गुर्दे के मरीजों तक स्वास्थ्य रक्षा को पहुँचाना, अस्पताल का निर्माण, साक्षरता परियोजनायें तथा स्वच्छता पहल आदि पढ़ने में दिलचस्प हैं। उम्मीद है यह स्तंभ, आगंता डीजीओं को नवप्रर्वतनीय परियोजनाओं के लिये अधिक नयी संकल्पनायें और नये विचार प्रदान करेगा।

वीरन्ना ए हुग्गी, रोटरी क्लब
शिमोगा – मंडल 3182

मंडल 3070 के खिलाफ निराधार आरोप

लुधियाना के झझ हरजीत सिंह खुराना द्वारा, रो इं मंडल 3070 के बारे में निंदात्मक तरीके से लिखे गये ख़त ने हमारे नाम को बदनाम कर दिया है। यें शख़्स आदतन् आलोचक है जो क्लब को मंडलाध्यक्ष की भेंट सहित किसी भी कार्यक्रम में आते नहीं है। सचाई की जाँच किये बिना लिखे गये इस ख़त ने हमारी नेकनामी को हानि पहुँचायी है। यदि हमारे मंडल को इतनी बुरी नज़रों में चित्रित किया जाता है, तो क्या भारत में रोटरी के विकास को बाधित नहीं करेगा?

पीडीजी गुरजीत एस सेखों – मंडल 3070

भद्दी रुची में लिखे गये इस ख़त को पढकर मुझे गहरा सदमा पहुँचा है जिसे असलीयत के प्रमाणन के बिना ही प्रकाशित कर दिया गया और समूचे मंडल 3070 को बदनाम कर दिया है। हमारी कार्रवाई रोटरी के हित में हो। इसके विपरित अप्रमाणित रायों कोख़तों के जरिये ना फैलायें।

पीडीजी अरुण कपूर – मंडल 3070

भूल सुधार

रो इ के निदेशक के जुलाई संदेश में भूल से जिक्र किया गया कि रोटरी अपने 117 वें साल में प्रवेश कर रहा है, जब कि 113वाँ साल होना चाहिये था। छपाई में भूल के लिये खेद है।

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Governors Council

RI Dist 2981	DG	P S Ramesh Babu
RI Dist 2982	DG	Dharmesh R Patel
RI Dist 3000	DG	P Gopalakrishnan
RI Dist 3011	DG	Ravi Choudhary
RI Dist 3012	DG	Sattish Singhal
RI Dist 3020	DG	G V Rama Rao
RI Dist 3030	DG	Dr K Sunder Rajan
RI Dist 3040	DG	Dr Zamin Hussain
RI Dist 3053	DG	Rajkumar Bhutoria
RI Dist 3054	DG	Maullin Manubhai Patel
RI Dist 3060	DG	Ruchir Anirudh Jani
RI Dist 3070	DG	Parvinder Jit Singh
RI Dist 3080	DG	T K Ruby
RI Dist 3090	DG	Bagh Singh Pannu
RI Dist 3110	DG	Vinay Kumar Asthana
RI Dist 3120	DG	Ranjeet Singh
RI Dist 3131	DG	Abhay Gadgil
RI Dist 3132	DG	Vyankatesh Vithal Channa
RI Dist 3141	DG	Prafull J Sharma
RI Dist 3142	DG	B M Sivarraj
RI Dist 3150	DG	J Abraham
RI Dist 3160	DG	Madhu Prasad Kuruvadi
RI Dist 3170	DG	Anand G Kulkarni
RI Dist 3181	DG	M M Chengappa
RI Dist 3182	DG	G N Prakash
RI Dist 3190	DG	Asha Prasanna Kumar
RI Dist 3201	DG	Vinod Krishnan Kutty
RI Dist 3202	DG	Sivashankaran P M
RI Dist 3211	DG	Suresh Mathew
RI Dist 3212	DG	Chinnadurai Abdullah
RI Dist 3231	DG	Jawarilal Jain K
RI Dist 3232	DG	R Srinivasan
RI Dist 3240	DG	Sunil Saraf
RI Dist 3250	DG	Vivek Kumar
RI Dist 3261	DG	Harjit Singh Hura
RI Dist 3262	DG	Ajay Agarwal
RI Dist 3291	DG	Brojo Gopal Kundu

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakhar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000

Executive Committee Members (2017–18)

DG B M Sivarraj Chair – Governors Council	RI Dist 3142
DG R Srinivasan Secretary – Governors Council	RI Dist 3232
DG Abhay Gadgil Secretary – Executive Committee	RI Dist 3131
DG Vivek Kumar Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3250
DG P Gopalakrishnan Member – Advisory Committee	RI Dist 3000

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road
Egmore, Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail : rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by Mukesh Arneja at Thomson Press (India) Ltd, Plot A-9, Industrial Complex, Maraimalai Nagar 603209, India and published by Mukesh Arneja on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

संपादक
का संदेश

"सेम की मुस्कान" की कमीं रहेगी

जुलाई, रोटेरियनों के लिये शोकजनक माह रहा है, क्यों कि उन्होने एक अद्वितीय ज्येष्ठ नेता को खो दिया है जिन्हे 2018-19 वर्ष के लिये आगंता अध्यक्ष चुना गया था। जब 13 जुलाई की रात भारतीय रोटेरियन सोने की तैयारी कर रहे थें उनके मोबाईल फोन के पर्दों पर, फैसबुक, वाट्स एप्प या इतर सामाजिक माध्यमों में, भारी दिल से भेजा गया रो इं के अध्यक्ष इयन राय्सली का यह शोक संदेश टिमटिमा रहा था कि टेक्सास में ओवोरी के पैर में की गयी शल्य चिकित्सा के बाद कुछ समस्या पैदा हो गयी और वें अब हमारे बीच नहीं रहें।

यह उन रोटेरियनों के लिये सदमा पहुँचा देने वाली खबर साबित हुयी जिन्होने ओवोरी को अटलाँटा महाधिवेशन में देखा था; अनेक रोटेरियनों ने उनके तथा उनकी पत्नी नोराह के साथ तस्वीर खिंचवाई जो हमेशा उनके साथ रहा करती थी। दुनिया भर से हार्दिक और आँसू भरी श्रध्दाँजलि के संदेश आते रहे, लेकिन मेरे लिये इस नेता के असली गुणों का बयान करने वाली श्रध्दाँजलि युगाँडा के रोटरी क्लब गाबा की हिल्डा टैड्रीया से आयी जो सेम और नोराह की नजदीकी दोस्त हैं। उन्होने *rotary.org* से कहा कि "अपनी दिलकश आवाज और दिल खुश कर देने वाली मुस्कान" से ओवोरी ने अपने साथ बात करने वाले हर किसी को अपनापन महसूस कराया। "मैं उसे 'सेम की मुस्कान' कहती हूँ; उस मुस्कान ने ओवोरी को बेहद सुगम्य और मिलनसार बना दिया। मुझे लगता है उनकी मुस्कान ऐसी चीज़ होगी जिसकी कमीं को रोटरी और सेम के दोस्त सबसे ज्यादा महसूस करेंगे।"

युगाँडा में नेकी और उच्च नैतिक मानकों के लिये जाने माने और आदरणीय समझे जाने वाले सेम ऐसे व्यक्ति थें जिन पर हर कोई विश्वास कर सकता हो। और हिल्डा के भेंटवार्ता की सबसे निर्धारक पंक्ति थी: "वें बोलने से ज्यादा सुनना पसंद करते हैं। यह भी एक वजह थी कि उन्हे सभी इतना पसंद करते थें।" उन्होने आगे कहा, "परिस्थिति चाहे जैसी भी हो सेम हमेशा उत्साहित रहते थे, हमेशा हँसी मजाक करते हुये और हर किसी को अच्छी मनोदशा में रखते हुये।"

रोटरी क्लब कंपाला के सदस्य, वें रोटरी में 1978 में आयें; उन्हे जिन बैठकों का संबोधन करते हुये मैंने सुना... लेकिन हाय, बहुत कम बैठकें... उन सभी में जोर देते हुये वें यही कहा करते थें कि 1 मिलियन की आबादी वाले उप महाद्वीप अफ्रीका ने अब तक केवल एक ही रो इं अध्यक्ष दिया है और वें ही यहाँ से दूसरे अध्यक्ष होने वाले हैं! युगाँडा सरकार ने ऐलान किया है कि उनका अंतिम संस्कार पूरे सरकारी सम्मान के साथ किया जायेगा जो रोटरी के ज्येष्ठ नेताओं की योग्यता का बयान करता है जो संस्था में चोटी के स्थान पर आये हैं। ऊपरवाला, नोराह और शेष ओवोरी परिवार को इस बेहद बडे व्यक्तिगत नुकसान का सामना करने की शक्ति दें।

यहाँ हमारे देश में भी कष्टप्रद दौर आया हुया है, जहाँ 1.3 बिलियन भारतीयों के लिये पर्याप्त खाद्यान्न को सुनिश्चित करने साल भर कड़ी मेहनत करने वाले किसान अनेक बड़ी समस्याओं से घिरे हैं। लगातार दो सालों से कमजोर मॉनसून, निरंतर बेपरवाही, प्राधिकारियों की असंवेदनशीलता, तदनुसार MSP (न्यूनतम समर्थन कीमत) में बिना किसी बढ़ोत्तरी के बीज, खाद, कीट नाशक आदि निवेशों की बढ़ती कीमत, प्रर्याप्तता के बावजूद कभी कभी स्थानीय बाजारों में भरमार के बावजूद निर्यातों पर रोक और सबसे बड़ी बात सिंचाई की जरुरतों को पूरा करने वर्षा जल पर अतिनिर्भरता आदि। किसानों की ख़ुदकुशी के संजीदा आँकडों के बाबत में महाराष्ट्र और आँध्र प्रदेश कई सालों से आगे है; अब तमिल नाडु और मध्य प्रदेश के किसानों ने भी विरोध करना शुरू कर दिया है। ऋण में छूट जैसे झटपट-हल काम नहीं आयेंगे। हमारे किसान दीर्घ-कालीन हल चाहते हैं; आज हालात इतने बुरे हो गये हैं कि किसानों के बच्चे खेती को पेशे के रूप में अपनाने की बात को सपने में भी नहीं सोचकर देखना चाहते हैं। इससे हमारे आगे यह सवाल उठ खडा होता है जो मुझे बरसों से परेशान कर रहा है – क्या हम – कम से कम अधिक बेहतर स्थिति में रहने वाले – खून पसीना एक करके मेहनत करने वाले भारतीय किसान के हाथों हमारे खाने की मेज पर परोसे अन्न के लिये पर्याप्त मजदूरी देते हैं? सरकारी नीतियों को दोष देना एक बात है; लेकिन क्या हमने एक पल भी इस कठिन दौर में उनकी मदद करने के बारे में सोचा है? वाकई सोचने की बात है...

रशीदा भगत

अध्यक्ष

की ज़बानी

आंकड़ों को कहानी कहने दो

प्रिय साथी रोटेरियनों,

जब कोई आपसे पूछता है, ''रोटरी क्या है?'' आप क्या कहते हैं? मेरे विचार में हम सभी ने इस भ्रामक सरल प्रश्न पूछ जाने का अनुभव किया है - और यह प्रश्न सुनते ही हमारे शब्दकोष में शब्द अचानक कम पड़ जाते है। यहां तक कि हमारे बीच सबसे मुखर वक्ता को भी हमारे संगठन का सार कुछ ही वाक्यों में व्यक्त करने में कठिन परिश्रम करना पड़ता हैं।

एक संगठन के रूप में, रोटरी को हमेशा अपने कार्यों का दायरा व्यक्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा है: न केवल उसे अभिव्यक्त करने के लिए कि हम क्या करते हैं, बल्कि हम यह कैसे करते हैं, और हम संसार में जो योगदान करते हैं उसका क्या मूल्य हैं।

एक अकाउंटेंट के रूप में, मुझे संख्याएं पसंद हैं। वे सभी भाषाओं में काम करते हैं, और अक्सर वे जटिल सूचनाओं को शब्दों की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। यही कारण है कि इस रोटरी वर्ष में, मैं प्रत्येक क्लब से रोटरी मुख्यालय को दो संख्याएं उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध कर रहा हूँ: मानवतावादी कार्यों पर व्यय की गई राशि, नकदी और वस्तु दोनों प्रकार से; और रोटरी के नाम पर किए गए कार्य के घंटे की संख्या।

अगर हम चाहते हैं कि ये संख्या उपयोगी हो, तो उन्हें शुद्ध-सटीक होना चाहिए। इसका तात्पर्य है कि अभी से शुरू करते हुए हमें अपने क्लब द्वारा सेवा पर व्यय किए गए समय और धन की निगरानी करनी चाहिए।

वर्ष की समाप्ति पर क्लबों के लिए इस सूचना को प्रदान करने का सबसे आसान तरीका अपने कार्यों का लेखा-जोखा प्रति महीने 'रोटरी क्लब सेंट्रल' में दर्ज करना होगा - एक उपकरण जिसे पूर्ण पुनर्निर्मित और पुनर्प्रस्तुत किया गया है और काफी उपयोगी और लाभदायक तथा विगत संस्करण की तुलना में उपयोगकर्ता के अनुकूल है। यदि किसी कारण (उदाहरण के लिए, सीमित इंटरनेट एक्सेस) से आपका क्लब 'रोटरी क्लब सेंट्रल' से जुड़ने में सक्षम नहीं है, तो कृपया अपने मंडल गवर्नर के संपर्क में रहें, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि आपकी सूचनाओं को अन्य तरीकों से दर्ज किया जाएं।

मैं बहुत अधिक दृढ़ता के साथ जोर नहीं दे सकता हूँ कि इस प्रयास का लक्ष्य सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली संख्या को प्राप्त नहीं कर रहा है। किसी भी क्लब विशेष द्वारा उपलब्ध कराए गये संख्याओं में कोई भी प्रतियोगिता, मान्यता या सार्वजनिक उपयोग नहीं होने जा रहा है। यहाँ हमारा लक्ष्य सटीक और विश्वसनीय संख्या प्राप्त करना है जो विश्वास के साथ हमारे सार्वजनिक छवि को कार्य में, हमारी सदस्यता सामग्री में, और हमारे भागीदारों के लिए - विशिष्ट आंकड़ों द्वारा समर्थित संख्याएं को स्पष्ट ढंग से अभिव्यक्त कर सके, और क्लब के स्तर पर, ये सूचनाएं न केवल इस प्रश्न कि ''रोटरी क्या है?'' का उत्तर देता हैं, बल्कि इस प्रश्न का जवाब भी देता है, ''रोटरी क्या करता है?''

मैं दृढ़ता से स्वीकार करता हूँ कि इन संख्याओं के साथ, हम रोटरी के मूल्यों अधिक बेहतर तरीके से प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे: *रोटरी परिवर्तन ला रही है* - जो समय बीतने के साथ हमें पहले की तुलना में और अधिक लोगों के लिए और अधिक विधियों से, पहले से कहीं अधिक परिवर्तन करने में सक्षम बनाएगा।

इयन एच.एस. रायसली

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल, 2017-18

रो इं निदेशक

का संदेश

चलिए हमारे विकास की योजना बनाए

प्रिय रोटेरियनों,

जुलाई का महीना व्यस्त बीता क्योंकि उसमें अनेकों कार्यक्रम आयोजित हुए जैसे दुनिया भर में नए नेतृत्वकर्ताओं द्वारा नेतृत्व का दायित्व लेना, रोटरियनों का उनके रोटरी क्लबों के स्थापना समारोहों में शामिल होना, मित्रता का मजबूत होना और क्लबों एवं सदस्यों के मध्य नए संबंध विकसित होना। हम सभी रोटरियनों के लिए, अगस्त सही मायनों में ख़ास महीना है। यह एक नयी अवधि की शुरुआत का सूचक भी है। अपने समुदायों की सेवा करने के अपने वायदे के प्रति अपने आप को दोबारा समर्पित करने का और काम करने का संकल्प लेने का यह उपयुक्त समय है।

दोस्तों, यह अब काम करने का समय है। हमनें रोटरी वर्ष 2017-18 हेतु स्वयं के लिए एक विस्तृत मानचित्र तैयार कर लिया है।

मुझे आपको हमारे मुख्य ध्यानाकर्षण क्षेत्रों को याद दिलाने दीजिये:

- हमारे क्लबों को समर्थन देना और मजबूत बनाना
- मानवीय सेवाओं पर ध्यान केन्द्रित करना और वृद्धि करना
- रोटरी की सार्वजनिक छवि एवं जागरुकता को बढ़ाना

हमें क्लब स्तर पर नवीनता और लचीलेपन को पोषित करने की आवश्यकता है। हमें अपने क्लबों को सेवा गतिविधियों की श्रृंखलाओं में सम्मिलित होने के लिए समर्थन देना चाहिए एवं प्रोत्साहित करना चाहिए। सदस्यता विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए हमें नए वर्गीकरण की तलाश करनी चाहिए। उसी समय, हमें सदस्यों को उनके क्लबों की गतिविधियों में अधिक सक्रियता से भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। आधी को छोड़ पूरी को धावे आधी मिले ना पूरी पावे: नयी सदस्यताओं की खोज मौजूदा सदस्यों के मूल्य पर नहीं की जा सकती। अवरोधन कुंजी है, ना केवल कंपनियों में बल्कि हमारे क्लबों में भी। 100 प्रतिशत अवरोधन सुनिश्चित करने के लिए अधिक प्रयत्न कीजिये। हमें क्लब स्तर पर संभावित नेतृत्वकर्ताओं की पहचान करनी चाहिए और उन्हें हमारे क्लब की साप्ताहिक/पखवाड़े में होने वाली बैठकों एवं सेवा परियोजनाओं में सम्मिलित कीजिये, उन्हें नेतृत्व की भूमिकाएं दीजिये और भविष्य के उत्कृष्ट रोटरी नेतृत्वकर्ताओं में विकसित होने में उनकी मदद कीजिये। नेतृत्व एक नीचे से ऊपर का अभ्यास है। हमारे क्लबों में नेतृत्व के लिए बहुत अधिक प्रतिभा और सामर्थ्य है। एक सदस्यता सर्वेक्षण कीजिए; काबिल सदस्यों की, नए वर्गीकरण की खोज कीजिये और नए क्लबों की शुरुआत कीजिये। क्लब एवं मंडल स्तर पर रणनीतिगत नियोजन के कार्यान्वियन में सदस्यों को प्रोत्साहित एवं सम्मिलित कीजिये। सुनिश्चित कीजिये कि प्रत्येक रोटरी क्लब उसके संविधान एवं उप-नियमों का सम्मान एवं पालन करे।

रातोंरात सफलता जैसी कोई चीज़ नहीं होती। हमें एक खुले दिमाग की आवश्यकता है ताकि हम समुदायों की सेवा करने के हमारे कौशल को निखारने के लिए लगातार नए दृष्टिकोणों को अपना सकें। सीखना एक कभी ना खत्म होने वाली प्रक्रिया है और केवल इस प्रक्रिया के प्रति निष्ठावान होकर हम सदस्यता एवं सेवा के हमारे मिशन में सकारात्मक योगदान दे पाएंगे।

मुझे बिल गेट्स की बात दोहराने दीजिये, जिन्होंने रोई एटलांटा सम्मेलन में ''विश्व पोलियो उन्मूलन पहल'' को दुनिया द्वारा अब तक किया गया एकमात्र सबसे महत्वाकांक्षी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयास कहा। ऐसा करते हुए उन्होंने रोटरी को दुनियाभर में बच्चों को लकवाग्रस्त करने वाली बीमारी का अंत करने में उत्प्रेरक और अव्यावहारिक साझेदार बनने के लिए धन्यवाद दिया। ''रोटरी ने संस्थान की नींव अपने अटल उद्देश्य और इस विश्वास के साथ रखी कि हर चीज़ संभव है यदि आप उसमें अपना तन-मन लगा दे तो। यह नए विचारों को उत्पन्न करने की, सबक सीखने की, और उन्हें नयी परिस्थितियों के अनुरूप ढालने की प्रतिभा है जो मुझे आशावान बनाती है कि हम शून्य तक पहुंचेंगे।''

दोस्तों, हमारा उद्देश्य पर्याप्त संसाधनों (स्वयंसेवकों के साथ-साथ आर्थिक मदद) को इकठ्ठा करना है ताकि धरती से पोलियो को पूरी तरह से मिटाया जा सके। ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है रोटरी संस्थान में अधिक दान देना और हमारी सदस्यता संख्या को मजबूत बनाना/बढ़ाना।

1 जून को, आरआईएसएओ के समर्थन से पहली बार मैंने रोटरी वेबिनर को संबोधित किया। जैसा कि आपमें से बहुत से लोग जानते है कि वेबिनार इंटरनेट-आधारित सेमिनार है जिसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सॉफ्टवेर की मदद से इंटरनेट पर प्रसारित किया जाता है। वेबिनार की एक प्रमुख विशेषता उसका पारस्परिक तत्व है: एक ही समय में जानकारी देने, प्राप्त करने और चर्चा करने की उसकी काबिलियत। मुझे प्रोत्साहक प्रतिक्रिया मिली और, आगे बढ़ते हुए, मैं वेबिनार के माध्यम से आपके साथ रोटरी में हमारे द्वारा साथ में किये जा सकने वाले कार्यों के सभी पहलुओं को साझा करने एवं उन पर चर्चा करने (और आपकी प्रतिक्रिया जानने के लिए भी) उत्सुक हूँ। उन सभी के फायदे के लिए जो वेबिनार तक नहीं पहुँच पा रहे है, रिकार्डेड संस्करण का यह लिंक है: *https://vimeo.com/219854581. Rotary: Making a Difference!*

C. Baske

सी भास्कर

निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

फाउंडेशन न्यासी

अध्यक्ष का संदेश

हमसे बात कीजिए; हम सुनेंगे

वैसे भी रोटरी फाउंडेशन न्यास के अध्यक्ष क्या करते है? अन्य न्यासी क्या करते हैं? ये प्रश्न अक्सर मुझसे अलग-अलग तरीकों से पूछे जाते हैं। न्यासी बोर्ड फाउंडेशन के व्यवसाय का प्रबंधन करता हैं, जो हमारे संगठन का परोपकारी विभाग है और जो आपके द्वारा दिए गए उपहारों को स्थायी परिणामों में परिणत करता है जिससे- घर और सम्पूर्ण विश्व दोनों - में लोगों का जीवन बेहतर होता हैं।

एक कार्य जो हम करते हैं, वह है सुनना। हम आपकी, सदस्यों की बातें सुनते हैं। आपकी आवाज.हमारे पास प्रतिक्रियाओं, विचार, चिंताओं, और अनुशंसाओं के साथ अनेक अलग-अलग चैनलों और कनेक्शन के माध्यम से पहुँचती है।

हम अपनी रोटरी फाउंडेशन समितियों के विचारों को सुनते हैं। हम अपने क्षेत्रीय समन्वयकों और सलाहकारों, मंडल फाउंडेशन समिति के अध्यक्षों, और अपने मंडल गवर्नरों की बातों को सुनते हैं। हम अपने सहयोगी रोटरी फाउंडेशन की बात सुनते हैं जो सात देशों में स्थानीय कर लाभ प्रदान करती हैं।

हम निदेशक मंडल के अपने सहयोगियों, रोटरी के अपने विश्वासी कर्मचारियों, अपने अतुलनीय पोलियोप्लस समितियों और अपने पोलियो भागीदारों, अपने रोटेरियन कार्य समूहों और तकनीकी सलाहकारों के संवर्ग की बातों को सुनते हैं। इतना ही नहीं, हम अपने छह रोटरी शांति केंद्रों की प्रतिक्रिया को सुनते हैं।

रोटेरियन फाउंडेशन के मेरुदण्ड हैं, इसलिए आपकी बात सुनना महत्वपूर्ण है।

उदाहरण के लिए, वर्ष 2016 के विधान परिषद (COL) में रोटेरियन के विचारों को सुनने से सदस्यता के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अनेकों महत्वपूर्ण सुधारों को कार्यान्वित करने में मदद मिली। ये सुधार क्लबों को अधिक लचीलापन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, एक महत्वपूर्ण नियम परिवर्तन के कारण सेवा परियोजना को बैठक के रूप में स्वीकार किया जा सकता है। एक और महत्वपूर्ण बात,रोट्रैक्टर में रहते हुए भी रोट्रैक्टरों अब रोटरी क्लब के सदस्य बन सकते हैं।

इन सभी परिवर्तनों से रोटरी फाउंडेशन को कैसे लाभ प्राप्त होता है? फाउंडेशन की शक्ति हमारे सदस्यों से शुरूहोती है, और हम विश्वास करते हैं कि नए क्लब में लचीलेपन का विकल्प सदस्यों को आकर्षित करेगा और अधिक सदस्य बनाने में मदद करेगा। वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए रोटरी को क्या करने की जरूरत है? यही COL का तीन-वर्षीय चक्र आपको रोटरी के विकास को जारी रखने के लिए विचारों को आगे बढाने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2019 COL के लिए प्रस्तावित अधिनियमितियों को प्रस्तुत करने की अंतिम समय सीमा 31 दिसंबर है। अपने विचारों को यहाँ पर साझा करें: on.rotary.org/COLproposals

आप हमारी सबसे बडी शक्ति हैं। मुझे अपनी बातें सुनने दीजिए। आप paul.netzel@rotary.org. के माध्यम से मुझसे संपर्क कर सकते है।

पॉल ए. नेटज़ेल
फाउंडेशन न्यास अध्यक्ष

उदारतापूर्वक दान दीजिए

बचपन का कैंसर

उच्च रूप से उपचारयोग्य और ठीक होने योग्य है

आपका दान जीवनों को बचाने में सहायता करेगा

कैंसर की देखभाल में गुणवत्ता मामले

पूर्व की अपेक्षा अधिक बच्चे कैंसर से जीवित बच रहे हैं। अधिकांश प्रकार के कैंसर पूर्ण रूप से ठीक किए जा सकते हैं किंतु या तो उसके लिए अधिक सुविधाएँ सज्जित नहीं थीं अथवा लोग सजग नहीं थे। कारण भिन्न थे, कुछ मरीज विशिष्ट और कुछ तुच्छ थे। उदाहरण के लिए, अस्पताल तक जाने के लिए धन न होना अथवा यहाँ उनका साथ देने के लिए कोई नहीं, ऐसा नहीं कहा जाना कि बीमारी चार अथवा पाँच मुलाकातों में पूर्ण रूप से ठीक की जा सकती है, इत्यादि।

आँकड़े खुलासा करते हैं कि प्रत्येक वर्ष हमारे राज्य में लगभग 6000 से 8000 बच्चों में कैंसर की पहचान होती है। हमारे राज्य में ठीक होने की समग्र दर का आकलन 10% किया जाता है जब विश्वव्यापी मानक 90% से तुलना की जाती है।

उन बच्चों में से 40% BPL से संबंध रखते हैं। कैंसर का उपचार बहुत महँगा है और इन लोगों के लिए वहनीयता के परे है, जिसका परिणाम मृत्य होता है। वंचित वर्ग के बच्चों के पास कोई साधन अथवा वित्तीय सहायता नहीं होती है। बसावर्तकम इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट (BIACHRI) आप जैसे संरक्षकों के उदार दानों के माध्यम से निशुल्क उपचार प्रदान करने के पदों में ऐसे लोगों की सहातया करता है। उपचार में आवश्यकता के आधार पर कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी सम्मिलित होती है।

हम कैंसर से लडने वाले बच्चों की देखभाल को सुधारने के लिए हमारे प्रयास में आपकी उदार सहायता की वास्तव में प्रशंसा करते हैं। आपका योगदान आयकर अधिनियम की धारा 80G के अंतर्गत खढ लाभों का पात्र है।

प्राप्त दानों का खाता पृथक रूप से रखा जाता है और उल्लेखित उद्देश्य के लिए न्यायपूर्वक खर्च किया जाता है

हम रु 50,000 और अधिक के दानदाताओं को स्वयं और दंपत्ति के लिए एक प्रशंसात्मक कैंसर चेक, रु 25,000/- और अधिक के दानदाताओं को स्वयं के लिए एक प्रशंसात्मक कैंसर चेक और रु 10,000/- हम स्वयं के लिए कैंसर जाँच पर 10% छूट प्रदान कर रहे हैं।

समय निर्धारण के लिए कृपया संपर्क कीजिए +91 95537 98500, +91 98493 98879

For those using EFT/ NEFT/ RTGS payment System INR donations to the following Bank Account.

Name of the Account: **Smt. Nandamuri Basavataraka Rama Rao Memorial Cancer Foundation Corpus Fund A/c.**

Bank Account No.: **151411100000070**

Name & Address of the Bank: Andhra Bank, Road No.14, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

MICR Code No.: 500011118 | IFSC Code No.: ANDB0001514 | SWIFT Code: ANDBINBB

You can also pay Online or with your Credit Card. Visit our **www.induscancer.com**

Please download form from our website and send in duly filled along with your cheque/ DD to the below address

BASAVATARAKAM INDO-AMERICAN CANCER HOSPITAL & RESEARCH INSTITUTE

Dept. of Corporate Affairs and Strategic Alliance

BASAVATARAKAM INDO-AMERICAN
CANCER HOSPITAL AND RESEARCH INSTITUTE

Promoted by Smt. Nandamuri Basavataraka Ramarao Memorial Cancer Foundation and Indo-American Cancer Organisation

Road No. 14, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 India T: +91 40 2355 1235 Ext. 2315

WINNER 2015
CNBC TV18 & ICICI LOMBARD India Healthcare Awards, 2014
Best Single Speciality Hospital "ONCOLOGY"

Amongst India's
15 Best Cancer Hospitals
The WEEK-NIELSEN Survey, 2013 & 2014

www.induscancer.com **Toll-free: 1800 4253 6666**

WHERE WILL ROTARY GLOBAL REWARDS TAKE YOU?

THE MEMBER BENEFIT PROGRAMME THAT OPENS UP A WORLD OF OPPORTUNITIES.

Rotary

SEE MORE AT ROTARY.ORG/GLOBALREWARDS

District Wise TRF Contributions as on June 2017

(in US Dollars)

District Number		APF	PolioPlus*	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions
India						
2981		577,426	27,464	0	7,000	611,890
2982		52,090	21,346	7,653	26,000	107,089
3000		686,313	36,482	174,105	181,618	1,078,518
3011		636,578	55,922	515,207	499,000	1,706,707
3012		397,657	87,253	159,124	109,280	753,313
3020		115,289	37,669	60,769	383,841	597,569
3030		1,371	23,496	(176,129)	(8,825)	(160,087)
3040		20,961	3,074	54,762	0	78,798
3051		39,357	494	0	0	39,851
3052		(6,327)	0	59,790	0	53,464
3053		152,265	0	0	12,500	164,765
3060		215,318	51,255	41,986	150,430	458,989
3070		134,849	1,525	27,764	25,090	189,229
3080		268,543	61,115	212,608	81,047	623,314
3090		72,512	0	0	0	72,512
3110		57,268	27,015	330,713	0	414,996
3120		77,027	2,881	72,075	47,291	199,274
3131		428,085	62,874	355,081	195,228	1,041,267
3132		126,124	7,363	16,877	20,462	170,824
3141		1,599,229	98,851	882,291	140,807	2,721,179
3142		284,741	10,429	5,250	29,000	329,420
3150		230,248	26,572	187,129	106,477	550,426
3160		203,161	4,332	3,000	8,489	218,982
3170		426,561	57,853	193,395	138,404	816,213
3181		213,175	7,572	27,261	0	248,008
3182		144,344	2,476	39,309	35,373	221,502
3190		978,673	73,380	467,721	1,150	1,520,924
3201		309,836	15,190	573,581	105	898,712
3202		116,553	7,717	0	15	124,285
3211		287,751	1,015	274,694	48,015	611,474
3212		158,044	26,092	49,265	4,000	237,401
3230		459,455	49,202	422,563	78,727	1,009,947
3240		164,452	17,443	1,050	17,522	200,467
3250		124,296	6,169	10,354	1,000	141,820
3261		72,814	100	121,140	0	194,054
3262		172,889	5,762	133,477	17,000	329,128
3291		244,564	5,577	150,943	12,125	413,208
India Total		**10,268,053**	**1,923,479**	**5,454,913**	**2,368,171**	**20,014,615**
3220	**Sri Lanka**	183,051	691	3,015	12,075	198,832
3271	**Pakistan**	82,423	123,235	20,011	100	225,769
3272	**Pakistan**	109,397	23,705	0	4,000	137,103
3281	**Bangladesh**	218,636	37,761	119,192	10,000	385,589
3282	**Bangladesh**	95,258	4,157	27	3,000	102,442
3292	**Nepal**	360,168	5,717	297,332	30,000	693,216
South Asia Total		**11,316,984**	**2,118,746**	**5,894,490**	**2,427,346**	**21,757,566**
World Total		**136,292,585**	**35,860,155**	**17,091,686**	**26,169,508**	**215,413,934**

** Excludes Bill and Melinda Gates Foundation.*

Source: RI South Asia Office

Häcker

kitchen. germanMade.

DELHI	MUMBAI	BENGALURU	KOCHI	COIMBATORE	CHENNAI	HYDERABAD	AHMEDABAD	LUDHIANA	JAIPUR	INDORE	THRISSUR
9313134488	9322987229	9740999350	9895058285	9500210555	9442081111	9700058285	9879538977	9815048222	9414058718	9425803599	7025991000

E-mail: info@hacker-kitchens.com

Website: www.haecker-india.com / www.haecker-kuechen.com

ओड़िशा का कौशल विकास

रशीदा भगत

उनके आईटी इन्ड्स्ट्री में उत्साह्वर्धक एवम् पुरस्कृत करियर में एक लम्बा भाग आईटी सर्विसेज़ की कम्पनी माइन्ड्ट्री के संस्थापक के रूप में था। उसे 31 मार्च 2016 को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में छोड़ने के कुछ ही दिन उपरांत शुब्रोतोबागची को ओड़िशा के मुख्यमन्त्री नवीन पटनायक का अनपेक्षित फ़ोन आया। ''उन्होंने कहा, कृपया आकर कौशल विकास (स्किल डेवेलपमेंट) में हमारी सहायता करें।''

उसके सिर्फ़ दो दिन पहले, 2 अप्रैल को बागची ने, जो कि भारतीय कॉर्पोरेट दुनिया के उत्तम वक्ताओं में से माने जाते हैं जिनका भारतीय कॉर्पोरेट दुनिया के उत्तम वक्ताओं में शुमार है, ओड़िशा के वरिष्ठ नौकरशाहों कोनेतृत्व के विषय पर ओड़िशा नॉलेज हब में संबोधित किया था। आम तौर पर इस उद्देश्य से कि नौकरशाह खुलकर अपने विचारों का आदान-प्रदान कर सकें, मुख्यमन्त्री इन सभाओं में नहीं जाते। बागची को इस बात का ज़रा भी अंदेशा नहीं था किमुख्यमन्त्री अपने कमरे से एक वीडियो लिंक द्वारा सारा कार्यक्रम देख रहे थे।

''मैं हतप्रभ था क्योंकि मैंने अपने जीवन में यह काम कभी किया ही नहीं था। और फ़िर कौशल विकास तो उन बच्चों के लिये होता है जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया होता है। यह कोई फ़ैंसी चीज़ तो है नहीं। मूलतः ज़बर्दस्त मेह्नत का काम है,'' वह कहते हैं।

राज्य में यह वायदा किया गया था कि जिन 11 लाख बच्चों ने स्कूल छोड़ दिया था, उन्हें अगले पाँच वर्षों में ऐसा कौशल सिखाया जायेगा जो आगे चलकर नौकरी मिलने में उनकी सहायता कर सके। अब वह कार्यक्रम अपने तीसरे वर्ष मेंथा और आठ लाख बच्चों को अभी भी प्रशिक्षण दिया जाना बाकी

भुवनेश्वर में सुब्रतो और सुस्मिता बागची घर पर अपने प्यार से बनाये हुए बगीचे में।

था। ''प्रस्ताव काफ़ी आकर्षक था,'' वे कहते हैं। एक कैबिनेट पद दिये जाने की बात थी। और ''उन्होंने कहा कि मैं आपको अपना काम करने के लिये खुली छूट दूँगा। आप जिसेलाना चाहें, ले आयें। लेकिन मैंने कहा कि मैं इस तरह काम नहीं करता। मैं उन ही लोगों के साथ काम करता हूँ जो यहाँ पहले से हैं। लेकिन मुझे निर्णय लेने में कुछ वक्त लगेगा।''

उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी सुस्मिता की राय ली। ''आप उन्हें जानती हैं। वह सामाजिक जीवन से दूर, एकांतप्रिय व्यक्ति हैं। मुझे लगा वह इंकार कर देंगीं, लेकिन आश्चर्य! उन्होंने कहा, 'तुम उस राज्य में जन्मे हो, तुम्हें यह ज़रूरकरना चाहिये।' इसके बाद उन्होंने इन्फ़ोसिस के सह-संस्थापक और *आधार* के प्रणेता नन्दन निलेकणी से बात की। और

एक सिलाई मशीन ऑपरेशन केंद्र में सुब्रोतो बागची प्रशिक्षुओं के साथ भोजन साझा करते हुए।

फ़िर टीमलीज़ के सह-संस्थापक मनीष सभरवाल से। दोनों ने कहाः 'बिलकुल करो।' जब उन्होंने अपने सबसे बड़े भाई, जो ओड़िशा से नौकरशाह के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं, की राय जाननी चाही तो ''उन्होंने मुझे फ़टकार लगा दी। कहा कि तुम मुझसे पूछ भी क्यों रहे हो? तुम निजी क्षेत्र (प्राइवेट सेक्टर) वाले लोग सरकार की अक्षमता की बात करके उस पर आरोपलगाते हो, तो अब यहाँ आ कर खुद को साबित करके दिखाओ।''

और 1 मई को शुब्रोतो बागची ने सिर्फ़ एक रुपये के वार्षिक वेतन पर वह नौकरी स्वीकार कर ली।

मैं टीआरएफ़ के एक शतवर्षीय भोज (सेन्टेन्निअल डिनर) के लिये भुबनेश्वर आई हुई हूँ और कई सालों बाद बागची से मिल रही हूँ। सुस्मिता ने हमें स्वादिष्ट नाश्ता करवाया है जिसकी खूबी है पतली फ़ाँक का हल्का तला बैंगन जो उनके ऑर्गेनिक बगीचे में उगाया गया है। इस बगीचे को यह दंपति बहुत प्यार से सींचता है। मुलाकात शुरू होने के पहले ही बागची भुबनेश्वर के अपने मन्त्रीवाले विशाल बंगले के बड़े से बगीचे की मुझे सैर करवाते हैं और बहुत गर्व से केंचुआ खाद (वर्मीकाँपोस्ट) का टैंक दिखाते हैं। मुझे उसकी बहुत ज़्यादा तारीफ़ न करते देख वे कुछ निराश भी हो जाते हैं।

एक नई यात्रा की शुरुआत

नौकरी स्वीकारने के तुरंत बाद बागची ने अपने नए काम को ठीक से समझने के लिये 30 दिन में 30 ज़िलों का तूफ़ानी दौरा कर डाला। ''45 डिग्री की कड़ी धूप में मैंने 7,700 किमी की दूरी तय की; प्रशिक्षण केंद्र के हज़ारों बच्चों,सरकारी अधिकारियों, प्रशिक्षकों और बाकी हितधारकों (स्टेकहोल्डर) से मिला और फ़िर अपनी रणनीति तय की।''

उनका सबसे मुख्य काम था *स्किल्ड-इन-ओडिशा* ब्रैंड का विकास करना। ''किसी को कौशल के सिर्फ़ कुछ ज़रिये ही दे देना पर्याप्त नहीं है। ये तो दरअस्ल मानव परिवर्तन और आत्मविश्वास से संबंधित हैं। आप यह नहीं कह सकते कि मैंतुम्हें एक कौशल दे रहा हूँ। अब तुम जाओ और पैसा कमाओ,'' बागची कहते हैं। वे कहते हैं कि कौशल विकास के इस सम्पूर्ण क्रम में ''दिल्ली से लेकर नीचे तक हर कोई सिर्फ़ अंकों की बात करता है और उसमें कहीं मानव गाथा खो जाती है।जब मैं इस काम से जुड़ा तो हमें आठ लाख बच्चों को कौशल सिखाना था, लेकिन उन अंकों के पीछे कहीं एक बच्चा भी तो था।''

अपने अधिकारियों को उनका सबसे पहला निर्देश थाः ''आप सिर्फ़ अंकों (डेटा) को नहीं देखें बल्कि एक मानवीय नज़रिया भी रखें, और *स्किल्ड-इन-ओडिशा* की ओर ध्यान मोड़ने की ज़रूरत है ताकि धीरे-धीरे हम यह छवि तैयार कर सकेंकि उत्तम कुशल लोग ओड़िशा से आते हैं। यह रातोंरात नहीं हो सकता।'' बागची ने उन्हें यह भी सलाह दी कि वे उसे तीन-वर्षीय योजना के नज़रिये से

पुरानी और नई वर्दी।

यदि आप न्यू यॉर्क में पोलो य टॉमी हिल्फ़िगर शर्ट खरीदें, तोसंभव है कि उसे किसी ओड़िया लड़की ने छुआ होगौ।

स्किल्ड-इन-ओडिशा के रोल मॉडल।

देखें ताकि आईटी इंडस्ट्री की ही तरह नियोक्ता (नौकरी देनेवाले) आकर समय से पहले ही कौशल का चुनाव कर सकें।

एक मॉडल का निर्माण

बागची चाहते हैं कि पाँच सालों में वे एक ऐसा सफ़ल मॉडल तैयार कर पाएं जो दोहराए जाने के काबिल हो। अपने शुरुआती सफ़र में जब वे आईटीआई के दौरे पर गये थे तो उन्हें वहाँ की स्थिति भयंकर लगी थी; कुछ जगहों पर सेप्लास्टर गिर रहा था, छत टूटी हुई थी, जगह तंग थी, आदि। और सुबह के सवा दस बजे भी जगह खाली थी; प्रशिक्षक पहुँचे नहीं थे। कुछ ज़िलों की जिन आईटीआई इमारतों में वे गए, वे बिल्कुल नई थीं, लेकिन थीं बिल्कुल वीरान!

बागची बताते हैं कि ओड़िशा सरकार 75 दिन या लघु अवधि के प्रशिक्षण कोर्स पर, जिसे वह एक निजी एजेंसी द्वारा चलाती है, प्रति छात्र रु 50,000 खर्च करती है। ''भारत में ज़्यादातर कौशल विकास निजी एजेंसियों द्वारा ही करवायाजाता है। नियमगिरी की पहाड़ियों तले चलाये जा रहे एक प्रशिक्षण केन्द्र में उन्होंने पाया कि एक कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी PIA (प्रोग्रैम इम्प्लिमेंटेशन एजेंसी) ने नर्सिंग असिस्टेंट का प्रशिक्षण पा रही लड़कियों को ज़मीन पर बिठाया था। और ज़मीन पर ही सुलाया भी था।

अपने दौरों पर से संकलन की गई एक क्लिप मुझे दिखाते हुए बागची शांतिलता पात्रा की ओर संकेत करते हैं जो दो बच्चों की माँ है और जूतों का ऊपरी हिस्सा बनाना सीख रही है। उसके पति ने उसे छोड़ दिया है और इसके बाद वह बहादुरगढ़ के लैदर पार्क में जाएगी जहाँ सैंकड़ों और महिलाओं के साथ मिलकर महीने में कम से कम दस हज़ार रुपये कमाएगी। लेकिन उन महिलाओं की अनेकों में से एक समस्या यह थी कि ज़मीन से जो पानी वे पीने के लिए इस्तेमाल कर रही थीं वह बहुत प्रदूषित था। ''आपको उम्मीद होती है कि आपको सांस्कृतिक विषयों,भाषा और भोजन जैसे मुद्दों पर सुनने को मिलेगा न कि यह कि वे स्थानीय जल नहीं पी सकतीं। यह एक विडंबना है क्योंकि देश में ज़मीन के पानी का सबसे ऊँचा स्तर ओड़िशा में है, और जिन गाँवों से वे आती हैं उनमें साफ़ पानी मिलता है,'' बागची एक आह भरते हुए कहते हैं।

भविष्य की चुनौतियाँ

बागची की सबसे पहली चुनौती है कि 44 सरकारी आईटीआई (निजी आईटीआई 600 हैं) को वे एक मिसाल बनाएं, लेकिन इस समय उनकी सबसे बड़ी कमी है अच्छे प्रशिक्षक, जो कि देश भर के कौशल परिदृश्य में एक सामान्य बात है इसके बाद उनकी टीम ओड़िशा में आठ अलग-अलग जगहों में रु1000 करोड़ की लागत से आठ उन्नत एवम् विश्व स्तर के कौशल प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना करेगी। ''ये फ़िनिशिंग स्कूल की तरह होंगे; इनमें आईटीआई की प्रशिक्षण गुणवत्ता को भी बेहतर किया जाएगा।''

एक ओर जहाँ इस पहल से तीन सालों में कुल आठ लाख प्रशिक्षित किये जानेवाले छात्रों में से 20 प्रतिशत को प्रशिक्षित किया जा सकेगा, ''बाकी 80 प्रतिशत को फ़िर भी रोज़गार से जुड़े लघु अवधि कार्यक्रमों के माध्यम से ही प्रशिक्षितकिया जा सकेगा। राज्य के सबसे ज़्यादा संख्या में प्रशिक्षु इन्डस्ट्रियल ग्रेड स्यूइंग मशीन चलाने का कौशल लिये हुए हैं। सिर्फ़ तिरुपुर ही में हज़ारों ओड़िया लड़कियाँ हैं; तो यदि आप न्यू यॉर्क में पोलो य टॉमी हिल्फ़िगर शर्ट खरीदें, तोसंभव है कि उसे किसी ओड़िया लड़की ने छुआ होगा,'' बागची मुस्कुराते हैं।

स्टील की फ़ैक्ट्रियाँ खोलने से रोज़गार सृजन नहीं होनेवाला, यह तब होगा जब आप छोटे-छोटे गृह उद्योग शुरू करेंगे।

सुमाती नायक

तो ओड़िशा के जो आठ लाख युवा प्रशिक्षण पायेंगे, क्या उनमें 50 प्रतिशत लड़कियां होंगीं, मैं पूछती हूँ। ''दरअस्ल हमें इस बात से बहुत प्रोत्साहन मिलता है कि लघु अवधि के रोज़गार कार्यक्रमों में लड़कियाँ लड़कों से ज़्यादा मात्रा में आगेआती हैं। तिरुपुर में अधिकतर सिलाई मशीनों को लड़कियाँ ही चलाती हैं; लड़के बहुत कम हैं। लेकिन मेरी समस्या यह है कि आईटीआई में सिर्फ़ 6 प्रतिशत बच्चियाँ ही शामिल हैं। हम कह रहे हैं कि तीन-चार वर्षों में हमें इसे 50 प्रतिशत करनाहोगा।''

नई स्मार्ट वर्दी

चूंकि किसी भी प्रशिक्षण / कौशल के मॉडल का एक ध्येय, कौशल के साथ-साथ आत्मविश्वास देना भी होता है, उन्होंने सबसे पहले उबाऊ पुरानी वर्दियों पर ध्यान केंद्रित किया। ''सलवार-क़मीज़ और दुपट्टा पहनी लड़कियाँ सीएनसी मशीनें कैसे चलाएंगीं? तो हमने एनआईएफ़डी से उनकी वर्दियों को नया स्वरूप दिलवाया, और स्मार्ट वर्दियों में लड़कों और लड़कियों से रैंप वॉक करवाया। उन्होंने आईटी इन्डस्ट्री के शुक्रवार को कैज़ुअल ड्रैसिंग के चलन को भी वहाँ पर लागूकिया।''

लेकिन भारतीय सामाजिक मानसिकता, जो कौशल वाले लोगों को कलंकित मानती है, को बदलना एक बड़ी चुनौती है। ''स्विट्ज़रलैंड या अमेरिका में हम इलेक्ट्रिशिअन को चाय का कप देते हैं, लेकिन यहाँ चाहते हैं कि वह चप्पल बाहरछोड़ कर आये! हमें समाज की सोच को बदलना होगा और उसे कौशलवाले लोगों का मान और सम्मान करना सिखाना होगा।''

बागची आशा करते हैं कि वे आगे चलकर सेल्फ़ हेल्प ग्रूप (एसएचजी) में मौजूद कौशल प्रशिक्षकों का भी लाभ उठा सकेंगे। ''हमें सबसे ज़्यादा कौशल किसने सिखाया? हमारी माँ ने। इस राज्य में अच्छे सेल्फ़ हेल्प ग्रूप हैं और मैं चाहता हूँकि जो अच्छी तरह स्थापित हैं, वे कौशल प्रशिक्षक बनें।''

ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता का निर्माण

ओड़िशा के नये कौशल विकास प्रमुख आशा करते हैं कि वे भारत में नौकरी ढूंढ़नेवालों की बढ़ती सेना का हल ज़मीनी स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहन देकर निकाल सकेंगे। ''यह एक चुनौती है; मैं इसे नेनो-यूनिकॉर्न प्रॉजेक्ट कहता हूँ। हरकोई ओला या फ़्लिपकार्ट की बात करता है, लेकिन नुआपाड़ा, य उड़ाला या फ़िर दूर बसे किसी गाँव को यहाँ ऐसे लोगों की ज़रूरत है जो छोटे-छोटे उद्यम शुरू करें जो बढ़कर एक या फ़िर, दो वर्षों में, एक या दो और को रोज़गार दे सकें। स्टील की फ़ैक्ट्रियाँ खोलने से रोज़गार सृजन नहीं होनेवाला, यह तब होगा जब आप छोटे-छोटे गृह उद्योग शुरू करेंगे, जब एक छोटा सा व्यवसाय शुरू करनेवाला एक छोटा आदमी कहेगा, 'मुझे विकास दिखाई दे रहा है और अब मुझे एक औरव्यक्ति की ज़रूरत है जो मेरी मदद कर सके।' तो आगे जाने के लिये ज़रूरत है छोटे उद्यम छोटे और सक्षम उद्यमी पैदा करने की।''

ऐसा करने के लिये पैसे की उपलब्धता, चुनौती का बस एक ही हिस्सा है, ''जानकारी की विषमता को विभाजित करना उससे बड़ी चुनौती है।'' बैंक से मिलनेवाले कर्ज़ के लिये भी पहाड़ जैसी कागज़ी कार्रवाई करना छोटे उद्यमी को कुंठित करदेता है। ''यहाँ पर प्रभावी निवेश (इंपैक्ट इंवेस्टमेंट) के लिये परोपकारी वित्त (फ़िलैंथ्रोपिक कैपिटल) क्यों नहीं आ सकता? इस वर्ष मैं 30 ज़िलों में 100 छोटे उद्यम चुनकर उन्हें मुनी टीगा के उदाहरण की तरह पेश करना चाहता हूँ। और अगले वर्षउसे तीन गुना बढ़ाना चाहता हूँ, फ़िर दस गुना और ऐसा उभारना चाहता हूँ कि कौशल के धनी लोगों को तिरुपुर न जाना पड़े, वे यहीं रहकर अपना जीवनयापन कर पाएं।''

एक प्रणाली का, सरकार का हिस्सा होना बिल्कुल अविश्वसनीय सा है। मेरे लिए यह बिल्कुल जीवन बदलने जैसा अनुभव है।

लड़कियाँ बुलैट मोबाइक बनाती हैं

बागची अच्छे नियोक्ताओं को आकर्षित करने के लिये स्किल्ड-इन-ओड़िशा को एक बड़ा ब्रैंड बनाना चाहते हैं। इस पर वे कहते हैं, ''मुझे उस वक्त बहुत खुशी हुई जब बरहामपुर के सरकारी आईटीआई के प्रिंसिपल ने मुझे तस्वीरें भेजीं औरकहा कि मेरी लड़कियाँ अब बुलेट मोटरसाइकिल बना रही हैं। उन्हें रॉयल एनफ़ील्ड ने नौकरी दी है, वे शॉप फ़्लोर पर काम कर रही हैं और उन्होंने रॉयल एनफ़ील्ड बस के सामने खड़े होकर खींची सेल्फ़ी भेजी हैं। हम चाहते हैं कि रॉयल एनफ़ील्डजैसी कंपनियाँ *स्किल्ड-इन-ओड़िशा* से सीखे हुए बच्चों की ओर देखें।''

अगला पड़ाव है उन कंपनियों की राज्य में शुरुआत करवाना। कई लोग यह तक नहीं जानते कि ओड़िशा कहाँ है। या फ़िर वे समझते हैं कि ओड़िशा या तो एक कला है, या साहित्य, संस्कृति, या तीर्थ यात्रा, लेकिन उसके आगे कुछ नहीं। तो हमें एक माहौल तैयार करना होगा कि वे आएं और यहाँ अपनी इकाई खोलें या फ़िर यहाँ की प्रतिभा को नौकरी दें।

उनका मूलतः इस राज्य का होना या ओरिया में बात कर पाना कितना महत्वपूर्ण रहा? ''बेहद महत्वपूर्ण; यह कई मुद्दों को सुलझा देता है। यदि

सामाजिक मानसिकता को बदलना एक बड़ी चुनौती है। स्विट्ज़रलैंड या अमेरिका में हम इलेक्ट्रिशिअन को चाय का कप देते हैं, लेकिन यहाँ चाहते हैं कि वह चप्पल बाहरछोड़ कर आये!

आप उनकी भाषा नहीं जानते तो आप उनमें से नहीं हैं,'' वे मुस्कुराते हैं।

जब वे मुझे अपने बगीचे में घुमा रहे थे, आम, खिले हुए फूल, आमले के एक पेड़ की ओर संकेत करते हुए तो मैंने उनसे पूछा कि वंचित परिवारों से आनेवाले युवा अपनी किन चिंताओं, संदेहों, शंकाओं और भय को उनके सामने अभिव्यक्त करते हैं। बागची मुस्कुराते हैं, और याद करते हैं कि कैसे जब वे बर्लिन में यहूदियों पर बने होलोकॉस्ट म्यूज़ियम गये थे, जो कि एक बहुत ही निराशाजनक जगह है, तो उसके प्रवेश पर 16 से 18

प्रेरणास्त्रोतों (रोल मॉडल) का निर्माण

एक आईटीआई में प्रशिक्षित हरिप्रिया, अब उसकी बुटीक में 12 लोगों को रोजगार देता है।

जब उन्होंने अलग-अलग जगहों का दौरा किया, तो उन्हें ठेठ सरकारी लहजे में लोगों ने कहा, ''हमारे पास चार एकड़ ज़मीन है या इतनी मशीनरी है; किसी ने यहाँ तक कहा कि हमारे पास 3-फ़ेज़ की बिजली है! मैंने कहा मुझे यह मत बताइये।मुझे उन दस बच्चों के बारे में बताइये जो आपके यहाँ से स्नातक बने हैं और जिन पर आपको गर्व है। उनमें से छह को राज्य के बाहर चले जाना चाहिये था, जिनमें से चार लड़कियाँ हों और दो उद्यमी, चाहे कितना भी छोटा उद्यमी क्यों न हो।''शुरू में तो काफ़ी ढूँढ़ाढाँढ़ी हुई, और हताश बागची कहते हैं ''यह जाने बिना कि आपके बच्चे कौन हैं आप शिक्षण संस्थान का निर्माण कैसे कर सकते हैं?''

लेकिन जब वे ढूँढ़ने लगे तो प्रेरणास्त्रोत उभरने लगे। उन्हीं में से एक है मुनि टीगा, पश्चिम ओड़िशा की एक आदिवासी लड़की। उसके पिता का निधन हो चुका है और देखभाल करने के लिए सात बहन-भाई हैं। तो उसने आईटीआई का दो साल का कोर्स किया। आज वह लोकोमोटिव ड्राइवर के रूप में शताब्दी एक्सप्रेस चलाती है। बागची उससे मिलने गये तो उसने कहा, ''मैं मुनि टीगा, मैं भारतीय रेल में लोको पायलट हूँ। मैं हर रोज़ भुबनेश्वर से पलासा तक शताब्दी एक्सप्रेस कोर्खीच कर ले जाती हूँ और वापस ले कर आती हूँ। उसकी उम्र 30 से कुछ ज़्यादा होगी और मैं उसे एक प्रेरणास्त्रोत बनाना चाहता हूँ।''

नूनाराम हँसदा एक आदिवासी लड़का है और उसके परिवार को उसके आईटीआई प्रशिक्षण के लिए अपनी ज़रा सी ज़मीन को गिरवी रखना पड़ा था। ''वह अपने मैस का बिल भी नहीं भर पाता था, तो उसके प्रशिक्षकों ने पैसे इकट्ठे करकेउसका बिल भरा। आज वह बायोकॉन की इंस्युलिन लाइन में शिफ़्ट इन-चार्ज है।''

जयंती पात्रा एक आदिवासी जिले से है; और उसने कभी अपने पिता को नहीं देखा क्योंकि उसके जन्म से पहले ही उनकी मौत हो गई थी; उसका भाई व्हीलचेयर में है। उसने सिलने की मशीन चलाने का 75 दिन का प्रशिक्षण लिया,बेंगालुरू गई और वहाँ से घर पैसा भेजती है। अब वह प्रशिक्षक बनकर लौट रही है। हरिप्रिया बेहेरा ने आईटीआई में प्रशिक्षण लिया और आज भुबनेश्वर के अपने बूटीक में 12 महिलाओं को नौकरी पर रखा है। एक और युवा ने पश्चिम बंगाल औरओड़िशा के सीमावर्ती जिले में एक एकड़ ज़मीन किराये पर ली और केंचुआ खाद (वर्मिकाँपोस्टिंग) पद्धति अपनाते हुए रु1200 प्रति किलो के हिसाब से केंचुए बेचता है।

बागची मुझे बेंगालुरू के वेस्टसाइड मॉल की एक बहुत स्मार्ट युवती की फ़ोटो दिखाते हैं। उसने रीटेल सैलिंग और हॉस्पिटैलिटी असिस्टेंट का प्रशिक्षण लिया है। वे उसे हाल ही में बेंगालुरू में मिले तो सुमति की मैनेजर ने कहा: ''जब यह यहाँ आई थी तो अंग्रेज़ी का एक शब्द नहीं बोलती थी। अब यह फ़र्राटेदार अंग्रेज़ीऔर कन्नड़ बोलती है और जल्दी ही मेरी नौकरी ले लेगी।''

मैं हतप्रभ हूँ कि इन सब युवा प्रेरणास्त्रोतों को उन्होंने कैसे ढूँढ़ निकाला, तो बागची हँसकर कहते हैं, ''मैं अपना काफ़ी वक्त अपने काम के लिए घूमकर बिताता हूँ और हर एक रोल मॉडल को निजी तौर पर जानता हूँ। मैंने उन्हें कैसे ढूँढ़निकाला? यह सरकार की शक्ति है। यदि आप उन्हें खोजना चाहें तो आप दस मिनट से भी कम समय में खोज सकते हैं! हम सरकार को कोसते हैं लेकिन रोडरोलर चलाने की सरकार की क्षमता अविश्वसनीय है। जब सरकार चलती है, और कोई उसके जैसा नहीं चल सकता!''

साल की उम्र के 18-20 युवा लड़कों की एक बड़ी श्याम-श्वेत (ब्लैक एंड वाइट) फोटो देख कर स्तब्ध रह गए थे। वे लड़के काँटेदार तारों के पीछे, जेल की वर्दी में थे और उन्हें मौत के मार्च (डैथ मार्च) पर या गैस के चेंबर ले जाया जा रहा था। ''लेकिन वे सब हँस रहे थे मुझे उस समय महसूस हुआ कि जब आप उस उम्र में होते हैं तो जब सबको एक पूर्णविराम दिखाई देता है, आपको संभावनाएं दिखाई देती हैं।''

आज का युवा मुश्किलों की तरफ़ नहीं देखता, बल्कि अवसरों को ढूँढ़ता है, बस उन्हें हल्का सा अवसर दे दीजिये और वे बादल चीरकर काम कर सकते हैं; युवाओं में वह शक्ति है, वे कहीं पहुँचना चाहते हैं।

वे कहते हैं कि सच्चाई यह है कि आज का युवा मुश्किलों की तरफ़ नहीं देखता, बल्कि अवसरों को ढूँढ़ता है, और उसमें अपने तरीके से काम करने का माद्दा भी है और साहस भी। बस उन्हें हल्का सा अवसर दे दीजिये और वे बादल चीरकर काम कर सकते हैं; युवाओं में वह शक्ति है, वे कहीं पहुँचना चाहते हैं।

आखिर में कुछ ज़ाहिर से सवाल; तो उनके जैसे एक कॉर्पो रेट हैड हाँचो (प्रमुख पद पर आसीन व्यक्ति) को सरकार के लिए काम करना कैसा लग रहा है। वे कहते हैं, ''पिछले दिनों एक व्यक्ति यह देखने के लिए आया कि मैं सरकार में किस तरह बना हुआ हूँ। मैंने उनसे कहा कि मैं अपना पिछला एक वर्ष, उसके पहले जी 40 वर्षों की ज़िन्दगी पर बिल्कुल कुर्बान नहीं करूँगा। इस तरह बदलाव लाने की क्षमता मुझे कहाँ मिलेगी? एक प्रणाली का, सरकार का हिस्सा होना बिल्कुल अविश्वसनीय सा है। मेरे लिए यह बिल्कुल जीवन बदलने जैसा अनुभव मैंने अपने जीवन में बहुत मेहनत की है और ऐसा महसूस होता है कि उन सालों के लिये मुझे यह पुरस्कार मिला है। विश्वास कीजिये, मैं बिल्कुल ऐसा ही महसूस करता हूँ!''

वे कहते हैं कि ''बाकी जिन राज्यों को मैं जानता हूँ, उनकी तुलना में ओड़िशा में इंसानों के लिए वास्तविक आदर है और विकास भी यहाँ ज़्यादा है। नवीन पटनायक, जिन्हें साधु मुख्यमन्त्री कहा जाता है, के नेता होने से यहाँ एक बड़ाअन्तर आया है। यदि उन्हें चार बार मुख्यमंत्री चुना गया है तो उसकी कोई तो वजह होगी।''

अंत में यदि सब ठीक हुआ तो बागची का सबसे बड़ा पुरस्कार होगा ''आठ लाख लोगों में एक कौशल का निर्माण करके उन्हें नदी का एक छोर पार करवाना। उसके बाद उन लोगों के लिए कई पीढ़ियों तक कुछ भी आज समान नहीं रहेगा।''

वे कहते हैं कि यदि आज के भारत में नौकरियाँ नहीं होतीं तो उनका काम बहुत कठिन होता। आपने पिछली बार 'नो वेकैंसी' का साइन कब देखा था? ''आपको पुरानी फ़िल्मों का हीरो याद है जो नौकरी ढूँढ़ने निकलता है और हरजगह ऋनो वेकैंसीऋ का संकेत पाता है? लेकिन आज के भारत में ऋनो वेकैंसीऋ का बोर्ड है ही नहीं। देश में आज खूबसूरती की बात यह है कि यदि आप काम करना चाहते हैं तो कई विकल्प मौजूद हैं। लेकिन अच्छा, इज्ज़तदार काम मिलनेके लिए कौशल की आवश्यकता है और हम वह कमी पूरी करते हैं।''

शांतिलाता पात्र, दो की मां,अब उसके बच्चों का समर्थन करती है।

जयंती पात्र, अपने शारीरिक रूप से विकलांग भाई को समर्थन देने के लिए पैसा घर भेजती है।

चित्र : रशीदा भगत
और सुब्रोतो बागची द्वारा
एस कृष्णाप्रतीश द्वारा रूपरेखा

14th
JJS
JAIPUR
JEWELLERY
SHOW
Ruby
...Red, Rare, Royal
the
December
show
JECC, JAIPUR
22-25 DECEMBER 2017
JAIPUR JEWELLERY SHOW
Gold Souk, TF-01, Third Floor, Adjoining Hotel Lalit, Jawahar Circle, Jaipur – 302017, Tel.: +91 141 4035900 / 2725648
E-info@jaipurjewelleryshow.org W-www.jaipurjewelleryshow.org

Smart home. Brilliant life.

Life's little comforts matter. With a smart home, lighting and climate are always timed perfectly. Security systems are controlled remotely. A home theater feels like a private multiplex - all using a simple app.

TEJAS

CHENNAI / BANGALORE / HONG KONG

1800.102.1762

tejasinnovative.com

राजश्री बिड़ला

ने TRF को $1 मिलियन और दिए

रशीदा भगत

अटलांटा अमेरिका का साधारण शहर नहीं है। और यहाँ पहला तार झंकृत होता है, मारग्रेट मिर्शल की अतुलनीय साहित्यिक रचना *Gone with the Wind*, का, जिसके दिलचस्प पात्रों हेट बटलर और स्कारलेट ओ हारा को वर्ष 1939 में हॉलीवुड ब्लॉबस्टर फिल्म के माध्यम से क्लॉर्क गेवल और विवियन लेघ ने अमर कर दिया। यह शहर 'कोका कोला' और CNN का भी है, लेकिन रोटरी इन्टरनेशनल के इतिहास में इस शहर का एक विशिष्ट स्थान है, जहाँ 100 वर्ष पहले तत्कालीन रोटरी इन्टरनेशनल अध्यक्ष आर्च क्लम्फ ने रोटरी सदस्यों के सहयोग से दुनिया में अच्छे काम करने वाले एक मानवीय फाउण्डेशन का स्वप्न देखा था।

भारतीय रोटेरियन इस संस्था 'रोटरी फाउण्डेशन' में सर्वाधिक योगदान देने के लिए गर्व कर सकते हैं। यह योगदान एक दानदाता की तरफ से आया है - राजश्री बिड़ला, जो आदित्य बिड़ला सेन्टर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एण्ड

रो इ अध्यक्ष जॉन जर्म, राजश्री बिड़ला, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन के सामुदायिक प्रयासों और ग्रामीण विकास की अध्यक्ष को एक रोटरी क्रिस्टल प्रस्तुत करते हुए।

रूरल डवलपमेंट में अनूठा सहयोग 11 मिलियन डॉलर को पार कर चुका है।

और इसलिए यह उपयुक्त ही था कि राजश्री बिड़ला अटलांटा कन्वेंशन के मुख्य उद्घाटन समारोह में बतौर प्रमुख वक्ता आमंत्रित की गई, जहाँ उन्होंने रोटरी फाउण्डेशन को एक मिलियन डॉलर और देने की घोषणा की। उन्हें इस अवसर पर रोटरी इन्टरनेशनल अध्यक्ष जॉन जर्म ने 'क्रिस्टल' प्रदान कर सम्मानित किया।

उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए राजश्री अप्रत्याशित रूप से एक जमीन से जुड़े हुए व्यक्तित्व के रूप में सामने आई जिन्होंने रोटरी फाउण्डेशन के इतने बड़े दानदाता होने पर भी सादगी का परिचय दिया।

अपने आप को ''एक गौरवान्वित रोटेरियन'' बताते हुए राजश्री बिड़ला ने कहा ''आज हम पृथ्वी के चेहरे से उस बीमारी को हटाने का इतिहास बनाने के द्वार पर हैं, जिसके 'पोलियो' जैसे विनाशकारी दुष्परिणाम सामने आते हैं। आज मैं दस वर्ष से रोटरी से जुड़ी हूँ, और पोलियो को निर्वासित करने की दिशा में आपकी प्रतिबद्धता, करूणा और प्रयासों ने सदैव मुझे दिल की गहराईयों तक प्रभावित किया है। आपके विश्वव्यापी आह्वान ने मुझे सदैव प्रेरित किया है, और आज मैने भी रोटरी आन्दोलन के हिमायती के रूप में कार्य करना आरंभ कर दिया है।''

मुंबई की एक गली की पोलियो पीड़ित लड़की ''विष्णु'' के साथ अपने निजी अनुभवों को साझा करते हुए राजश्री बिड़ला ने कहा कि ''विष्णु एक गली में गुमसुम निर्जनतापूर्वक बैठी हुई थी। वह अभागी समय पर पोलियो की खुराक नहीं ले पाई थी।'' राजश्री बिड़ला ने बताया कि उन्होंने विष्णु को पोलियो वायरस के खिलाफ संघर्षरत रोटरी मेडिकल टीम के पास भिजवाया, जिसने उसकी गहनता से जाँच की, और पोलियो सुधार के लिए उसकी शल्य चिकित्सा भी की। लगातार फिजियोथैरेपी और उचित चिकित्सा के चलते वह जल्दी ही चलने-फिरने लगी। राजश्री ने आगे बताया ''पाँच वर्ष पहले विष्णु की शादी हुई, आज वह तीन वर्ष के एक स्वस्थ व गोलमाल बच्चे की माँ हैं।''वष्णु के बारे में आगे राजश्री बिड़ला ने बताया विष्णु केवल तीन फीट लम्बी थी, और उसकी बीमारी ने उसे झुकने के लिए मजबूर कर दिया, लेकिन आज वह गौरवान्वित माँ है, जो अपने बच्चे को पोलियो से बचाने के लिए टीकाकरण करने की बात को भी सुनिश्चित करती है।

टीआरएफ को सबसे बड़ा योगदान एकल योगदानकर्ता – भारत से मिला हैं – राजश्री बिड़ला – और उनका अंशदान 11 मिलियन डॉलर को पार कर चुका है।

अटलांटा सम्मेलन को संबोधित करती हुए राजश्री बिड़ला।

उन्होंने दोहराया कि उनकी कम्पनियों के समूह में स्वास्थ्य के क्षेत्र में पोलियो टीकाकरण विशेष कार्यक्षेत्र है। उन्होंने बताया कि किस तरह वे वर्ष 2007 में पहली बार इवान्स्टन की यात्रा के बाद व्यक्तिगत रूप से पोलियो उन्मूलन के इस अभियान से तेजी से जुड़ी। उन्होंने बताया कि ''पूर्व रोटरी इन्टरनेशनल अध्यक्ष राजा साबू की प्रेरणा और आज्ञा तथा पोलियो उन्मूलन के प्रति एकजुटता के चलते मैने इसे व्यक्तिगत प्रतिबद्धता बनाया और इसके साथ जुड़ गई। मैं बिना किसी हिचकिचाहट के मुंबई और नई दिल्ली की गलियों और कच्ची बस्तियों में गरीब परिवारों के बच्चों को दवा पिलाने के काम की देखभाल करने गई।''

उन्होंने कहा - ''सामाजिक जिम्मेदारी'' का भाव ''हमारे परिवार के डीएनए में समाया हुआ है। हमारा 150 वर्ष पुराना संगठन है। हम बिड़ला परिवार के लोग महात्मा गांधी के विचार दर्शन के बहुत नजदीक हैं, और मेरे पति के दादा जी.डी. बिड़ला गांधीजी के अति विश्वस्त थे। दोनों के विचार और आचरण एक जैसे थे और दोनों ने गरीबों की बहुत सेवा की।'' गांधीजी के सहयोगी होने के कारण ''दान देने'' का दर्शन हमारे परिवार की 'विरासत' बन गया। राजश्री के पति आदित्य बिड़ला ने इस परम्परा को उत्साह पूर्वक से आगे बढ़ाया, और अब उनके पुत्र कुमार मंगलम बिड़ला ने ''पूर्ण रूप से अलग ऊँचाई प्रदान की है।'' उनकी परिकल्पना उस पीढ़ी का हिस्सा बनने की है जो अपने पीछे जैसी दुनियां उन्हें विरासत में मिली है उससे ज्यादा सुरक्षित, सर्वोत्तम और ''ज्यादा प्रबुद्ध संसार छोड़कर जाना चाहते हैं।''

मेरिनेल्लि ब्रदर्स (अरमांडो और पास्कुअल मेरिनेल्लि),उनके परिवार द्वारा हस्तरचित TRF सेंटेनियल बेल्ल, को सम्मेलन में रो इ अध्यक्ष जॉन जर्म, टीआरएफ ट्रस्टी चेयर कल्याण बेनर्जी और 2017 कन्वेंशन कमेटी के चेयर बैरी मेठहेसोन की उपस्थितिमे प्रस्तुत करते हुए।

राजश्री ने आगे बताया कि ''समाज की सेवा करना हमारे मूल्यों और संस्कारों के हृदय-स्थल में है। हमारे समूह ने हमारे द्वारा स्थापित 80 हजार बूथों के जरिए करीब 10 मिलियन बच्चों का पोलियो से बचाव के लिए टीकाकरण किया है। इसके अलावा रोटरी इन्टरनेशनल, भारत सरकार और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर सामूहिक रूप से 80 मिलियन बच्चों को पोलियो टीकाकरण के लिए सहयोग दिया है। हमारा समूह रोटरी फाउण्डेशन का उत्कृष्ट सहयोगी रहा है और मार्च 2014 में भारत को पोलियो मुक्त बनाने के कार्य में हमने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।''

उन्होंने कहा ''भारत के रोटेरियन और विशेषकर रोटरी इन्टरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष राजा साबू व कल्याण बेनर्जी तथा पी आर आई डी अशोक महाजन विशेष सराहना के पात्र है। हालांकि हम लोग अभी सम्पूर्ण विश्व को पोलियो मुक्त करने की मंजिल तक नहीं पहुँचे हैं। आदित्य बिड़ला ग्रुप के हम सभी सदस्य बच्चों के सुरक्षित भविष्य के आपके वायदे के साथ खड़े हैं। यह संदेश बहुत ही प्रभावी व स्पष्ट होना चाहिए। हम विलम्ब नहीं करेंगे, जैसा कि विष्णु या दूसरे बच्चों के साथ हुआ। हमारा संयुक्त लक्ष्य पोलियो मुक्त विश्व है।''

आप निश्चित रूप से हमारे लिए प्रेरणादायी है, तभी हम पोलियो से मुक्ति के इस अभियान में निरन्तर जुटे हुए हैं।

रो इ अध्यक्ष जॉन जर्म राजश्री बिड़ला को संबोधित करते हुए।

जब राजश्री बिड़ला ने एक मिलियन डॉलर का चैक रोटरी इन्टरनेशनल अध्यक्ष जॉन जर्म को दिया तो समूचा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो गया और वहाँ उपस्थित रोटरी सदस्यों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। जॉन जर्म ने इस अवसर पर कहा कि ''मेरे पास इसके लिए शब्द नहीं है, लेकिन यह 'शानदार' है।'' सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियान में रोटरी का सहयोग करने के लिए जॉन जर्म ने राजश्री बिड़ला को 'क्रिस्टल' प्रदान करते हुए कहा ''पोलियो मुक्त संसार एक ऐतिहासिक उपलब्धी होगी और मैं आप जैसे सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ। आप निश्चित रूप से हमारे लिए प्रेरणादायी है, तभी हम पोलियो से मुक्ति के इस अभियान में निरन्तर जुटे हुए हैं।''

शताब्दी घंटी (बेल)

रोटरी इन्टरनेशनल की 108वीं कन्वेंशन के उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण रोटरी फाउण्डेशन शताब्दी घंटी (बेल) थी जिसकी गूंजती झंकार ने कन्वेंशन की अधिकारिक शुरूआत की। इस घंटी का निर्माण अपने हाथों से इटली के मैरीनली ब्रदर्स ने किया। कन्वेंशन के उप सभापति बॉबहोप, जिनका नाम अटलांटा के 100 प्रमुख लोगों में शामिल है, ने 40000 रोटेरियंस का स्वागत करते हुए कहा कि, ''आप सब उस विशाल और मजबूत संगठन रोटरी के हिस्से है, जिसकी कभी आर्च क्लम्फ ने भी कल्पना नहीं की होगी। हम यहाँ केवल एक वर्ष मनाने एकत्रित नहीं हुए हैं, बल्कि हम, रोटरी फाउण्डेशन के माध्यम से सेवा की एक पूरी शताब्दी का उत्सव मनाने के लिए आये हैं। हमारे पास खुशियाँ मनाने के लिए बहुत कुछ है।''

पोलियो समाप्ति मशाल जो चैन्नई से चलकर पहुँची थी, उसे दक्षिण एशिया स्वागत समारोह में ग्रहण किया गया।

जॉर्जिया के गवर्नर नाथन डील जो एक रोटेरियन भी हैं, ने कहा जॉर्जिया में 200 रोटरी क्लब थे, जो तीन डिस्ट्रिक्ट में विभाजित थे। ''जॉर्जिया मिसीसिपी के पूर्व में स्थित अमरीका का भौगोलिक दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है, और जनसंख्या की दृष्टि से 10.3 मिलियन की आबादी के साथ 8वाँ बड़ा राज्य है। अब हम फीचर फिल्म के निर्माण के क्षेत्र में दुनियां में पहले नम्बर पर हैं, यह राजस्व (आय) की दृष्टि से बहुत अच्छा है।''■

Enjoy the pleasure of our Luxury Italian shoes that blend tradition, inner comfort innovation, while supporting **Rotary International.**
See the collection and discover every detail on **www.grandinishoes.it**

Walk well. Support Rotary

Shop at www.grandinishoes.it

जब आइनों ने शौचालयों को स्वच्छ रखने में मदद की!

रशीदा भगत

ग्वाटेमाला, रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के स्कूलों में WASH(WinS) कार्यक्रम को लागू करने के पाँच नियोजित देशों में से एक, के उत्तरी हिस्से में स्थित एक रोटरी क्लब ने जब गाँव के एक स्कूल में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग ''दोषरहित और मज़बूत'' शौचालयों का निर्माण किया, तब एक रोटरियन ने लड़कियों के शौचालयों में आइना लगाने का विचार रखा। ''यह कुछ ऐसा है जो सरकारी स्कूलों में नियमित रूप से नहीं किया जाता है; मुझे याद नहीं कि मैंने स्कूलों के शौचालयों में आईने देखे हो। परिणाम यह था कि लड़कियों ने स्वयं को आईने में देखने के लिए शौचालय जाना नहीं छोड़ा और उसका ऐसा ध्यान रखा जैसे पहले कभी नहीं रखा!''

यह जानकारी मंडल 4250 के डीजीई जूलियो ग्रेज़िओसो, जो पाँच में से तीन नियोजित देशों- बेलीज़, ग्वाटेमाला और होंडुरास - में WinS कार्यक्रम के प्रमुख है, द्वारा एटलांटा सम्मेलन के विराम सत्र जिसका शीर्षक *स्कूलों में WASH के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण* कार्यक्रमों को बनाना में साझा की गयी। आइना योजना इतनी अधिक प्रसिद्द हो गयी कि ''उन्हें लड़कों के शौचालयों में भी आईने लगवाने पड़े! हालाँकि जब स्कूल के शौचालयों में रोटरियनों द्वारा आईने लगाए गए, तब यह वृद्धि महत्वपूर्ण नहीं लग रही थी, परन्तु स्कूल में उपस्थिति पर भी इसका प्रभाव पड़ा,'' उन्होंने कहा। नियोजित देशों में दो अन्य देश भारत और केन्या है।

48 देशों में 15 मिलियन डॉलर खर्च हुए

सत्र की अध्यक्षता करते हुए, टीआरएफ ट्रस्टी और रोई WinS समिति के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2010 से, रोटरी संस्थान ने 48 देशों में लगभग 200 'स्कूलों में WASH' परियोजनाओं में 15 मिलियन का निवेश किया है। ''तो यह नया कार्यक्रम नहीं है, परन्तु हमने इसे नया आकार दिया है। लक्ष्य चुनौतियों का मकसद इस कार्यक्रम को गति देने का है और यह रोटरियनों को उनकी ऊर्जा को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रोत्साहित करती है।''

इन पाँच देशों में प्रायोगिक परियोजनाएं 18 महीनों से प्रगति पर है और ''हमने कार्यक्रम में बहुत अधिक जूनून और ऊर्जा देखी है।'' भारत में रोटरियन इस कार्यक्रम को 15,000 स्कूलों तक ले जाने के लिए भारत सरकार के साथ काम कर रहे है और अब तक तीन मिलियन बच्चों को लाभ मिला है। साथ ही, रोटरी ने भारत सरकार के साथ ''इस कार्यक्रम को स्वच्छ गंगा जल मिशन, गंगा नदी को साफ़ करने के लिए भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम, के अंतर्गत और अन्य 500 स्कूलों में ले जाने के लिए हाथ मिलाया है,'' गुप्ता ने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि WinS कार्यक्रम में उत्सुकता और ऊर्जा इतनी अधिक है कि प्रायोगिक परियोजना के ''हमारे मॉडल को मेक्सिको, फिलिपीन्स और यूगांडा जैसे देशों में प्रयोग के बाहर भी इस्तेमाल किया जा रहा है।''

यह कहते हुए कि स्कूलों में समग्र परियोजनाओं को लागू करने की दिशा में अनुदानों में रूचि बढ़ रही है, गुप्ता ने खुलासा किया कि वर्ष 2015-16 में 273 जल एवं स्वच्छता अनुदानों में से 42 WinS को समर्पित थे।

भारत में WinS चुनौती

भारत में WinS परियोजना की विस्तृत सूचना देते हुए, पीडीजी रमेश अग्रवाल, रोटरी भारत थळपड समिति के सदस्य सचिव और रोई WinS समिति के सदस्य, ने कहा कि भारत में 1.45 मिलियन स्कूल है, एक स्कूल हर 2-3 मील के दायरे में है, और 113 मिलियन बच्चे हर दिन सीखने, खेलने और भोजन के लिए स्कूल जाते है और ऐसा करने के लिए उन्हें एक अनुकूल वातावरण प्रदान करना चुनौती है। हर 20 सेकंड में, भारत में

रशीदा भगत

(दाएं से बाएं): WinS लक्ष्य चैलेंज समिति के अध्यक्ष सुशील गुप्ता, WinS कमेटी सदस्य सचिव रमेश अग्रवाल, डीजीएन जेफ़री बामफोर्डऔर डीजीई जूलियो ग्राज़िओसो की उपस्थिति में मूलशिक्षा और साक्षरता की फ़ोकस प्रबंधकऔर WinS लक्ष्य चुनौती सह-प्रबंधक मैरी जो जीन-फ्रेंकोइस सत्र को संबोधित करती हुयी ।

थळपड कार्यक्रम में उत्सुकता और ऊर्जा इतनी अधिक है कि प्रायोगिक परियोजना के हमारे मॉडल को मेक्सिको, फिलिपीन्स और यूगांडा जैसे देशों में प्रयोग के बाहर भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

WinS समिति ग्लोबल अध्यक्ष, सुशील गुप्ता

एक बच्चे की मौत होती है; कई इलाकों में खराब जल निकासी व्यवस्था एवं स्वच्छता असुविधाओं के कारण हर दिन 1,000 से अधिक बच्चे मरते है।'' इस चिंताजनक आंकड़ों का एक बड़ा कारण यह है कि कई स्कूलों में जल एवं शौचालय सुविधायें ''बच्चों के लिए प्रतिकूल है, और उनमें से अधिकांश में या तो तोड़-फोड़ की गयी है या वे बेकार है।''

एक अन्य प्रमुख समस्या है कि 600 मिलियन लोग खुले में शौच करते है, ''दुनिया भर के खुले में शौच का 60 प्रतिशत हिस्सा भारत में है; अनुमानित छह मिलियन बच्चे स्कूलों से बाहर है और 1.4 मिलियन बच्चे पाँच साल के होने से पूर्व मर जाते है।''

इस विशाल चुनौती को ध्यान में रखते हुए, भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'स्वच्छ भारत स्वच्छ स्कूल' अभियान शुरू किया था ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि प्रत्येक स्कूल में बुनियादी जल एवं शौचालय सुविधा हो और उन्होंने कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों से भी इस पहल का समर्थन करने की अपील की है। भारत के स्कूलों में लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय तो है परन्तु चुनौती जल एवं शौचालय सुविधाओं का संचालन और रख-रखाव करने की है ताकि बच्चों के लिए एक साफ़ और स्वास्थ्यकर वातावरण सुनिश्चित किया जा सके, अग्रवाल ने कहा।

केन्या में पानी की कमी

मंडल 9212 के डीजीएन जेफरी बेमफोर्ड, जो केन्या, पाँच नियोजित देशों में से एक, में प्रायोगिक परियोजना का नेतृत्व करते है, ने कहा कि केन्या में स्थिति ऐसी है ''जहाँ बहुत से स्कूलों में आवश्यक सुविधायें नहीं है। हमनें हाल ही में प्राथमिक स्कूल में मुफ्त शिक्षण अपनाया है लेकिन जल एवं शौचालय सुविधाओं के लिए सरकार की तरफ से पर्याप्त धन प्राप्त नहीं हो पा रहा है। पानी की कमी एक बड़ी समस्या है विशेषरूप से ग्रामीण इलाकों में।''

कई इलाकों में बच्चों ने बिना जांच किया हुआ पानी पिया जिसके कारण हैज़ा जैसी बीमारियाँ हुई। इस बात को कायम रखते हुए कि विशेष समस्याओं के लिए अनूठे उपायों को ढूँढना पड़ता है उन्होंने कहा कि एक विशेष स्कूल में जब रोटेरियनों ने लड़कियों को सेनेटरी पैड्स दिए, तो लड़कों को ईर्ष्या हो गयी, इसलिए हमने उन्हें अंडर पेन्ट्स दिए क्योंकि उनमें से बहुत से लड़कों के पास अंडर पेन्ट्से नहीं थे, और वे खुश हो गए। इस बात ने हमें यह सिखाया कि जब आपकी एक विशेष समस्या होती है, आप उससे निपटना सीख लेते है।''

केन्या, जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं की बहुत अधिक चुनौतियाँ है, में स्थिति को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने दुनिया के अन्य क्षेत्रों से साझेदारियों और मदद की दरकार की है। इनमें से एक दांतों की समस्या है, और रोटरियनों ने स्कूलों में उनके कार्यों में दांतों की समस्याओं के लिए मौखिक स्वच्छता और जांच को शामिल किया है। बेमफोर्ड ने कहा, ''43 मिलियन की जनसंख्या के लिए हमारे पास 1,000 से कम दन्त चिकित्सक है। और हमारे पास दांतों की सफाई पर एक गीत है जैसा कि भारत में हाथों की धुलाई के लिए है।''

इसलिए मंडल के रोटरियनों ने, मंडल 5160 (नॉदर्न कैलिफ़ोर्निया) और 6150 (सेंट्रल और नॉदर्न अर्कांसस) के साथ साझेदारी में परियोजना 'केया स्माइल्स' को लागू किया है, ''जो व्यापक मौखिक स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम के लिए एक सरल, मापनीय और संवहनीय परियोजना है।''

पाठ्यक्रम में थळपड संदेश को सम्मिलित करना

लक्ष्य देशों में कार्यक्रम की चुनौतियों का एक संक्षिप्त विवरण देते हुए, मेरी जो जीन-फ्रेंकोइस, एरिया ऑफ़ फोकस प्रबंधक - बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता और थळपड लक्ष्य चुनौती सह-प्रबंधक, ने कहा ''मैं आपको बता नहीं सकती कि कितनी बार मैं उन में से कुछ देशों के स्कूलों में गयी हूँ जहाँ शिक्षक कहते है कि आप बहुत अच्छी महिला प्रतीत होती है जो यूएस से हमारी मदद करने के लिए आयी है। लेकिन हमारे पास केवल एक दिन में चार घंटे और वर्ष के अंत में एक राष्ट्रीय परीक्षा होती है जिसमें बच्चों को उत्तीर्ण होना पड़ता है। इसलिए यदि हमें गणित, विज्ञान एवं पढ़ने या हाथों की धुलाई में से किसी एक का चुनाव करना होता, तो मैं गणित और विज्ञान को चुनती क्योंकि बच्चों को उनकी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होती है।''

उन्होंने शिक्षकों को यह कहकर इस चुनौती को पार किया कि वे उनके विषयों में से एक विषय में WinS के कुछ तत्वों को शामिल करें, जैसे कि पढ़ना। उदाहरण के लिए, एक बच्चे को पढ़ना सिखाते वक्त, एक ऐसे समुदाय की कहानी को सुनाया जा सकता है जो बीमार था क्योंकि लोग सही तरीके से हाथों की धुलाई नहीं कर रहे थे। ''इस तरह एक

विषय को पढ़ाने के दौरान भी, हमारे WinS के लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है।''

अग्रवाल ने आगे कहा कि भारत में 113 मिलियन बच्चों को हर दिन मुफ्त में दोपहर का भोजन दिया जा रहा है और इसका स्कूल में उपस्थिति और स्कूल छोड़ने वालो की संख्या पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। ''हम बच्चों में नेतृत्व का गुण देने के लिए बाल संसद की स्थापना कर रहे है, और उनकी जिम्मेदारियों में से एक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की है कि हमारे द्वारा स्थापित जल एवं स्वच्छता सुविधाओं, जिनमें सामूहिक हाथों की धुलाई के स्टेशन शामिल है, का अच्छी तरह से रखरखाव हो और वे एक व्यावहारिक परिवर्तन ला सके।''

सत्र का समापन करते हुए, ट्रस्टी गुप्ता ने कहा, ''मैं उस रूचि से खुश हूँ जो इस कार्यक्रम ने उत्पन्न की है। यह बहुत ही कम देखने को मिलता है कि विराम सत्र में कमरा इतना भरा हो! ''WinS एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बन गया है क्योंकि ना केवल इसने रोटरियनों ''की कैसे योजना बनाएं, कैसे डिज़ाइन बनाएं और कैसे एक परियोजना को कार्यान्वित करें जिससे समुदायों पर इसका स्थायी प्रभाव हो, के लिए सहयोग की क्षमता का निर्माण किया है, बल्कि स्वच्छ पानी, पर्याप्त शौचालय सुविधाओं और स्कूलों में बेहतर शिक्षा का लाभ उठाने के लिए दुनिया भर के रोटरियनों को एक साथ लाया है।''

व्यावहारिक परिवर्तन लाना और साथ ही बच्चों द्वारा उचित स्वच्छता सन्देश को उनके घरों एवं समुदायों में वापस ले जाने का कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य भारत में पहले से ही घटित हो रहा है।■

भारत में 1.45 मिलियन स्कूल है और 113 मिलियन बच्चे हर दिन सीखने, खेलने और भोजन के लिए स्कूल जाते है और ऐसा करने के लिए उन्हें एक अनुकूल वातावरण प्रदान करना चुनौती है।

पीडीजी रमेश अग्रवाल

अंतर्राष्ट्रीय पोलियो शिखर सम्मेलन

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी मंडल 3291 ने मंडल 5240 (यूएसए) के साथ मिलकर एक अंतर्राष्ट्रीय पोलियो शिखर सम्मेलन - पोलियो के बाद जीवन - का आयोजन कोलकाता में किया।

रोटरी इंटरनेशनल पोलियोप्लस कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैकगोवर की अध्यक्षता वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों जैसे शेष तीन देशों में बीमारी के उन्मूलन की दिशा में रोटरी के प्रयासों, पोलियो मुक्त स्थिति को बनाए रखने में हमारे देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों और पोलियो से बचे लोगों के लिए पुनर्वास पर विचार-विमर्श किया गयो उन्होंने कहा कि प्रतिरक्षण कार्यो में ढील देना अधिक खतरनाक सिद्ध हो सकता है क्योंकि हमारे पडोसी देशों में पोलियो का विषाणु छिपा हुआ हैं और मौका पाते ही वह फिर से फ़ैल सकता है; इसके साथ ही उन्होंने संपूर्ण विश्व से पोलियो को जड़-मूल से उन्मूलित करने के लिए रोटरी द्वारा किए जा रहे के प्रयासों के उदाहरणों को साझा कियों तत्कालीन डीजी श्यामश्री सेन ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया। रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर ने कार्यक्रम की मेजबानी की।

आईएनपीपीसी अध्यक्ष दीपक कपूर ने कहा कि प्रतिरक्षण के दिनों की संख्या को कम करने से विषाणुओं का पुनर्जन्म हो सकता हैं जो इस अभियान में बहुत कठिनता से प्राप्त किए गए सफलता के लिए हानिकारक हो सकता है; इसलिए नियमित टीकाकरण कार्यक्रम जारी रखा जाना चाहिए। रोटरी क्लब मुरपार्क, मंडल 5240 के पूर्व अध्यक्ष जेम्स लुईस, और पीडीजी अशोक अग्रवाल, दोनों पोलियो से बचे लोगों के पुनर्वास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिससे कि वे एक स्वतंत्र, अर्थपूर्ण जीवन व्यतीत कर सके। लुईस ने कहा, रोजगार से संबंधित व्यावसायिक प्रशिक्षण और सहायता प्रदान कर उनके जीवन को एक नई दिशा दिया जा सकता है।

आईपीपीसी अध्यक्ष माइकल मैकगवर्न और आईएनपीपीसी चेयर दीपक कपूर, रूखसर खतुन को उपहार देते हुए उनके साथ मंच पर उपस्थित हैं मेजबान क्लब के अध्यक्ष सुबीर दत्ता, डीजी श्यामश्री सेन और पीडीजी राजकुमार राजगरिया।

मेजबान क्लब ने वैश्विक अनुदान की सहायता से आयोजित किए गए विभिन्न विशाल सुधारात्मक शल्यचिकित्सा शिविरों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और देश के अंतिम पोलियो पीडति हावडा के रुक्सर खातुन के माता-पिता को उसकी शिक्षा के लिए रू10,000 का चेक प्रस्तुत किया। क्लब के सदस्यों ने इस 11 वर्षीय बालिका के स्नातक स्तर तक की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का वादा किया।■

आभासी वास्तविकता की तल्लीन करने की शक्ति

टेरेसा श्मिडिंग और सेलयन प्राइस

एटलांटा सम्मेलन में लगभग 2,000 लोगों ने रोटरी अंतर्राष्ट्रीय की नयी आभासी वास्तविकता (वीआर) फिल्म, *One Small Act* (एक छोटा कार्य,) का पहला प्रदर्शन देखा। यह एक वीआर फिल्म को एक साथ देखने के सबसे बड़े प्रदर्शनों में से एक था।

फिल्म एक बच्चे की कहानी को दर्शाती है जिसकी दुनिया संघर्ष द्वारा उजड़ गयी और उन कार्यों का समर्थन करती है जिसमें रोटरी को महारथ हासिल है, जिनमें पोलियो उन्मूलन और शान्ति कायम करना शामिल है। कहानी ने भीड़ से ओजस्वी भावनाओं और उत्तेजनाओं का आह्वाहन किया।

ऑस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स स्थित रोटरी क्लब क्रिरिंदी के एंगस फ्रेसर, आयोजन के कुलसचिवों में से एक, ने कहा, ''फिल्म बढ़िया थी। थोड़ी चौंका देने वाली; मुझे नहीं मालूम कि उससे क्या उम्मीद की जानी थी परन्तु वास्तव में वह अच्छी थी। फिल्म का संदेश दुनिया के एक हिस्से को सामने लायेगा, ताकि लोगों को एहसास हो सके कि भयानक चीज़ें घटित हो रही है और ऐसे लोग है जो मदद करने का प्रयास कर रहे है - ऐसा करने वाले प्रमुख समूहों में से एक रोटरी है।''

वीआर व्यूअर

रोई अध्यक्ष जॉन एफ. जर्म ने कहा, ''आभासी वास्तविकता लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोटरी का जादू देखने देगी।''

लेक्की फेज 1, लेगोस, नाइजीरिया, के रोटरेक्ट क्लब की एंजेला ओफिली ने कहा, ''इसका निश्चित ही लोगों पर एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रोटरी विकसित हुई है, और यह अन्य लोगों की ज़िंदगियों को प्रभावित करने में अत्यंत सफल होगी।''

'*One Small Act*' रोटरी की पहली वीआर फिल्म नहीं है। विश्व पोलियो दिवस 2016 को पहली बार प्रदर्शित हुई *I Dream of an Empty Ward* ने दर्शकों को भारत में एक युवा महिला आलोकिता की कहानी बताई जो बचपन से पोलियो के कारण लकवाग्रस्त थी। 'रोटरी वीआर' एप से डाउनलोड करके, फिल्म को एंड्राइड या एप्पल यंत्रों पर वीआर व्यूअर द्वारा देखा जा सकता है।

शक्तिशाली पक्षसमर्थन उपकरण

लोगों से एक अंदरूनी, व्यक्तिगत स्तर पर जुड़कर, वीआर फिल्में एक शक्तिशाली पक्षसमर्थन उपकरण हो सकती है।

परियोजना का नेतृत्व करने वाले 'डिजिटल और प्रकाशन' के निदेशक विन्सेंट बर्नेट, रोटरी के संचार दल के साथ कहते है, ''पोलियो को खत्म करने के अंतिम प्रयास के लिए काफी स्त्रोत और भावात्मक निवेश की आवश्यकता होती है। इस प्रकार की अभिनव तकनीक में उसको प्रेरित करने का सामर्थ्य है।''

©www.rotary.org

रोटरी का झंडा ऊँचा लहराता है

जयश्री और वी. मुत्तुकुमारण

हाल ही में संपन्न हुए चार अलग–अलग कार्यक्रमों में, रोटरी के झंडे/बैनर को दो चोटियों – माउंट एवेरेस्ट और मनाली में माउंट नोर्भु – पर फहराया गया।

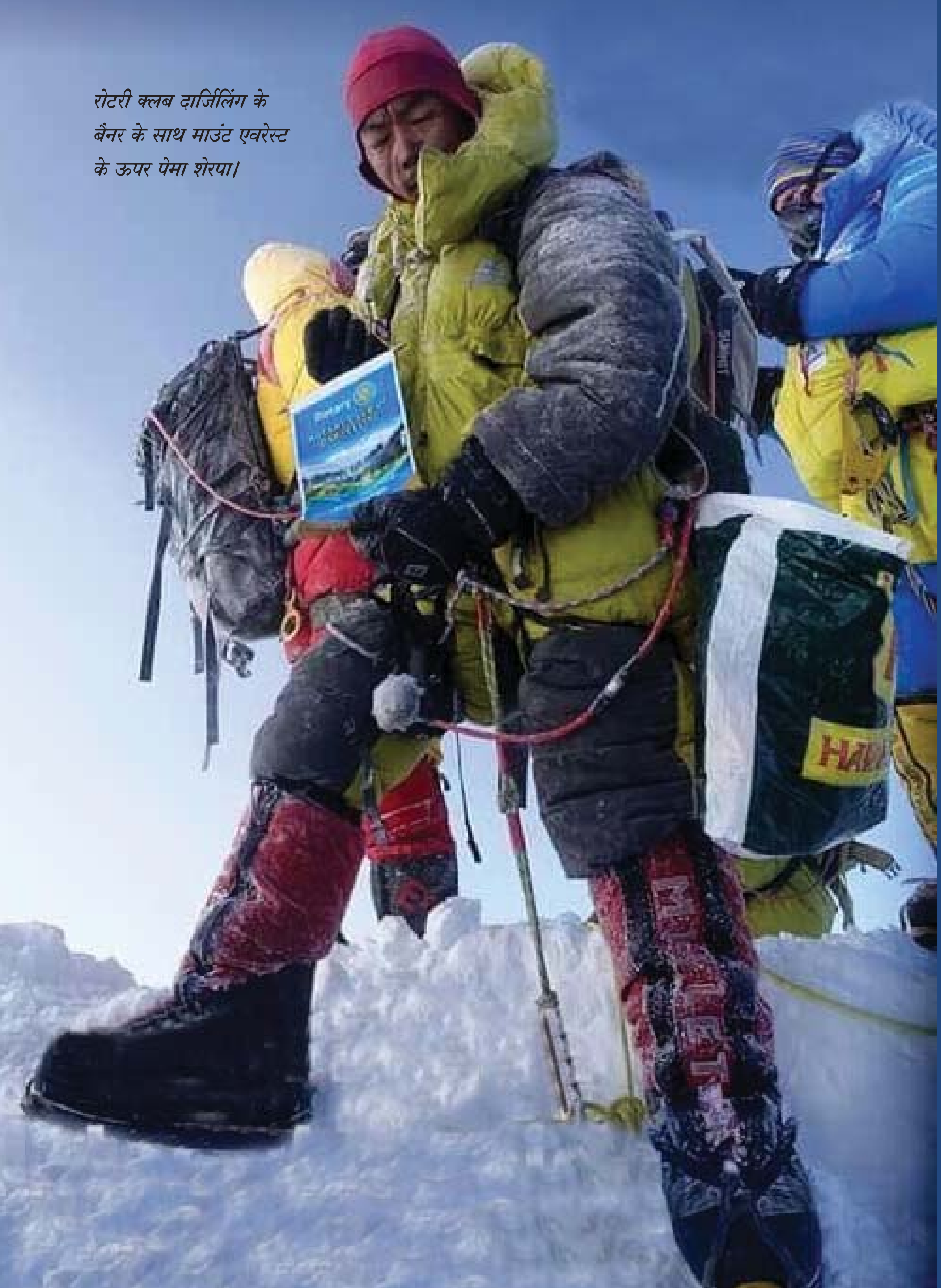

रोटरी क्लब दार्जिलिंग के बैनर के साथ माउंट एवरेस्ट के ऊपर पेमा शेरपा।

जब जेमलिंग नॉर्गे ने कहा, वह मेरे पिता की आत्मा को छूने जैसा था। हिमालय पर मुझे घर पर होने जैसा महसूस होता है। मैं वहीं का हूँ, इसने मेरे रोंगटे खड़े कर दिए। और इससे भी अधिक तब मेरे रोंगटे खड़े हुए, जब उन्होंने कहा कि उन्होंने रोटरी के झंडे को एवेरेस्ट की चोटी पर ले जाने में मदद की, केवल एक नहीं, बल्कि दो स्थानों पर - एक नेपाल की तरफ और दूसरा तिब्बत की तरफ।

जेमलिंग नॉर्गे उस प्रसिद्द पर्वतारोही तेंज़िंग नॉर्गे के बेटे है जिन्होंने सर एडमंड हिलेरी के साथ वर्ष 1953 में सर्वप्रथम महान माउंट एवेरेस्ट को फ़तेह किया था। जेमलिंग नॉर्गे, स्वयं एक शानदार पर्वतारोही, रोटरी क्लब दार्जीलिंग, मंडल 3240, के सदस्य है। जब उन्होंने जाना कि उनके कज़िन पेमा और पेम्बा ओंगचुक शेरपा एवेरेस्ट की चढ़ाई की योजना बना रहे है, मैंने मेरे अध्यक्ष मुकेश सिंह अधुपीया को हमारे क्लब के बैनर को चोटी पर फहराने का सुझाव दिया। पूरा दल इस विचार से उत्तेजित था।

अधुपीया ने नॉर्गे को दो बैनर थमाए, जिसमें से एक को नॉर्गे ने पेमा शेरपा को दिया जो तिब्बत तरफ

से चढ़ाई कर रहे थे। नॉर्गे ने हिमालय पर स्थित एवेरेस्ट बेस कैंप तक की यात्रा की और दूसरा बैनर उनके कज़िन पेम्बा को दिया जो नेपाल तरफ से चढ़ाई कर रहे थे।

मई 2016 में छह दिनों के अंतराल में दोनों बैनरों को सफतापूर्वक फहरा दिया गया। मुस्कुराते हुए नॉर्गे ने याद किया, ''चढ़ाई स्वयं में अत्यधिक खतरनाक है, लेकिन हम शेरपाओं के लिए, पर्वत हमारा भगवान है। हमारे क्लब में बहुत उत्सव मनाया गया।''

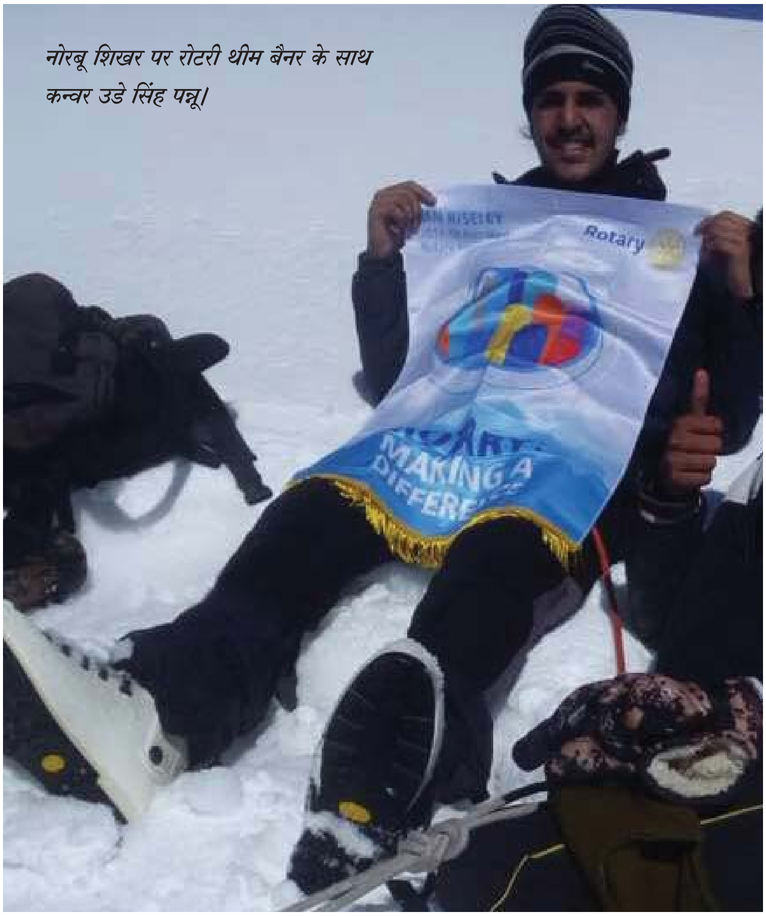

नोरबू शिखर पर रोटरी थीम बैनर के साथ कन्वर उडे सिंह पन्नू।

एक किशोर का साहसिक कार्य

19 जून, 2017 को, मंडल 3090 के डीजी (2017-18) बाघ सिंह पन्नू के बेटे कँवर उदय सिंह पन्नू ने, उनके स्कूल के एवं रोटरी के झंडे को नोर्भु चोटी पर 17,106 फीट की ऊँचाई पर फहराया। कँवर एक महत्वाकांक्षी मुक्केबाज है और वह यादविंद्र पब्लिक स्कूल, पटियाला के छात्र है।

डीजी पन्नू कहते है, मुझे मेरे बेटे की उपलब्धि पर गर्व है। यह उसका पहला प्रयास था; श्रेय स्कूल को जाता है जिसने उसके संपूर्ण सामर्थ्य को खोजने में उसकी मदद की।

एवरेस्ट शिखर पर रोटेरियन ओलिवियर वीरसेन्द्रप।

हॉलैंड से

नार्थ हॉलैंड के रोटेरियन ओलिवियर व्रिसेन्डोर्प ने दुनिया के सात सर्वाधिक ऊँचे पर्वतों को फ़तेह करने की उपलब्धि को जून माह में एवेरेस्ट शिखर सम्मेलन में पहुँचकर पूरा किया, जहाँ उन्होंने 'रोटरी संस्थान के 100 वर्ष' का वायु-ध्वज फहराया। उन्होंने उनके साहसिक कार्य की तुलना रोटेरियनों की संतुष्टि से की जो वे टीआरएफ के माध्यम से 'दुनिया में अच्छा करते वक्त' अनुभव करते है।

रोई महासचिव जॉन हेव्को ने ट्वीट किया, ''रोटेरियन ओलिवियर व्रिसेन्डोर्प रोटरी संस्थान के शताब्दी वर्ष के बैनर को माउंट एवेरेस्ट की चोटी पर 'संसार में अच्छा करते हुए रोटेरियन' का उत्सव मनाने के लिए पकड़ते है।''

एन कृष्णामूर्ति द्वारा रूपरेखा

रोटरी सेम ओवोरी को याद करती है

रायन हाईलैंड और एबी ब्रेटस्टाइन

अमेरीका के इलेनॉइस राज्य में इवेंस्टन स्थित रोई विश्व मुख्यालय के सामने, और दुनिया भर में स्थित रोटरी कार्यालयों के सामने लहराते रोटरी के झंडों को इस हफ्ते आधा झुकाया गया क्योंकि दोस्तों एवं साथियों ने निर्वाचित अध्यक्ष सेम सेम ओवोरी के लिए शोक मनाया, जिनकी 13 जुलाई को सर्जरी के बाद की परेशानियों के कारण मृत्यु हो गयी थी।

रोटरी क्लब गाबा, यूगांडा, की सदस्य और सेम और उनकी पत्नी, नोराह, की करीबी मित्र हिल्डा तद्रिया कहती है, एक दिलकश मुस्कान और शांत आवाज के साथ, सेम जिससे भी बात करते थे वह सहज महसूस करता था।

हिल्डा कहती है, ''मैं उसे 'सेम स्माइल' कहती हूँ। इसने उन्हें अत्यधिक मिलनसार एवं बात करने में सरल बनाया। मुझे लगता है कि उनकी मुस्कान उन चीज़ों में से एक है जिसकी कमी को रोटरी और उनके दोस्त सबसे अधिक महसूस करेंगे।''

सेम, जिन्हें 2018-19 में रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, इस पद को संभालने वाले दूसरे अफ्रीकी रोटरी सदस्य, और पहले यूगांडाई होते। वह 1978 में रोटरी से जुड़े और रोटरी क्लब कम्पाला, यूगांडा, के सदस्य थे।

हिल्डा कहती है,''कोई भी परिस्थिति हो, सेम हमेशा खुश रहते, हमेशा हंसी-मजाक करते और सभी का मिज़ाज अच्छा रखते थे।''

वह कहती है, सेम की सराहनीय बातों में से एक थी उनकी पत्नी के प्रति उनका प्रेम एवं निष्ठा। वे टोरोरो, यूगांडा, के प्राथमिक स्कूल में मिले थे। सेम ने नोराह ओवोरी को खूबसूरत, सुशिक्षित एवं शानदार चरित्र की महिला के रूप में वर्णित किया।

''वह नोराह से बहुत प्रेम करते थे और हमेशा उन्हें पहले रखते थे। वे बहुत अच्छे मित्र और जीवन साथी थे। उन्हें साथ में देखना अत्यंत मनोहर लगता था। उन्होंने कभी भी एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा।''

उनकी ईमानदारी एवं स्थिर नैतिक मानकों के कारण, यूगांडा में सेम बहुत अधिक सम्मानित थे। वह कहती है, वे गुण एक रोटरी अध्यक्ष के लिए आवश्यक है। ''वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन पर सभी विश्वास कर सकते थे।''

वह आगे कहती है,'' वह बोलने से अधिक सुनना पसंद करते थे। यह एक कारण है जिसके लिए वह इतना पसंद किये जाते थे।''

निर्वाचित अध्यक्ष तक का सफ़र

बहुत से सदस्यों की तरह, सेम को एक हठी मित्र द्वारा रोटरी में आमंत्रित किया गया। ''मैं नहीं जाना चाहता था,षष वर्षों पहले उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार किया। षषमुझे कोई रूचि नहीं थी। परन्तु मैं मेरे दोस्त का सम्मान करता था, इसलिए गया। और जब मैं वहाँ पहुँचा, मैं चौंक गया। कमरा मेरे जाने-पहचाने लोगों से भरा हुआ था।''

जितना अधिक सेम ने रोटरी के अच्छे काम को देखा, उतने अधिक उत्साही वह बन गए। यूगांडा में क्लबों की जबर्दस्त बढ़ोत्तरी के लिए उन्हें मुख्य रूप से श्रेय दिया जाता है: वर्ष 1988, जब वह मंडल गवर्नर थे, में नौ से, आज 89 तक। उनके मित्रों ने उनके उत्साह को षष ओवोरी का पागलपनषष

> **''आशावाद वह है जो हमें रोटरी तक लाता है। लेकिन रोटरी उन लोगों के लिए नहीं है जो केवल सपने देखते है। यह उन लोगों के लिए है जिनमें फलदायक सेवा के लिए सामर्थ्य, क्षमता और संवेदना होती है।''**
>
> **सेम एफ. ओवोरी, 1941-2017**

एक दिलकश मुस्कान और शांत आवाज के साथ, सेम जिससे भी बात करते थे वह सहज महसूस करता था।

हिल्डा तड़रिया

रोटरी क्लब गाबा, यूगांडा

सेम और नोराह ओवोरी।

कहा - जिसका उन्होंने नम्रतापूर्वक जवाब दिया, ''अगर यह पागलपन है, तो मुझे ख़ुशी होगी यदि और लोग इसका पालन करेंगे।''

सेम ने स्वयं को ''एक असंशोधनीय आशावादी'' के रूप में वर्णित किया जिसने सभी व्यक्तियों का सर्वश्रेष्ठ पक्ष और किसी भी परिस्थिति का उज्ज्वल पक्ष देखने का चुनाव किया। आचरण में सौम्य, सदा विनम्र, और मुस्कुराने में फुर्तीले, सेम को 'स्माइलिंग सेम' के रूप में याद किया जाता है,ष रोई अध्यक्ष इयान रिसले कहते है।

पीआरआईडी जॉन स्मार्ज, जिन्हें सेम द्वारा उनका अध्यक्षीय सहयोगी बनने के लिए चुना गया, ने सेम को रोटरी सदस्यों के बीच में एक ''रॉक स्टार'' कहा। स्मार्ज कहते है, ''केवल दो हफ़्तों में वह निर्वाचित अध्यक्ष हो गए, आप देख सकते है कि उन्हें कितना प्यार किया जाता था। यूगांडा में रोटेरियन उन्हें एक राष्ट्रीय खजाने के रूप में देखते है। वह शांत आत्मविश्वास और सरल पेचीदगी के साथ बोलते थे।''

यूगांडा के कॉर्पोरेट गवर्नेंस संस्थान के सीईओ के रूप में, अफ्रीकी विकास बैंक और अन्य संस्थानों में अपने पिछले कार्यों में, और रोटरी के अपने कार्य में, सेम ने एक सही और गलत की अटल समझ को प्रस्तुत किया।

सेम, जो 15 बच्चों में से एक थे, अपनी गहन नैतिक समझ का श्रेय अपनी परवरिश और खासतौर से अपने पिता को देते है, जो एक स्कूल के प्रधानाध्यापक और फिर यूगांडा के प्रान्त प्रमुख रह चुके थे। सेम ने याद किया, ''वह एक बहुत सख्त अनुशासक थे, और जब वह प्रान्त प्रमुख बने, उन्होंने उस प्रान्त को एक बड़े स्कूल की तरह चलाया - रूलर के साथ। वह इस बात पर ज़ोर देते थे कि हर चीज़ सही ढंग से की जाए।''

सेम का रोटरी कार्यकाल यूगांडा के कुछ सबसे मुश्किल वर्षों से गुज़रा, जिसमें इदी अमीन की तानाशाही का दौर शामिल था, जो रोटरी के प्रति अत्यंत शंकालु थे और अक्सर रोटरी की सभाओं में अपने जासूस एजेंटो को भेजते थे। सेम ने आगे कहा, ''कभी-कभी लोग मेहमान बनकर आते थे, और आपको नहीं पता होता था कि वास्तव में वे कहाँ से आ रहे थे और किसने उन्हें आमंत्रित किया था। हमने हमेशा उनका स्वागत किया। हमारे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं था।''

यूगांडा के प्रतिष्ठित रोटरी सदस्यों, जिनमें सेम के स्वयं के बैंक प्रबंधक भी शामिल थे जहाँ वह काम करते थे, को अमीन की सेना द्वारा सड़कों से उठाकर मार डाला गया। बहुत से रोटरी क्लब बंद हो गए और अधिकतर सदस्यों ने सदस्यता त्याग दी: 220 सदस्यों की उच्च रोटरी सदस्यता गिरकर 20 के आसपास रह गई थी।

सेम ने याद किया, एक दिन एक सदस्य को ठीक सेम के क्लब के सामने से उठा लिया गया। ''हमने बस अपनी बैठक समाप्त ही की थी और होटल के प्रवेश द्वार के सामने खड़े थे। उसे ठीक वहाँ से हमारे सामने उठा लिया गया। दो लोगों ने उसे कार के एक ट्रक में धकेला और फिर हमने उसे कभी नहीं देखा।''

बिना परेशान हुए, सेम अगले सप्ताह की बैठक में प्रस्तुत हुए।

सीखने के उत्सुक, सेम के पास इंग्लैंड के लीसेस्टर विश्वविद्यालय से श्रम कानून में एक स्नातक डिग्री; कैलिफ़ोर्निया कोस्ट विश्वविद्यालय से एक व्यवसाय प्रबंधन डिग्री; और हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल से एक प्रबंधन स्नातक डिग्री थी।

उन्होंने रोटरी को अनेक ओहदों पर रहकर सेवा दी, जिनमें रोई निदेशक, टीआरएफ ट्रस्टी, आरआरएफसी, क्षेत्रीय रोई सदस्यता समन्वयक और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एवं संयुक्त राष्ट्र-आवास के लिए रोई प्रतिनिधि का पद शामिल है। वह कई समितियों के सदस्य या अध्यक्ष थे, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय पोलियो प्लस समिति, ड्रग एब्यूज प्रिवेंशन टास्क फ़ोर्स और ऑडिट समिति शामिल है।

सेम और नोराह, पॉल हेरिस सदस्य, प्रमुख दानकर्ता, और रोटरी संस्थान के हितकारी बने।

सेम अपनी पत्नी, नोराह; तीन बच्चों, एड्रिन स्टीफन, बोन्नी पैट्रिक, और डेनियल टिमोथी; और पोता-पोती कैटलिन, सेम और एडम के साथ रहते थे। शोक प्रकट करने के लिए Mrs. Norah Agnes Owori, c/o Institute of Corporate Governance of Uganda, Crusader House, Plot 3 Portal -venue, Kampala, Uganda पर या sam.oworirotary.org पर संपर्क कर सकते है।

सेम के सम्मान में स्मारक योगदान को Sam F. Owori Memorial to Polio पर निदेशित किया जा सकता है।

रोटरी की 2017-18 की नामांकन समिति, अगस्त की शुरुआत में निर्धारित अपनी बैठक के दौरान एक नए निर्वाचित-अध्यक्ष के साथ अध्यक्ष-मनोनीत का चुनाव करेगी।

© rotary.org

ओवोरी की विरासत जीवित रहेगी

राजेन्द्र के साबू

वर्ष 2017 अंतर्राष्ट्रीय सभा के समापन सत्र के बाद, सभी अफ्रीकी डीजीई और अन्य नेतृत्वकर्ता रोई अध्यक्ष-मनोनीत सेम ओवोरी के कक्ष में एकत्रित हुए। मैं उस कमरे में एकत्रित हुए कुछ विशेषाधिकृत गैर-अफ्रीकियों में से एक था; जब मैंने वहाँ गैर-अफ्रीकी होने के बावजूद भी मौजूद होने के मेरे सौभाग्य के बारे में टिप्पणी की, सेम ने मुझे एक अफ्रीकी परिवार के रूप में मानते हुए कहा, राजा, तुम कई लोगों की तुलना में अधिक अफ्रीकी हो। सेम के शब्द आज भी मेरे कानों में गूंजते है... भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, राजा मेरे गुरु, मेरे पथ प्रदर्शक, मेरे भाई है - मुझे ख़ुशी है कि वह मेरे साथ होंगे। मेरे प्यारे सेम, अगर आप अभी भी मुझे सुन सकते है, तो मैं अभी भी वहीं हूँ परन्तु आपने मुझे छोड़ दिया और मैं आपको बहुत याद करता हूँ। और अकेला मैं ही क्यों, अफ्रीका के रोटेरियन और संपूर्ण रोटरी जगत आपको याद कर रहा है।

मैं सेम से पहली बार 1990 में डेलस, टेक्सास में अंतर्राष्ट्रीय सभा में मिला। वह एक प्रशिक्षण-नेता थे और मैं रोई अध्यक्ष-मनोनीत था। क्या विडंबना है की डेलस में ही 1 अक्टूबर, 2016 को उन्हें यह खबर मिली थी कि उनका 2018-19 में रोई अध्यक्ष बनना तय हो गया है, और उसी शहर में 13 जुलाई, 2017 को उन्होंने अपनी अंतिम सांसे ली और स्वर्ग सिधार गए।

रोई अध्यक्ष के रूप में और उसके बाद, मैं सेम से समय-समय पर मिला परन्तु वह तब अपने व्यवसाय में काफी सक्रिय थे। वह यूगांडा के शीर्ष जानकार एवं अनुभवी बैंकर थे। हालाँकि, 1998 में, जब उषा और मैंने सबसे प्रथम चिकित्सीय मिशन की शुरुआत की, जो कि यूगांडा के लिए था, सेम समय निकालकर जितना हो सकता था उतना हमारे साथ रहे। बाद में, ऐसे मिशनों में और इससे भी अधिक अफ्रीकी संस्थानों में, अपने रोटरी के सिद्धांत, विचारों एवं अवधारणा को साझा करते हुए हम करीबी मित्र बन गए। ROTA-रीचिंग आउट टू अफ्रीका - एक और मंच बना जहाँ मैंने अफ्रीका की उनकी परिकल्पना की एक झलक देखी जो कि परस्पर निर्भरता के लिए आवश्यक रूप से, सदस्यता संख्या, रोटरी के मूल्य एवं आत्म-निर्भरता पर आधारित थी। वह हमेश नम्रता के साथ बोलते थे लेकिन वह जो भी बोलते थे धमाकेदार होता था और लोग सुनते थे।

सेम रोटरी के विश्व नेता बनने की दहलीज पर थे - रोटरी के 108वें अध्यक्ष - और जितना अधिक हमनें उन्हें सुना, उतना

दायें से : PRIP राजेंद्र के साबू, सेम ओवोरी, उस समय के रोइ अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी , उस समय के RIPN रोन बुर्टोन और उस समय के PRID ओरसेलिक बाल्कन, मॉरिशस में ।

अधिक हमनें उस व्यक्ति के दृढ़ विश्वास को पहचाना जिनकी मुस्कान संक्रामक थी, विनम्रता शांत करने वाली थी और उनके दृढ़ विश्वास को पालन करने का साहस असीम था। अध्यक्ष-मनोनीत के रूप में उन्होंने एक संदेश दिया जो बहुत शानदार और उनके स्पष्टवादी दृष्टिकोण को बताने वाला था। उन्होंने यह कहा था: हम इसलिए रोटेरियन बने क्योंकि हमें उन मूल्यों के आधार पर ध्यानपूर्वक चुना गया था जिनसे हम सहमत थे। रोटरी हमारे लिए मूल्यों का एक अद्भुत प्रस्ताव निर्धारित करती है। हमने एक सदस्यता संगठन के रूप में शुरुआत की और आज हम एक सेवा संगठन भी है और यह वह स्प्रिंगबोर्ड है जो मानवता की सेवा हेतु प्रेरित करने के लिए असर डालता है। हमारी दुनिया उल्टी है; हम ऐसी दुनिया में रहते है जहाँ लालच बहुत अधिक बढ़ गया है। ऐसी दुनिया में जहाँ ईमानदार को बेवक़ूफ़ और धोकेबाज़ों को होशियार कहा जाता है।

जहाँ धैर्य को बेकार एवं एक कमजोरी समझा जाता है। जहाँ युवा लोग रातों-रात किसी भी तरह अमीर बनने की जल्दी में है। जहाँ रक्षक ही भक्षक बन जाता है और जहाँ नेता सकारात्मक आलोचनाओं के प्रति असंवेदनशील होते है, जहाँ आज़ादी के मूल्यों एवं वैश्वीकरण को हमारे संजोये गए मूल्यों को कमज़ोर बनाने के लिए मोड़ा जाता है। यह सुनने में एक सरल विलाप जैसा लग सकता है, सिवाय इसके कि सूची वास्तव में लंबी है और आप केवल इसमें जोड़ सकते है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार कहा था, हम एक खतरनाक दुनिया में जीते है उन बुराइयों के कारण नहीं जो लोग करते है बल्कि उन व्यक्तियों या अच्छे लोगो के कारण जो बस देखते है और कुछ नहीं करते। कन्फ़्यूशियस ने कहा था, सबसे खराब कायरता है, क्या सही है यह जानना और उसे ना करना। यहीं पर चार-तरीका परीक्षण और हम रोटेरियन शामिल होते है।

सेम के लिए, नीति और मूल्य रोटरी के मूलभूत स्तंभ थे। उनकी स्वयं की ज़िंदगी उनके माता-पिता के लालन-पालन में बीती जहाँ से उन्हें उच्च मूल्यों और व्यापार एवं व्यवसाय में उच्च मानकों का डीएनए प्राप्त हुआ और उन्होंने इसे उनके जीवन की धारणा बनायीं। वह कहा करते थे कि आप अपनी निजी ज़िंदगी में सही हुए बिना केवल व्यापार एवं व्यवसाय में नैतिक नहीं रह सकते। अपने बचपन के बारे में बात करते हुए, सेम ने एक बार कहा था, हमारे पिता एक बेरहम अनुशासक थे जिन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हम, उनके बच्चों को, सभी की तरह, जीवन में सब कुछ कमाना होगा और किसी भी चीज़ को बिना पसीना बहाए प्राप्त करने की आशा नहीं करनी होगी। हालाँकि वह धनवान थे, फिर भी उन्होंने सुनिश्चित किया कि हम उस समुदाय के हिस्से के रूप में बड़े हो जिसमें हम रहते थे।

उनकी विरासत दुनिया के लिए खुशी पैदा करना है जो खुशी की तलाश में है।

सेम वर्ष 1978 में रोटरी से जुड़े जो रोटरी के लिए एक कठिन समय था। यह 1971-79 का समय था, यूगांडा में इदी अमीन के शासन का बर्बर दौर, जब रोटरी बैठकों में शामिल होना खतरनाक था क्योंकि क्लब लगभग एक प्रतिबंधित समूह थे। लेकिन सेम निडर थे। उनके मित्रों द्वारा ज़ोर दिए जाने पर वह क्लब से जुड़े और उन्होंने मित्रता एवं क्लब द्वारा किये जा रहे कार्यों को पहचाना यद्यपि उन्होंने देखा कि कैसे उनके दोस्त बस गायब हो गए, कुछ को खुफ़िया पुलिस द्वारा क्लब से निकलने के तुरंत बाद उठा लिया गया। जिससे वह आकर्षित हुए वे रोटरी की अनूठी परियोजनाएं थी जिसे उन्होंने देखा जैसे कि एक युवा यूगांडाई लड़की मार्गरेट रोज़ के एक लकड़बग्घे द्वारा चबाये गए पूरे चेहरे को ऑस्ट्रेलिया के रोटेरियनों की मदद से पुनर्निर्मित एवं सुधारा गया। मैं मार्गरेट से एक रोई सम्मेलन में मिला। अन्य परियोजना जिसने सेम के दिल को छुआ और उन्हें एक आजीवन रोटेरियन में परिवर्तित किया वह थी, 'जीवन का उपहार' परियोजना जिसके माध्यम से तीन यूगांडाई बच्चों की यूएस में दिल की सर्जरी की गयी।

मैं दम्पति को जानता था; वे सबसे प्यारे लोग थे, वे एक दूसरे से एवं अन्य लोगों से प्रेम करते थे। बैंकाक में एक बार मैंने सेम को देखा, जो तब एक रोई निदेशक थे, नोराह की व्हील चेयर को धकाते हुए जिनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। मैंने टिप्पणी की कि उन्हें ऐसा करने के लिए मदद मिल सकती है और उन्होंने कहा: नोराह हमेशा मेरा ध्यान रखती है और यह छोटी देखभाल है जिसे उसके लिए मैं स्वयं कर सकता हूँ। वे अक्सर उनके तीन बच्चों और नाती-पोतों के बारे में बात किया करते थे। अत्यंत धार्मिक इसाई, धर्म की अच्छाई में विश्वास करते हुए, वे एक संयुक्त परिवार में रहते थे, जैसे हम में से अधिकतर लोग भारत में रहते है।

यूगांडा में दूल्हे द्वारा दुल्हन के परिवार को दहेज़ देने की प्रथा थी। जब सेम और नोराह, स्कूल में एक साथ थे और उन्हें प्यार हुआ, शादी करना चाहते थे, तो नोराह की माँ, एक कट्टर इसाई, ने बस सेम से उनकी बेटी का ध्यान रखने और

उसे एक अच्छा वैवाहिक जीवन देने के लिए कहा। ये वो मूल्य है जो उन दोनों को उनके माता-पिता से मिले थे और उन्होंने उनके आगे बच्चों को दिए।

सेम ओवोरी असाधारण रूप से शिक्षित, ज्ञानी और विविध विशेषज्ञता वाले थे जिनमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे शामिल है। हार्वर्ड से एक प्रबंधन की डिग्री के साथ, वह श्रम कानूनों से पूरी तरह परिचित थे और बैंकिंग एवं वित्त का गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान रखते थे। एक पक्के व्यवसायी और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति वाले एक सज्जन, छोटी कद-काठी वाला यह व्यक्ति लहरों के विपरीत तैरा एवं शिखर के ऊपर से गुज़रा, और उस देश में एक त्रुटिरहित रिकॉर्ड बरकरार रखा जिसमें भ्रष्टाचार व्याप्त हो गया था। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि यूगांडा की सरकार देश के इस महान पुत्र को औपचारिक श्रद्धांजलि दे रही है।

सेम एक प्रबुद्ध व्यक्ति थे, और एक असंशोधनीय आशावादी थे, और एक ऐसे इंसान थे जिन्होंने दूसरों में अच्छाई देखी और मदद एवं सेवा देने के लिए स्वयं को आगे करने में विश्वास किया। वह एक अच्छे रोटेरियन थे - एक अच्छे इंसान थे।

अफ्रीका से रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के पहले अध्यक्ष जोनाथन मजियाम्बे थे, जिन्होंने अनेक चुनौतियों के बावजूद भी रोटरी को आश्चर्यजनक ढंग से ''साथी हाथ बढ़ाना'' की विषयवस्तु पर चलाया। सेम ओवोरी अफ्रीका से दूसरे रोई अध्यक्ष होते; अफ्रीका का रोटरी को एक अमूल्य तोहफा। अब वह भगवान को दिया हुआ रोटरी का उपहार है और हमारे पास उनकी विरासत छोड़ गए है। और उनकी विरासत है उस दुनिया के लिए ख़ुशी उत्पन्न करना जो ख़ुशी ढूंढती है।

(लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष है)

रोटरी को सेम की कमी महसूस होगी

सी. भास्कर

हालाँकि मैं आरआईपीई सेमुएल ओवोरी से पहले कुछ बार मिला था, फिर भी मेरा उनसे वास्तविक परिचय तब हुआ जब हमनें सेन डिएगो और इवेंसटन में निर्वाचित निदेशक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। हम अधिकतर समय एक साथ बैठते थे और मैंने उनमें एक सच्चा रोटेरियन, वकील से बने अर्थशास्त्री, और इन सब से ऊपर, एक अच्छा व्यक्ति पाया। नोराह और सेम सभी के प्रति अत्यंत सामान्य और नम्र थे, जिनमें मैं और माला भी शामिल थे।

मैं वास्तव में विविध विषयों में उनके गहन ज्ञान से चकित था, जिनमें कॉर्पोरेट गवर्नेंस, विश्व अर्थव्यवस्था, विपणन रणनीतियाँ, माइक्रोफाइनेंस, रोजगार संबंध, इत्यादि शामिल थे। अग्रणी संस्थानों जैसे कि ऑक्सफ़ोर्ड, हार्वर्ड और स्टेनफोर्ड में पढ़ाई के माध्यम से लगातार अपनी योग्यताओं को उन्नत करने के उनके जूनून ने उन्हें उच्च क्षमताओं वाला एक सच्चा नेतृत्वकर्ता बनाया।

रशीदा भगत

दुबई रोटरी जोन संस्थान में सेम ओवोरी और आरआईडी सी भास्कर।

रोटरी में उनके ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में से एक था रोटेरेक्टरों को प्रेरित करना ताकि वे एक बेहतर रोटेरियन और दुनिया में एक बेहतर नागरिक के रूप में विकसित हो सके। उन्होंने प्रेमपूर्वक रोटेरेक्ट को ''रोटरी का जीवन बीमा'' कहा। मुझे अब तक उनके शब्द याद है जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि भारत को कम से कम 1 प्रतिशत जनसंख्या के रोटेरियन होने की अभिलाषा करनी चाहिए। उनका सपना अकेले भारत में ही 1.2 मिलियन रोटेरियनों के होने का था। यह वास्तव में एक बड़ी चुनौती है, परन्तु उन्होंने कहा कि जब स्वीडन ने इस प्रतिशत को हासिल कर लिया है तो दूसरे देश क्यों नहीं कर सकते? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक स्वप्नदर्शी और एक प्रदर्शक जिसे रोटरी जगत का 2018-19 में नेतृत्व करना था आज हमारे साथ नहीं है।

दोस्तों, सेम अब नहीं है और अब हमें उनकी विरासत का पालन करना है। एक दूरदर्शी रोटेरियन और नेतृत्वकर्ताओं के मध्य एक सज्जन, सेम ओवोरी का बेवक्त निधन रोटरी जगत के लिए एक अपूरणीय हानि है। नोराह और शोकसंतप्त परिवार को मैं और माला दिली सहानुभूति देते है। उनकी महान आत्मा को शान्ति मिले।

(लेखक रोई निदेशक है)

हाथों की स्वच्छता को प्रोत्साहित करना

के टी पी राधिका

वंदना (14), कक्षा 9 की छात्रा और बेंगलुरु के मॉलेश्वरम गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल की रोटरी स्वच्छता राजदूत कहती हैं, ''अब से मेरे सहेलियाँ और मैं दोपहर का भोजन करने से पहले साबुन और पानी से हाथ धोयेंगी।'' वह सुनिश्चित करती है कि उसके भाई-बहन सहित उसका संपूर्ण परिवार नियमित रूप से इस स्वच्छता आदत का पालन करें क्योंकि ''हाथ धोने से हम बीमारियों से दूर रह सकते है और यह स्वस्थ रहने में हमारी मदद कर सकती है।'' वंदना एक 'विशाल हाथ धोने और स्वच्छता जागरूकता अभियान' की एक प्रतिभागी थी, जिसे मंडल 3190 द्वारा WinS कार्यक्रम के एक भाग के रूप में मंडल के 603 सरकारी स्कूलों में आयोजित किया गया था।

PDG और WinS के मंडल समन्वयक के एस नागेंद्र कहते हैं, ''यह हमारे प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और इसमें लगभग 93,000 छात्रों ने भाग लिया है।''

आईपीडीजी एच आर अनन्त WinS प्रोजेक्ट के बारे में एक न्यूज़ चैनल से बात करते हुए और उनके सात उपस्थिति हैं (बायें से) बी के भास्कर, रोटरी क्लब बैंगलोर वेस्ट के पूर्व अध्यक्ष, WinS समन्वयक के एस नागेंद्र और सुधीर श्रीनिवास, जीएम - हिमालय ड्रग्स ।

कार्य करते स्वयंसेवक

58 रोटरी क्लबों और इनर व्हील, रोट्रैक्ट्स क्लबों, RCCs सहित17 पार्टनर क्लबों और NGOs जैसे अक्षय पात्रा के 550 स्वयंसेवकों को मिलाकर एक WinS समिति का गठन किया गया। छात्रों को समुचित व्यक्तिगत स्वच्छता आदतों के बारे में शिक्षित करने के लिए दो स्वयंसेवकों को प्रत्येक स्कूल में भेजा गया। उन्होंने हाथ धोने और स्वच्छता पर 20-मिनट का एक प्रदर्शन पेश किया, स्वच्छता के बारे में जागरूकता फ़ैलाने वाले सामग्रियों का वितरण किया और पोस्टर लगाए। प्रत्येक स्कूल में बच्चों के स्वच्छता की आदतों की निगरानी के लिए छात्रों में से ही किसी वरिष्ठ छात्र को रोटरी स्वच्छता राजदूत नियुक्त किया गया। समिति समय-समय पर दौरा कर कार्यक्रम की निरंतरता सुनिश्चित करेगी।

छात्र एक स्कूल में हाथ धोने की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हुए ।

कर्नाटक सरकार द्वारा समर्थित कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री तनवीर सेत ने किया। रोटरी की पहल की सराहना करते हुए, उन्होंने रोटरी को एक कोर NGO कमेटी का एक भाग बनने के लिए आमंत्रित किया जिसका गठन राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के विकास के लिए योजना बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, ''रोटरी के कार्य शब्दों से कही अधिक सशक्त है और निश्चित रूप से वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम है।''

प्रमुख दवा कंपनी हिमालय ड्रग्स ने हाथ धोने की किट उपलब्ध कराया जिसमें निर्देशों के साथ एक बुकमार्क, अंग्रेजी और कन्नड.में हाथी धोने की प्रक्रिया, साबुन और व्यक्तिगत स्वच्छता पर पोस्टर शामिल था।

गत वर्ष लगभग 200 सरकारी स्कूल ऐसी ही परियोजना से लाभांवित हुए थे। नागेंद्र कहते हैं, ''हमने स्कूलों में शौचालयों का निर्माण करवाया, हैंडवॉश स्टेशनों का जीणीद्धार किया और RO पेयजल की सुविधाएं उपलब्ध कराई। हम इस वर्ष भी इन कार्यक्रमों को और स्कूलों में लागू करेंगे।'' ■

अक्रा के लिए एक चिकित्सीय मिशन

वी. मुत्तुकुमारण

अफ्रीका गए रोटरी के मेडिकल मिशन का वहाँ के अस्पतालों में मरीज़ों और तो और स्थानीय डॉक्टरों द्वारा भी स्वागत किया गया है जो उनके भारतीय समकक्षों की विशेषज्ञता से सीखने की आशा कर रहे है। और, वे उनके साथ मरीज़ों की देखभाल के लिए दवाइयां, उपभोग की वस्तुएं और यंत्रों के बड़े कार्टेल लाये है।

परन्तु मंडल 3250 (बिहार और झारखण्ड) से घाना की राजधानी अक्रा गए 22 सदस्यीय दल, जिसका नेतृत्व आईपीडीजी डॉक्टर आर. भरत ने किया था, को जिस बात ने भौंचक्का किया वह यह थी कि घाना में डॉक्टर उन मरीज़ों को कभी कभार ही सामान्य एनेस्थीशिया देते थे जिनकी सर्जरी की जाती थी। डॉक्टर भरत कहते है, ''हमें एनेस्थीशिया में एक आधार के तौर पर इस्तेमाल किये जाने वाले नाइट्रस ऑक्साइड को अस्पताल के बाहर से मंगाना पड़ता है क्योंकि अस्पताल इसका भण्डारण नहीं करते।'' एक स्वयं सेवक के रूप में, पीडीजी जोगेश गंभीर दल के प्रमुख थे।

रवांडा और मलावी के उनके पूर्व मिशनों के माध्यम से मिले अफ्रीकी अस्पतालों के अच्छे अनुभव के कारण, इस प्लास्टिक सर्जन ने पीडीजी जोगेश गंभीर से विचार विमर्श किया जो उस मिशन में परियोजना निदेशक के रूप में शामिल हुए जिसमें विभिन्न विशेषताओं के 17 डॉक्टर और चार स्वयं सेवक शामिल थे। रोटरी क्लब अक्रा रिंग रोड सेंट्रल (मंडल 9102) को 'मेज़बान लाभार्थी' साझेदार चुने जाने के बाद, पीडीजी मधुकर मल्होत्रा, मंडल 3080, की सहायता से टीआरएफ की तरफ से 80,000 डॉलर के एक वैश्विक अनुदान को अंतिम रूप दिया गया।

स्त्रीरोग विशेषज्ञ विणा कुमारी और ममता दत्ता अनेस्थेसिओलॉजिस्ट्स (बाएं से दाएं) राजीव शुक्ला, बी सी महापात्र और वामसी उप्पालापत्ती और नर्सों की स्थानीय टीम के साथ।

डॉक्टर भरत याद करते है, ''घाना के डॉक्टरों ने छांटकर 2,500 से अधिक मरीज़ों का चुनाव किया। हम 4 मई को अक्रा पहुंचे, और नौ दिनों के लिए संपूर्ण ऑपरेशनों को लेकमा, ला जनरल और रिडज अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया, जहाँ हमनें प्रमुख क्षेत्रों में 172 सर्जरियाँ की।''

मंडल 3250 से गए चिकित्सीय दल के लिए यह एक 'एतिहासिक मिशन' था क्योंकि पहली बार इस क्षेत्र से डॉक्टर अफ्रीका गए थे। ''हमें अस्पतालों में अपरिचित परिस्थितियों में काम करना पड़ा जहाँ विशिष्ट देखभाल का अभाव था; हमारे उपकरणों एवं उपभोग की वस्तुओं के अतिरिक्त सामान के कारण, हम हमारा सर्वश्रेष्ठ दे सके,'' परन्तु विडम्बना यह है कि उन्हें उस सामान के लिए कोलकाता हवाई अड्डे पर रु1.75 लाख का शुल्क चुकाना पड़ा। भारत के विपरीत, घाना में सरकारी अस्पताल मरीज़ों से खर्च लेते है।''

अक्रा के क्लब ने सामान की व्यवस्था की और अस्पतालों से मरीज़ प्रबंधन का समन्वय किया। भारतीय डॉक्टरों ने माध्यमिक देखभाल में अपनी सेवायें प्रदान की जिनमें ओर्थपेडीक, लेप्रोस्कोपी, नेत्र संबंधी, दन्त संबंधी, स्त्रीरोग संबंधी और चेहरे की विकृतियों (प्लास्टिक सर्जरी) की सर्जरियों के अलावा कुछ दुर्लभ मामले जैसे घुटने का कैंसर और जलने के बाद की विकृतियों का उपचार शामिल था। फिर भी, जिस बात ने उन्हें आश्चर्यचकित किया वह है अफ्रीकी मरीज़ों का आत्मसंयम। हृदयरोग विशेषज्ञ डॉक्टर विजय भरत कहते है, ''ऑपरेशन के बाद के आघात को सहन करने के लिए उनमें तीव्र इच्छा शक्ति और सहनशीलता थी।''

नेत्र रोग विशेषज्ञ बिपूती सिन्हा एक बच्चे की जांच करते हुए।

नेत्र विशेषज्ञ बिफुती पी. सिन्हा के लिए, यह एक आंखें खोल देने वाला मिशन था क्योंकि उन्होंने पाया कि अफ्रीकियों की आनुवांशिक प्रकृति के कारण उनमें एक विचित्र कॉर्निया का विकार होने की अधिक सम्भावना है।

प्रायोगिक प्रशिक्षण

रोटरी दल ने कनिष्ठ सलाहकार, रेसिडेंट डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को भी 'प्रायोगिक प्रशिक्षण' प्रदान किया। भरत कहते है, ''जबकि 20 डॉक्टरों को विभिन्न विशेषताओं में प्रशिक्षित किया गया, लगभग 50 पराचिकित्सकों और सहायक स्टाफ को मरीज़ों की देखभाल की आधुनिक कार्यप्रणालियों के बारे में शिक्षित किया गया।''

चूंकि घाना के अस्पतालों में केवल प्राथमिक देखभाल सेवायें उपलब्ध है, यहाँ तक कि मेट्रो शहरों में भी माध्यमिक और तृतीयक देखभाल देने के लिए भी सुविधाएं, श्रम और चिकित्सीय कौशलों का तीव्र अभाव है।

मिशन के अंत में, दल ने अस्पताल को चिकित्सीय आपूर्तियाँ, यन्त्र और उपभोग की वस्तुएं दान की। घाना में भारत के उच्चायुक्त बिरेन्द्र सिंह यादव ने उनके कार्यालय में चिकित्सीय दल का स्वागत किया।

मिशन पर गए डॉक्टरों के नाम

- प्लास्टिक सर्जन: आर. भरत, वीणा सिंह
- कार्डियोलॉजिस्ट : विजया भारत
- लेप्रोस्कोपिक सर्जन: अशोक चट्टोराज, मनोज कुमार
- ओर्थपेडीक सर्जन: इन्द्रोनील भादुड़ी, रवि कुमार
- स्त्रीरोग विशेषज्ञ: ममता रथ दत्ता, वीणा कुमारी
- नेत्र विशेषज्ञ: जगस बेदी, बिपूती पी. सिन्हा
- दन्तरोग सर्जन: जाहा बेनर्जी, निम्मी सिंह
- एनेस्थेटिस्ट: बी. सी. महापात्रा, राजीव शुक्ला, वामसी उप्पलापत्ती, संजीव कुमार
- स्वयंसेवक: जोगेश गंभीर (दल प्रमुख), मंजू गंभीर, शरत चंद्रन, अनुराधा जायसवाल और अविनाश दुगार

मूल विचार

साल 2016 में, जब पीआरआईपी राजेंद्र के. साबू और तत्कालीन टीआरएफ प्रमुख कल्याण बेनर्जी ने अफ्रीका का दौरा किया, उन्होंने पाया कि घाना में लोग खराब स्वास्थ्य सेवाओं से पीड़ित हो रहे थे। घर लौटकर, साबू ने एक क्लब बैठक में डॉक्टर भरत को एक रोटरी मिशन आरम्भ करने का विचार प्रस्तुत किया और यह उन सर्जन द्वारा सहजता से स्वीकार किया गया जिनको ऑपरेशन मुस्कान और गाँवों से गुजरने वाली लाइफलाइन एक्सप्रेस के माध्यम से बच्चों पर 5,000 से अधिक कटे-फटे होठों की सर्जरियाँ करने का श्रेय जाता है। अब, वह अगस्त में मंडल 3080 से मंगोलिया के लिए एक और चिकित्सीय मिशन का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे है।■

कन्वेंशन के कुछ पल

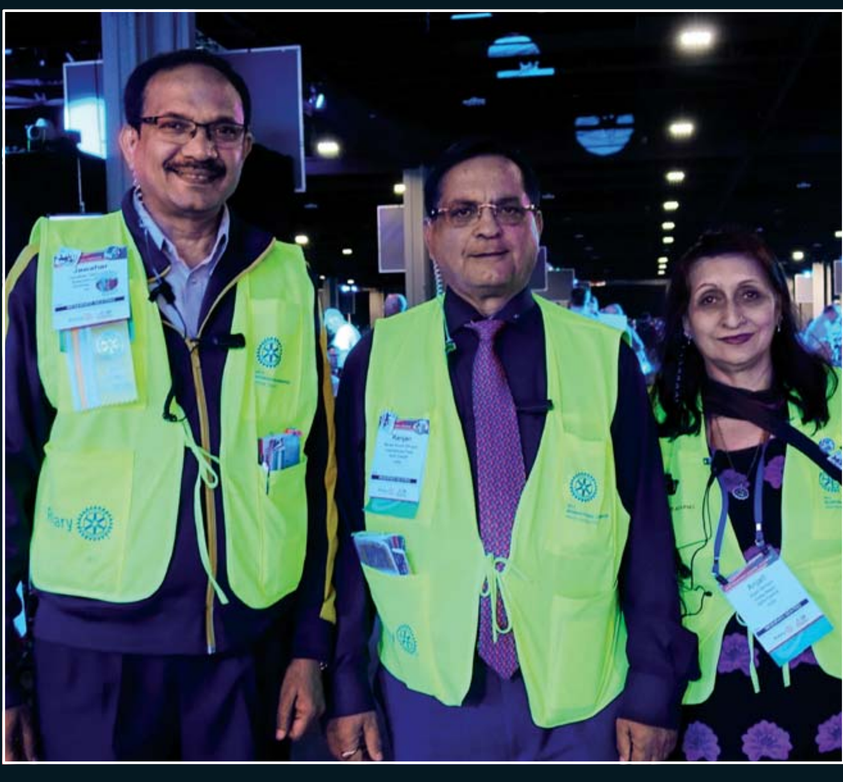

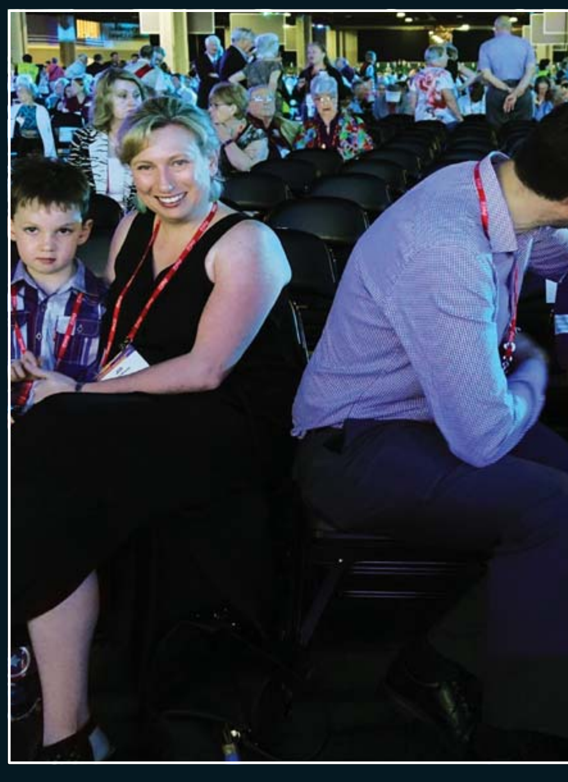

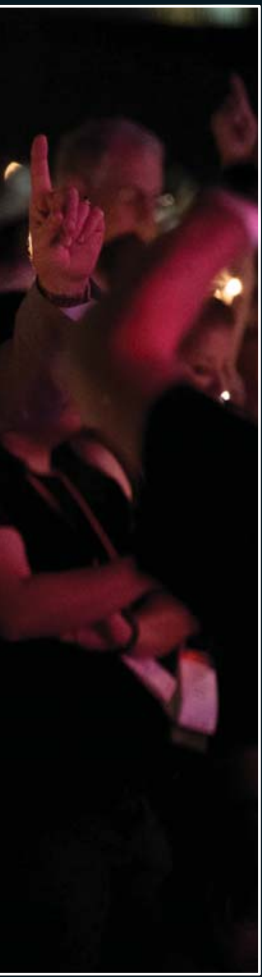

क्लाकवाइज़: मानव तस्करी को खत्म करने के लिए मोमबत्ती को रोशन करते हुए रो इ अध्यक्ष जॉन जर्म और पत्नी जुडी के साथ पीआरआईडी रोनाल्ड बीयुबियन और पत्नी विकी; टीआरएफ ट्रस्टी अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी और चेयर-एलेक्ट पॉल नेटज़ेल इसके अलावा तस्वीर में (बाएं दूसरी पंक्ति से) ट्रस्टी सकुजी तनाका, सेजी किटा जोड़ीदार नोबुको और सुशील गुप्ता (खड़े हैं); आर आई डी इ सी भास्कर और पत्नी माला; आर आई पी इ इयन राय्सली की बेटी जिल और उनके पति स्कॉट और पोते जैक, विल और लैचलन सम्मेलन में ; सार्जेंट-अठ-आर्म्स जवाहर वी, रंजन और अंजली ढिंग्रा।.

Building
Level 2

SAVE OUR SCHOOLS

क्लाक्वाइज़: लाल रंग में महिलाएं: कन्वेंशन में भारतीय डीजी की पत्नियां; पी आर आई पी विलियम बी बोयड, लोर्ना बोयड, देनीज़ अल्पाय और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों; पीआरआईपी राजेंद्र के साबू और टीआरएफ ट्रस्टी चेयर कल्याण बेनर्जी; आरआई अध्यक्ष जॉन जर्म और पत्नी जुडी; पीडीजी गण तमनामु विजेंद्र रओ, राज्य लक्ष्मी वदलामणि और रवि वदलामणि, हाउस ऑफ़ फ्रेंडशिप स्टाल में।

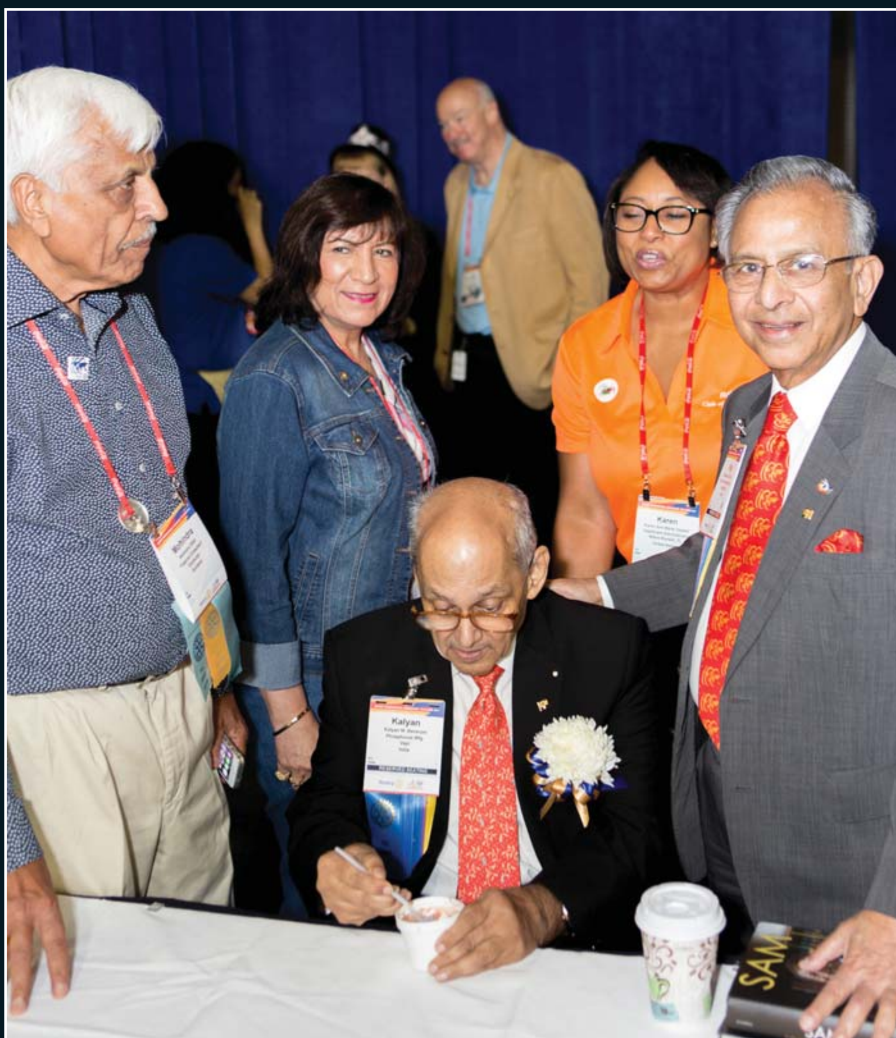

चित्र: रशीदा भगत और *© Rotary International*

एक बड़ा वार्षिक आप्रवासन

एम स्वामीनाथन

तंज़ानिया-केन्या सीमा पर मारा नदी को पार करते अफ्रीकी बारहसिंघा।

वार्षिक 'वाइल्डबीस्ट' (अफ्रीकी बरहसिंघा) आप्रवासन, दुनिया के यात्रा अजूबों में एक है जो हमारे भूग्रह पर सबसे बड़ा प्राणी आप्रवासन है। अपने आहार की 800 किमी की तलाश में डरावने हिंसक जानवरों का सामना करने वाले 1.5 मिलियन बारहसिंघों तथा 200,000 जेबरा (धारीदार घोड़ा)ओं का नज़ारा, अफ्रीकी सफारी का एक जीवनकालीन अनुभव है।

जब वें तंज़ानिया-केन्या की सीमा पर स्थित मसाय मारा जा पहुँचते है, तो धरती पर इन प्राणियों की सबसे घनी आबादी यहीं पर पायी जाती है।

उनका यह सालाना सफर तंज़ानिया तंज़ानिया में दक्षिण सेरेंगटी से केन्या के मसाय मारा राष्ट्रीय रिजर्व (शरणस्थल) के उत्तरीय छोर तक जारी रहता है। 'दि ग्रेट माईग्रेशन' यानि बडा आप्रवासन शायद अफ्रीका का सबसे बडा सफारी और दुनिया का बेहद असाधारण प्राकृतिक अजूबा है। मैं खुशकिस्मत था जो इस अद्‌भुत दृश्य को देखने 28 अगस्त 2013 की दोपहर, तंज़ानिया-केन्या की सीमा पर मारा नदी के किनारे सही वक्त, सही जगह पर मौजूद था। उस

दिन नदी को पार करने वाले जानवर भी खुशकिस्मत थे क्यों कि मगरमच्छों ने उनमे से एक को भी परेशान नही किया; इस तरह सभी ने तंज़ानिया से केन्या तक नदी को सही सलामत और जिंदा पार कर लिया। लेकिन, उस पार उन्हे लालची परभक्षियों का सामना करना पड़ा।

नदी पार

ये जानवर झुंडों में सेरेंगटी के भिन्न जलाशयों में, ज्यादातर अगस्त-अक्टूबर के दौरान, केन्या और तंज़ानिया की सीमा से लगी मारा, ग्रुमेटी तथा सैंड नदियों के बेहद आकस्मिक पारगमन स्थानों के आरपार टहलते रहते हैं। इन नदियों के ढालुये किनारों पर रगडने झुंडों में इकठ्ठा हो जाते हैं। तेज जलधारायें और परभक्षी (17 फुट के मगरमच्छ), पानी की सतह के नीचे छिप जाते हैं। जब आखिर में वें पार करने लगते हैं तो वें हजारों की तादाद में होते हैं; इनमें से अनेक आक्रामक मगरमच्छों की बोटियों पर गिर पड़ते है।

वाइल्डबीस्ट क्या होता है?

यह एक तरह का हिरण या बारहसिंघा होता है जो भेड और ढोरों जैसे, केवल सीधे सींगों वाले, जुगाली करने वाले परिवार से आते हैं। एक पूर्व-अफ्रीकी लोक कथा के मुताबिक वाइल्डबीस्ट यानि अफ्रीकी बारहसिंघे का चेहरा लकड़बग्घे के समान दुबला, सिंह जैसे गले पर बाल, भैंस जैसा सींग, घोडे की पूँछ और ह्येना जैसा मुलायम बदनाला होता है!

ज्यादातर प्रौढ वाईल्डबीस्ट का वजन 400 पाउँड होता है; केवल माँसपेशियों से बना। वें महज खाने के लिये ही जिंदा रहते हैं; बारिश के बाद अपने आहार, यानि छोटी, हरी घाँस की तलाश में। जब अगस्त में वें तंज़ानिया-केन्या की सीमा पर मसाय मारा जा पहुँचते हैं, तो धरती में, इन प्राणियों की सबसे घनी आबादी, यहीं पर पायी जाती है। आप एक ही दिन में, 250,000 वाइल्डबीस्ट और जेबराओं को देख पायेंगे।

चित्र : एम स्वामीनाथन

रक्तदान में रोटरेक्टर कीर्तिमान रचते है

किरण ज़ेहरा

साझेदार रोटरी क्लबों के साथ में, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रोटरेक्ट क्लबों ने एक साथ 412 शिविरों से 28,556 यूनिट रक्त इकठ्ठा किया और एक हफ्ते में सर्वाधिक रक्त दान शिविर के आयोजन के लिए एवं एक रक्त दान शिविर में सर्वाधिक देशों की सहभागिता के लिए 'इंडिया बुक ऑफ़ रिकाड्‌र्स' में उनका नाम दर्ज हुआ। महादान परियोजना प्रमुख साहिल भटेजा कहते है, ''उद्देश्य रक्त दान के प्रति जागरुकता फैलाना था और उन लोगों के लिए रक्त इकठ्ठा करना था जो रक्त की कमी के कारण शायद मर जाते।''

मंडल 3090 के डीआरआर की उनकी कार्यावधि (2013-2015) में विश्व रोटरेक्ट सप्ताह आने के कारण, भटेजा को पौधारोपण या रक्त दान शिविर के आयोजन में से किसी एक को चुनना था। उन्होंने रक्त दान शिविर को चुना। ''मुझे उस लेख का पढ़ना याद है जिसमें एक व्यक्ति की रक्त की कमी के कारण मौत हो जाती है। मैं उसके बारे में गहराई से सोचता रहा और सोचा क्यों ना पूरे रोटरेक्ट समुदाय को एक रक्त दान शिविर के आयोजन में लगाया जायें।'' उन्होंने उनके विचार पर मंडल 3090 के पीडीजी विजय गुप्ता के साथ चर्चा की, ''जिन्होंने पूरे कार्यक्रम के दौरान मेरा मार्गदर्शन किया।''

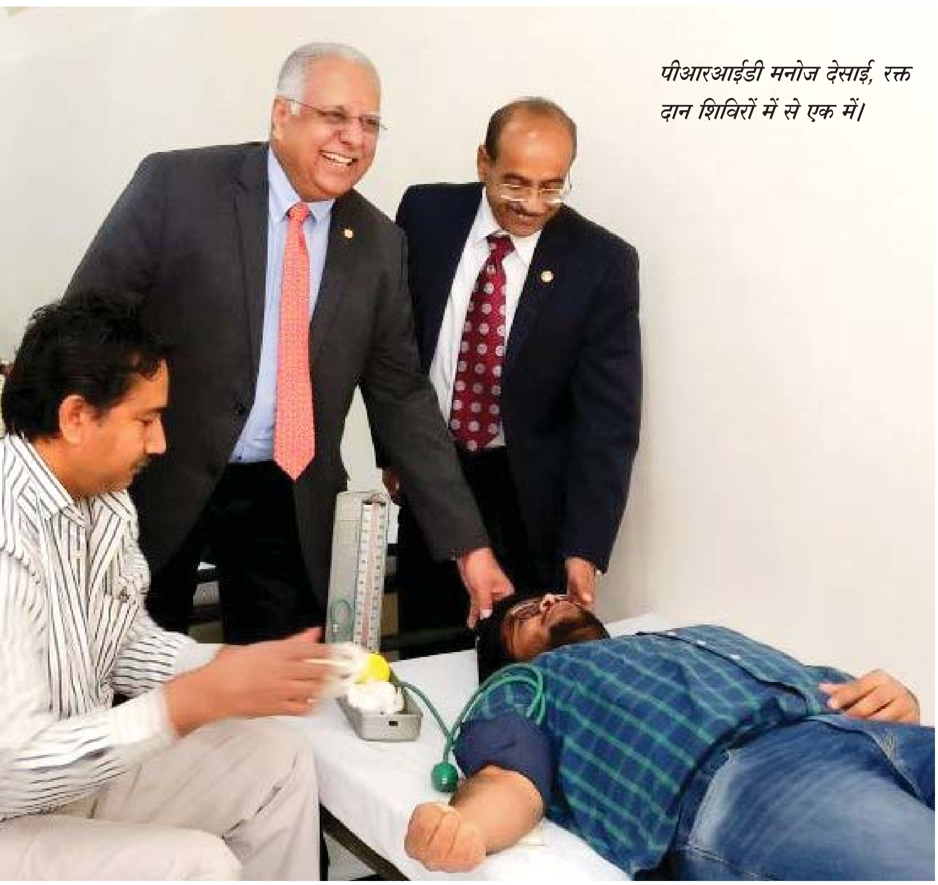

पीआरआईडी मनोज देसाई, रक्त दान शिविरों में से एक में।

तारीख और जगह तय होने के बाद, स्थानीय रक्त बैंकों से संपर्क किया गया और सब कुछ बड़ी सरलता से होता हुआ प्रतीत हो रहा था। उन्होंने कहा, ''रोटरेक्टर और आने वाला डीआरआर दल इस पहल के लिए सकारात्मक थे और रोई निदेशक मनोज देसाई ने भी हमारे प्रयासों को प्रोत्साहित किया।''

इसके पहले संस्करण में महादान ने पूरे भारत में आयोजित 250 रक्त दान शिविरों में से 19,364 यूनिट रक्त इकठ्ठा किया। भटेजा कहते है, ''डीआरआर, डीजीयों और रोटरियनों ने उनका काम इतनी बखूबी किया कि हम अंतिम महीने में महादान 2.0 में शिविरों की संख्या में 50 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़ोत्तरी कर सके।''

कार्यक्रम के आयोजन के दौरान, विभिन्न मुद्दों जैसे, संसाधन एवं श्रम शक्ति का अभाव और गलत सूचना एवं समय सारणियों ने निरंतर परियोजना प्रमुख को परेशान किया, परन्तु उन्होंने उनके परामर्शदाता पीडीजी गुप्ता से ''सभी चीज़ों को सकारात्मक लेना सीखा।''

वर्ष 2017 में रक्त दान शिविरों को 18 देशों में आयोजित किया गया और भारत के बाहर 47 रोई मंडलों ने 40 शिविरों से सफलतापूर्वक 2,520 यूनिट रक्त इकठ्ठा किया, भारत में आयोजित 325 शिविरों से इकठ्ठा किये गए 23,524 यूनिट रक्त भारत में 325 शिविरों के अलावा सामान्य जनता द्वारा 47 शिविरों से 2,512 यूनिट और जुड़े ।

''चूंकि विदेशों में रक्त दान की नीतियाँ अलग थी इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना पड़ा कि रोटरेक्ट सप्ताह के पहले सभी चीज़ें अच्छी तरह से संगठित हो जाए और बहुत से रोटरियनों ने इस प्रक्रिया में हमारी मदद की।'' पीआरआईपी राजेन्द्र सबू का इस परियोजना को ''उल्लेखनीय काम'' कहना ने भटेजा को प्रोत्साहित किया है महादान 3.0 के लिए तैयार होने के लिए।■

आपके गवर्नरों से मिलिये

जयश्री

सार्वजनिक छवि उनकी प्राथमिकता है

बाघ सिंह पन्नू, रियाल्टार
रोटरी क्लब पटियाला सेंट्रल, मंडल 3090

भाईचारे और सामाजिक सेवा के लिए, रोटरी, मेरे लिए, दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संगठन है,'' डी गी बाघ सिंह पन्नू कहते हैं, जो वर्ष 1999 से रोटरियन रहे हैं। वे रोटरी के बेहतर जन-कल्याणकारी कार्यों का प्रचार-प्रसार करने और संगठन में अधिक से अधिक लोगों को शामिल करने के प्रति उत्साही हैं। ''हमारा नया विषय - रोटरी परिवर्तन ला रही हैं - 17,106 फीट की ऊंचाई पर नॉर्बू शिखर पर लहराने वाला है। मेरे 16 वर्षीय पुत्र कंवर उदय सिंह पन्नू ने हाल ही में वहाँ रोटरी का ध्वज फहराया, जब वह अपने पहले अभियान पर गए थे,'' गौरवांवित पिता कहते हैं।

पन्नू 20 रोटरी क्लबों को पहचानने की योजना बना रहे है जिनका अपना रोटरी हॉल हैं। ''मैं रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के लिए इन इमारतों में पॉल हैरिस की अर्धप्रतिमा स्थापित कर रहा हूँ।''

अंग दान को बढ़ावा देना उनकी दूसरी प्राथमिकता है और वह एक पंजीकृत दाता भी है। उन्होंने TRF के लिए 150,000 डॉलर एकत्र करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ''पिछले रिकॉर्डो को देखते हुए यह एक बडी उपलब्धि है क्योंकि पहले हमने औसतन 30,000-40,000 डॉलर का योगदान दिया है।'' वह पॉल हैरिस अर्धप्रतिमा को स्थापित करते हुए रोटरियनों से पर्याप्त राशि देने के लिए अनुरोध करेंगे।

सदस्यता के मामलें में, वह ''प्रसार के बजाए धारण करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे,'' और उन्होंने सदस्य संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है। ''हमारे पुराण महिलाओं को माँ सरस्वती, लक्ष्मी और शक्ति के नाम से महिमामंडित करते है, तो अब समय आ गया है कि हम स्त्री-शक्ति और समाज निर्माण में उनकी भूमिका को समझें,''डी गी कहते है, जो अधिक से अधिक महिला सदस्यों को शामिल करने के लिए उत्सुक है।

पृथ्वी को हरीतिमा से युक्त करना

पृथ्वी को हराभरा बनाने के रो इ अध्यक्ष रिसेली के आह्वान से संकेत ग्रहण करते हुए, उन्होंने संपूर्ण मंडल में एक लाख पौधे और बीज गेंद लगाने की योजना बनाई है, और इस अभियान में उन्होंने रोट्रैक्टर्स और इंटरैक्टर्स को दोस्तों और परिवारों को शामिल करने का निर्देश दिया है।

चेन्गप्पा, सुरेश अपने दोस्तों से कहते हैं कि वह कभी भी बहुत इच्छुक व्यापारी नहीं थे, और वर्ष 1995 में रोटरी में शामिल होने से पहले अपने 'कोडावा' समुदाय की भलाई से संबंधित कार्यों में सक्रिय थे। ''मेरी अर्धांगिनी मेरे सभी सामाजिक प्रयासों में मेरी सबसे बडी समर्थक रही है,'' वह कहते हैं।

वह सभी 1,700 घरों में सौर लैंप उपलब्ध कराने के लिए कमर कस कर तैयार हैं। ''ये दूरदराज के गांव हैं जहाँ सरकारी विद्युतीकरण अभी नहीं पहुंची है।''

वे अपने प्रत्येक सदस्य से चाहते है कि वे TRF में न्यूनतम 26.5 डॉलर का योगदान करें और एक विशेष कॉरपोरेट रात्रिभोज के माध्यम से वह कॉर्पोरेट्स के साथ भागीदारी करने की अपेक्षा कर रहे हैं ताकि परियोजनाओं के लिए उनकी CSR निधि प्राप्त किया जा सके।

सदस्यता वृद्धि के मामले पर, चेंगप्पा चाहते हैं कि उनके अध्यक्ष ''क्लब की बैठक प्रभावी ढंग से आयोजित करें, जैसा निर्देशक सी बास्कर द्वारा निर्देश दिया गया है। मैंने उनसे अनुरोध किया है कि वे अपने मित्रों और रिश्तेदारों के मध्य रोटरी की मानवतावादी परियोजनाओं को रेखांकित करें और उन्हें संस्था से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।'' उन्होंने अपने मंडल में मौजूदा 72 क्लबों में 15 नए क्लबों को जोड़ने का प्रस्ताव रखा है।

एक कृत्रिम अंग शिविर का उल्लेख करते हुए जिसका आयोजन उन्होंने क्लब के अध्यक्ष के रूप में किया था, वह कहते हैं कि जब लाभार्थियों में से एक, जो पेशे से दर्जी था और जिसने किसी दुर्घटना में अपना एक पैर गंवा दिया था, उनके पास आया और अपने आंखों में आँसू लिए हुए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा ''मैंने कभी स्वप्न में भी नहीं सोचा था कि मैं फिर से चल सकूंगा, लेकिन जयपुर के पैरों के इन जोडी के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, जिसके कारण मैं न केवल चल सकता हूँ, बल्कि मैं अपने व्यवसाय को भी चला सकता हूँ,'' रोटरी का यही जादू है, डी गी ने श्रद्धापूर्वक कहा।

एम एम चेंगप्पा, पैकेजड-फूड निर्माता,
रोटरी क्लब मदिकेरी, मंडल 3181

उनका ध्यान समुदाय आधारित परियोजनाओं पर है

डीगी ने वर्ष के लिए सभी योजनाएं तैयार कर ली हैं - 95 प्रतिशत प्रतिधारण के साथ 25 प्रतिशत सदस्यता वृद्धि, और 10 एन्डोमेंट दाताओं सहित TRF में 500,000 डॉलर का योगदान।

नहरों और तालाबों से गाद निकाल कर भूजल में सुधार और कृषि-कार्य में मदद करने वाले कार्यों का उल्लेख करते हुए रमेश बाबू ने कहा है कि, 'हालांकि हमारा 90 प्रतिशत क्षेत्र ग्रामीण है, मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 80 प्रतिशत रोटरियन समुदाय के लिए आवश्यक-आधारित परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए' सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। 111 क्लबों और 4,304 रोटरियनों के यह मंडल नेता आगे कहते हैं, 'मेरे सभी अध्यक्ष गतिशील हैं, सीखने के लिए तैयार हैं और सेवा करने के लिए तत्पर है। मैं PETS और SETS के दौरान 100 प्रतिशत उपस्थिति देख कर आश्चर्यचकित था।'

सदस्यता के बिंदु पर, वह चिदंबरम में एक अखिल महिला क्लब स्थापित करने की योजना बना रहे हैं और रोटरी क्लब कुंबकोणम शक्ति की बहुत प्रशंसा करते है, जो कुंबकोणम में एक अखिल महिला क्लब है और ''बहुत अच्छा कार्य कर रही है।'' उन्होंने हाल ही में रोटरी क्लब कुंबकोणम किंग्स की स्थापना की, ''जो एक युवा, जीवंत क्लब है''- जिसके सदस्य रोटरी क्लब कुंबकोणम टेंपल सिटी के रोटरियनों की संतान हैं।

वर्तमान में, बाबू एक जापानी क्लब के सहयोग से सुनामी प्रभावित नागापट्टिनम शहर में एक स्कूल को बेहतर बनाने के लिए एक वैश्विक अनुदान प्राप्त करने के लिए प्रयासरत्त है। एक और प्राथमिकता जंगली, आक्रामक *सीमाई करुवेलम* पौधे को जड़-मूल से समाप्त करना है, जो भूमि से पानी को अवशोषित करता हैं। स्कूल के बच्चों के लिए NEET कोचिंग और स्कूलों में स्वच्छता और ई-लर्निंग की सुविधा भी उनकी योजना में शामिल हैं।

''मेरे पास सीमित DDF है - केवल 46,000 डॉलर। मैं अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं को निष्पादित करने के लिए कॉर्पोरेट्स और वैश्विक अनुदानों के साथ काम कर रहा हूँ,'' गवर्नर कहते है, जो वर्ष 1997 से एक रोटरीन रहा है।

पी एस रमेश बाबु, ट्रांसपोर्टर,
रोटरी क्लब कुंबकोणम ईस्ट,
मंडल 2981

महिलाओं को इनर व्हील से अधिक प्राथमिकता रोटरी को देनी चाहिए

उन्होंने कहा, ''एक गवर्नर के रूप में कार्य करना संपूर्ण जीवन में आने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर है और इसके लिए मैं अपनी टीम का धन्यवाद देता हूँ।'' अब्राहम ने एक रोटरियन के रूप में वर्ष 1997 में अपनी रोटरी यात्रा शुरू की। उनके क्लब का मोबाइल अंग केंद्र, जिसकी शुरूआत उन्होंने आठ वर्ष पहले, अध्यक्ष के रूप में की थी, उनके दिल के करीब है। उन्होंने कहा, ''इसने राज्यों में, विशेषकर ग्रामीण इलाकों में हजारों लोगों को चलने और कार्य करने की क्षमता प्रदान की है।'' उनका मंडल दो राज्यों - आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फैला हुआ है।

वह TRF के लिए 1.2 मिलियन डॉलर प्राप्त करने और 750 नए सदस्यों की शुद्ध वृद्धि करने के लिए दृढ़-प्रतिज्ञ है। वह कम से कम 20 महिलाओं रोटरियनों को शामिल करने के लिए भी कार्य कर रहे हैं, जिसके बारे में उनका कहना हैं, कि वे अभी भी केवल 10 प्रतिशत है। ''मैंने रोटरियनों पर जोर दिया है कि क्लब के बैठकों में वे अपनी पति-पत्नी को साथ लेकर आएं। उन्हें रोटरी का जादू समझने दें। मेरे विचार में, रोटरी की महिला सदस्यता में इनर व्हील संगठन द्वारा बहुत प्रभावित है। ज्यादातर महिला रोटरी क्लब के बजाय इनर व्हील क्लब में शामिल होना पसंद करती हैं।''

उनके मंडल के लिए कोई ''हस्ताक्षर'' परियोजना नहीं है। वह क्लबों से चाहते है कि वे अपने क्षेत्र की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करें। ''उन जरूरतों को पूरा करना एक उत्कृष्ट झठ अभियान है।'' हालांकि, पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताएं प्रतीत होती हैं। इसलिए अब्राहम स्कूलों को शौचालय ब्लॉक और रिवर्स ऑस्मोसिस संयंत्रों से लैस करने के लिए वैश्विक अनुदान परियोजनाओं को कार्यान्वित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे है। उन्होंने क्लबों को स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने का भी निर्देशित दिया है।

वे कहते हैं, ''मैं चाहता हूँ कि मेरे क्लब जीवंत हो और पुराने आकर्षण को पुनर्जीवित करें, जो कुछ दशकों पहले था।''

जे अब्राहम,
शिक्षाविद्,
रोटरी क्लब कोठागुडेम, मंडल 3150

रंजीत सिंह,
एयर कंडीशनिंग व्यवसाय,
रोटरी क्लब लखनऊ राजधानी,
मंडल 3120

ब्लड बैंक उनका सपना है

फैजाबाद-लखनऊ राजमार्ग पर एक विशाल रोटरी होर्डिंग, जो उनके शहर में आने वाले आगंतुकों का स्वागत करता है, के कारण रोटरी में उनकी रूची जागृत हुई और वर्ष 1997 में वे रोटरीयन बन गए। रंजीत सिंह अपने मंडल में एक ब्लड बैंक स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं। ''वर्ष 2004 में, जब मैं एक रोटेरियन से मिलने गया, जो सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे, तब मैंने अपने जीवन में पहली बार रक्त दान किया और इसके कारण मैं उस बच्चे का जीवन को बचा सका। मैं उसे अपना रोटरी क्षण मानता हूँ और तब से ब्लड बैंक स्थापित करना मेरा सपना रहा है।''

वह 109,000 डॉलर की लागत से अपने क्लब के माध्यम से संपूर्ण मंडल में 100 फ्रीजर बक्से वितरित करने की योजना पर कार्य कर रहे है। ''यह एक बहुत ही विचारशील परियोजना है, विशेष रूप से इस युग में, जब बहुत से लोग विदेशों में रहते हैं। फ्रीजर बक्से मृत लोगों के नश्वर अवशेषों को संरक्षित करने में मदद करेंगे, जब तक कि उनके प्रियजन उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए आ नहीं जाते हैं।'' प्रौढ़ शिक्षा उनकी योजना का एक और फोकस क्षेत्र है। सिंह जी ने TRF में 350,000 डॉलर योगदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और अपने प्रत्येक 2980 सदस्यों से 100 डॉलर एकत्र करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने प्रत्येक सदस्य को एक पिगी बैंक दिया है जिसे 2 नवंबर को मंडल सम्मेलन के अवसर पर खोला जाएगा।

सदस्यता वृद्धि के मसले पर, वह कहते हैं कि वह बहुत भाग्यशाली है ''मैंने अब तक 13 क्लबों की अपनी यात्रा के दौरान 152 सदस्यों को संस्था में शामिल किया है।'' उनका लक्ष्य 750 नए सदस्यों को शामिल करना है और इसके लिए वे रोटरियनों के जीवन साथी को लक्षित करने का निश्चय किया है। ''मैं पहले से ही 25 पत्नियों को रोटेरियनों के रूप में शामिल कर चुका हूँ, जिनमें से 18 रोटेरियन 40 वर्ष से कम आयु की है।'' वह क्लब सेंट्रल के लिए मंडल के नामांकन में सुधार करना चाहते है और इसके लिए उन्होंने एक खढ पेशेवर को नियुक्त किया है जो प्रत्येक क्लब का दौरा करेगा और सदस्यों को ऑनलाइन नामांकित करेगा।■

क्लब नेतृत्वकर्ताओं के लिए सदस्यता हस्तपुस्तिका

रूपा माथुर

दुनिया पर रोटरी का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से उन समुदायों की संख्या के अनुपात में है जो इसके आदर्शों से अवगत है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम ना केवल नए क्लबों को खोजें बल्कि मौजूदा क्लबों को मजबूत भी बनायें। रोटरी समन्वयक अशोक गुप्ता (ज़ोन 4 और 6A) एवं एच. राजेंद्र राय (ज़ोन 5) और एआरसी अजय काला (ज़ोन 4 और 6 A) द्वारा संपादित द्वारा लिखी गयी रोटरी सदस्यता अभ्यास पुस्तिका 2017-18, क्लब एवं मंडल नेतृत्व हेतु सदस्यता वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है।

'वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा' अध्याय मंडलों एवं क्लबों के लिए सदस्यता पहलुओं जैसे अवरोधन, बढ़त, महिला सदस्यता और रोटरी क्लब सेंट्रल के साथ पंजीकरण, पर मूल्यांकन मानदंड प्रदान करता है। 'रोटरी मूल तत्व' और अन्य प्रासंगिक जानकारियाँ नए सदस्यों को रोटरी की दुनिया से परिचित करवाएगी। सदस्यता प्रक्रिया - प्रस्ताव रखना, परिचय करना और

नए सदस्यों का प्रवेश- पर भाग क्लब अध्यक्षों के लिए एक बहुमूल्य साधन है। यह किताब विभिन्न मा गर्दर्शनों पर भी सविस्तार जानकारी देती है जैसे क्लब के लिए परिकल्पना करना, विविधतापूर्ण सदस्यता को बनाना, मौजूदा सदस्यों को काम पर लगाना और क्लबों, रोटरी सदस्यता एवं रोटरी कार्यवाही समूहों से संवाद करना। अन्य विषयों में शामिल है अहम अवरोधन मुद्दों पर एक गहन समझ, सर्वश्रेष्ठ सदस्यता अभ्यास, सदस्यता में लचीलेपन पर सीओएल के फैसले, उद्धरण और रोटरी वैश्विक पुरस्कार।

पूर्व सदस्य संबंध, रणनीतिगत योजना और क्लब के बिल के विवरणों को भी किताब में जगह मिली है। डीजी/डीएमसी को पेश की जाने वाली अनिवार्य त्रैमासिक क्लब रिपोर्ट का प्रारूप, सदस्यता शपथ, क्लब समिति संरचना, बैठकों में सीटों का नक्शा, ये सभी क्लब अध्यक्षों के लिए एक बढ़िया संदर्भ सामग्री होगी। लेखकों ने रोटरी समन्वयकों, डीजीयों और सभी मंडलों के सदस्यता प्रमुखों की संपर्क जानकारियाँ भी शामिल की है।

यह किताब एक अधिक मजबूत एवं अधिक जीवंत रोटरी हेतु क्लबों को मजबूत बनाने के लिए रोटरी नेतृत्व के मिशन का वर्णन करती है।

लेखिका निर्वाचित अध्यक्ष है

हैप्पी स्कूल छात्रों में व्यापक बदलाव लाती है

वी. मुत्तुकुमारण

पंजाब के जिला मुख्यालय मानसा के समीप बरनाला गांव में एक सरकारी मिडिल स्कूल के समग्र जीणोद्धार से सभी ग्रामीणों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। रोटरी क्लब मानसा रॉयल, मंडल 3090, की इस परियोजना का उद्घाटन तत्कालीन DG संजय गुप्ता ने किया था। ''कक्षा में बेंच और ब्लैकबोर्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के अतिरिक्त, हमने पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई। लड़कों और लडकियों के लिए अलग-अलग शौचालय ब्लॉक और हैंडवैश स्टेशनों पहले ही मौजूद थे,'' PDG प्रेम अग्रवाल ने कहा।

स्कूल के प्रधानाध्यापक बलबीर सिंह, जो स्वयं भी एक रोटरीयन हैं, इस कायाकल्प के प्रमुख शिल्पी है। ''हमने अपने क्लब से लगभग रू 2 लाख जुटाए। पानी के कूलर पर रु 60,000 व्यय किया गया, जबकि शेष राशि का उपयोग ढांचागत परिवर्तनों जैसे व्हाईटवॉश, छात्रों के लिए पुस्तकालय में पुस्तकों और यूनिफार्म की खरीद पर व्यय किया गया,''अग्रवाल जी कहते है। शिक्षकों के लिए एक विशेष स्टाफ रूम और एक हेड्मास्टर केबिन की व्यवस्था ने शिक्षण बिरादरी में उत्साह का संचार किया, जो इससे पहले इस लक्जरी सुविधा से वंचित थे। गुप्ता ने आगे कहते है, ''अब छात्रों की मानसकिता में काफी बदलाव दिखाई दे रहा है क्योंकि उनके पास अब एक ऐसा स्कूल है, जिसपर वे गर्व कर सकते है।''■

कोस्टा रीका

एक उष्णदेशीय स्वर्गलोक

परवेज़ भगत

कोस्टारीका के बारे में या तो किसी सफ़रनामे में या फिर *द लोनली प्लैनट* में पढ़ना एक बात है। और इस मंत्रमुग्ध कर देने वाले खूबसूरत देश में जाना और उसे महसूस करना पूरी तरह से अलग बात है। कोई भी बात, मुश्किल से 51,000 वर्ग मीटर के इस छोटे से मध्य अमरीकी देश की अतुलनीय विलासिता का लुत्फ़ उठाने के लिये पूरी तरह से आपको तैयार नहीं कर सकती जो उत्तर में निकारागुआ, दक्षिण में पनामा, पूरब में करीबीयन सागर तथा पश्चिम में प्रशाँत महासागर के बीच स्थित है।

जब आप राजधानी शहर सैन जोस में आकर, जो आपकी पहली मंजील हैं, वहाँ से किसी और जगह जाने के लिये सफ़र करते हैं, तब आप खुद को, चारों ओर पर्वतों तथा हरे भरे उष्णदेशीय जंगल से पूरी तरह से ढके विस्तृत भूप्रदेशों से घिरा हुआ पाते हैं जिसकी बराबरी की कोई और जगह मैंने नहीं देखी है। हम हफ्ते भर वहाँ ठहरे हुये थें; और उस दौरान साफ जाहिर हुआ कि यह देश क्यों इतना हराभरा था; हमारा पहला मुकाम था मैनुअल एंटोनीयो, जहाँ बिना चुके, कम

मेनुएल एंटोनियो राष्ट्रीय उद्यान में एक समुद्र तट।

जिंदगी'; इस संकेत को देश भर के अनेक इश्तेहारों में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाने वाली सडक ढालुआँ और संकरीली है; और इस पार्क में चलते चलते, एक ओर घने जंगलों वाले पहाडों की कतारें और दूसरी ओर खूबसूरत समुद्र तटों के खंड दिखायी देते हैं।

इस शरणालय में अनेक पगडंडियाँ हैं और हमने असंख्य गोधे (इग्वाना यानि एक किस्म की छिपकली), सफेद चेहरे वाले केप्यूशीन (बंदर) देखे; और पेडों की टहनियों के ईर्दगिर्द उछलते, गरजते बंदरों को भी कभी कभार देखा जा सका। स्थानीय लोगों साथ ही साथ पर्यटकों को राहत पहुँचाने वाली बात है ऊपरी वानर-सेतु जिसकी वजह से नीचे आये बिना ही बंदर सडक पार कर सकते हैं।

पेडों की ऊँचाई पर बसेरों में अनेक 'स्लोथ' (एक मध्य अमरीकी जानवर) बैठे हुये थें और हमारे गाईड ने हमे बतलाया कि यें स्लोथ तीन या चार दिनों में एक बार ही नीचे जमीन पर उतरकर आते हैं और बाकी के वक्त सोते रहते हैं। पक्षी-प्रेमियों के लिये यह शरणालय मानो एक स्वर्गलोक है से कम कुछ घंटों के लिये, हर दोपहर को मुसलाधार बारिश होती थी।

हम हवाई अड्डे से निजी वैन गाडी में सीधे मैनुअल एंटोनीयो गये जो प्रशाँत महासागर पर स्थित है और जहाँ चारों ओर मैनुअल एंटोनीयो राष्ट्रीय उद्यान फैला है। तीन घंटे का सफर था; हमारा वैन चालक एकदम नम्र, मिलनसार और मददगार किस्म का शख्स था। उस वैन में नि:शुल्क वाई-फई की सुविधा उपलब्ध थी। कोई ताज्जुब नहीं उस वाई-फई का 'पासवर्ड' है *pura vida* यानि स्पैनीश में 'पाक

जाको से मोंटेज़ुमा तक की नाव की सवारी।

सेन जोस की एक विमान से कोस्टा रीका का एक हवाई दृश्य ।

नीचे: सेन जोस की विमान के लिए छोटे तंबोर हवाई अड्डे पर केवल एक आदमी की सेना ।

जहाँ 'ट्रोगन' (जंगली पंछी), गुनगुनाती चिडियाँ, जलसिंह, तथा 'किंगफिशर' (रामचिटैया) को आसानी से पाया जा सकता है क्यों कि वें लगभग हर जगह पाये जाते है। बस आपको इधर उधर नज़र दौडानी होगी!

पर्यटकों से खचाखच भरे इस राष्ट्रीय उद्यान में, ज्यादातर अमरीकी, लतीन अमरीकी तथा यूरपीय देशों से आये होते हैं – हमें कोई भारतीय पर्यटक नहीं दिखायी दिया – तीन बेहद खूबसूरत समुद्र तट है: प्लाया एस्पाडीला, प्लाया मैनुअल एंटोनीयो तथा प्लाया प्युएर्टो एस्कोंडीडो। स्पैनीश में प्लाया का मतलब है समुद्र तट।

समंदर का ठंडा पानी, किसी गरम और नम दिन में, घुमावदार पगडंडियों से गुजरकर लंबी चहलकदमी करने के बाद आपको मानो अमृत लगेगा। ज्यादातर पर्यटक सीधे समंदर की ओर रुख करते हैं। सुविधाओं के बाबत में पार्क सुव्यवस्थित है। आगंतुकों के लिये 'शावर' कक्ष और कपडे बदलने के कक्ष बनाये गये हैं लेकिन इस वन्य उद्यान की अत्याधिक लोकप्रियता का मतलब है आपको अक्सर इन सुविधाओं का उपयोग करने सब्री बरतनी होगी और अपनी बारी के आने का इंतजार करना पडेगा।

मैनुअल एंटोनीयो में हमारे रिजार्ट (सैरगार) 'पैराडोर रिजार्ट एंड स्पा' का जिक्र करना ही होगा, उसके असाधारण 'लोकेशन' तथा उसकी सुविधाओं की सहुलीयत और उसके अनोखेपन, दोनों के लिये। प्रशाँत महासागर के गहरे नीले पानी के सामने की पहाडी पर स्थित यह रिजार्ट उसके ऊँचे दर के लिये असली मोल प्रदान करता है, हालाँकि प्रति रात्रि लगभग 200 डॉलरों के लिये यह कुछ महंगा ही है। वर्षा वन के 12 एकड़ पर बने उसमे आप आरामदेह तरीके और ठाठ से ठहर सकते हैं; शानदार नाश्ता

यह देश क्यों इतना हराभरा था; बिना चुके, कम से कम कुछ घंटों के लिये, हर दोपहर को मुसलाधार बारिश होती थी।

बिजली के तारों पर चलने वाली रेल जो हमें परडोर होटल में हमारे कमरे में ले जाती थी।

परोसा जाता है; सेवायें बेहतरीन है; कर्मचारी मददगार हैं; कमरें सुरुचीपूर्ण ढंग से सजाये गये है। रिजार्ट से सडक पर पंद्रह मिनट चलने के बाद आपको शानदार समुद्र तट का दृश्य देखने को मिलता है। हालाँकि जब रिसेप्शन में बैठी महिला, हमारे नाम से किये गये ऑनलाईन आरक्षण को ढूँढ नहीं पायी तो हमारी दिल की धडकनें कुछ पल मानों रुक गयी, लेकिन उसका एक फायदा यह रहा कि हमें और भी बडे, आरामदेह कमरे दिये गये।

बिजली के तारों पर चलने वाली रेल के जरिये इन कमरों तक पहुँचा जा सकता है जो लगभग 60 डिग्री के कोण पर चलती है! हर बार कमरे से निकलना और वापिस आना एक सुखद अनुभव था।

और हमारे कमरे से दिखायी देने वाले नज़ारे पर तो जान छिडकने का जी करता है... अग्रभाग में छितरे ताड के पेडों के जरिये प्रशाँत महासागर का शानदार विस्तार... और वह भी सीधे आपके बिस्तर से।

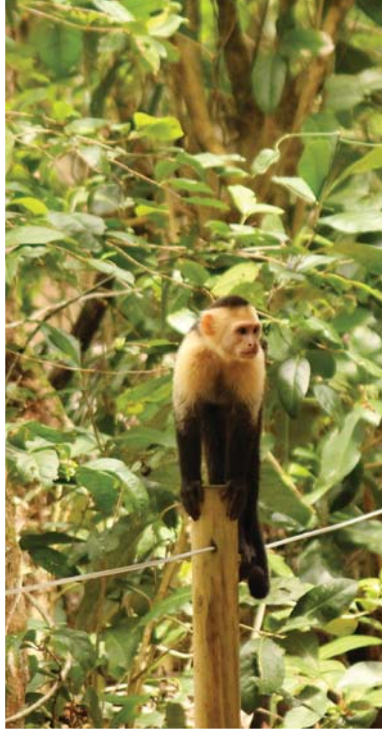

हमारी अगली मंजिल – छोटा, शाँत सा कस्बा सैंटा तेरीसा तक का सफर रोमाँचक और असाधारण से कम नहीं रहा। पहले, मैनुअल एंटोनीयो से खूबसूरत तटवर्ती शहर जाको जा पहुँचने हमने 60 मिनट की कैब सवारी की, जहाँ से, प्रशाँत महासागर में, 60-80 किमी की रफ्तार पर, नस नस में सिहरन पैदा करने वाले एक घंटे के सफर लिये, वेगवान मोटर नौका में हमे बिठाया गया और आखिर में सर्फींग करने बढिया तटों के लिये मशहूर, एक-सडक वाले सैंटा तेरेसा तक, ज्यादातर कच्ची सडक पर, वैन गाडी में 30 मिनट की सवारी।

चार लोगों के यातायात के इस सफर के लिये केवल 170 डॉलरों का वाजबी और वहनीय शुल्क। हम निर्धारित समय पर होटल से चल पडे; इस सफर का सबसे बेहतरीन हिस्सा था कैब से नाँव और फिर नाँव से वैन तक ले जाने का काम सरल-सुलभ तरीके से किया जाना। नाँव में चढने से पहले हमारे सूटकेसों को तेजी से, दक्षता पूर्वक बडी प्लास्टिक की थैलियों में रख दिया गया। नाँव पर चढने के लिये कोई घाटी नहीं थी। आपको समुंदर में घुटने तक पानी में खडे पैर चलकर नाँव में लपककर चढना पडता है।

कोस्टा रीका वाले दोस्ताना, विनम्र सहायक हैं;
pura vida **(शुद्ध जीवन) राष्ट्र का आदर्श वाक्य लगता है।**

मेनुएल एंटोनियो नेशनल पार्क में बन्दर।

अगर आपके पास एक वैध यूएस वीज़ा है, तो भारतीयों को वीजा की ज़रूरत नहीं है, और अमेरिका के अमरीकी नोट को हर जगह इस्तेमाल किया जा सकता है।

सैंटा तेरेसा में, हम अळीलपल के अपार्टमेंट में ठहरे हुये थें जो 'गेटड कम्युनिटी' में बना एक सुविधाजनक अर्पाटमेंट था और जो हरियाली से भरपूर था। इस अपार्टमेंट में पूरी तरह से सुसज्जित रसोईघर भी था और चूँकि हम इसे पहले से ही जानते थें, हम अपने साथ गरम मसाले से लेकर हर किस्म के मसाले लेकर आये हुये थें! 'सुपर मार्किट'! लिखे उस छोटी सी दुकान में गोश्त और चिकन खरीदने का मजा ही कुछ और था। और लीजिये मेरी श्रीमती जी ने उस शाम एकदम सही चिकन बिरयानी बनायी। हम भारतीय स्वाद-प्रेमीयों का दिल खुश हो गया। सैन जोस लौटने से पहले हम तीन दिनों तक इस छोटे से कस्बे में सुस्ताते रहें जो राक्षसी 'सर्फिंग' तख्ते उठाकर आने वाले सर्फरों (सर्फ करने वाले) से भरा पडा है।

और वह वापसी निश्चित ही सपनों में ही देखी जाने वाली बात थी। हम एक छोटे से हवाई अड्डे पर गये; वहाँ केवल एक ही आदमी... अक्षरश: एक ही आदमी... पूरे हवाई अड्डे को संभालता है। उस आदमी ने हमारा सामान उठाया, एक ट्रॉली में रखा और रनवे की ओर ले गया जहाँ दो छोटे से हवाई जहाज खडे थे – एक 10 सीटों वाला और एक 12 सीटों वाला। इन हवाई जहाजों की बैटरियों को 'चार्ज' करना भी उसी का काम है, जो असल में नियमित आवागमन के लिये चलाये जाते है।

चालीस मिनटों के सफर के बाद हम सैन जोस पहुँचे; वहाँ से वापिस मेक्सिको पहुँचे जहाँ से हम कोस्टा रीका गये।

चालीस लाख लोगों की आबादी वाला देश कोस्टा रीका एक महंगा पर्यटन स्थल है; किसी अच्छे रेस्तराँ में चार लोगों के खाने के लिये 150 डॉलर, लेकिन यहाँ मिलने वाले अनोखे अनुभव को देखते हुये यहाँ खर्च किया गया एक एक 'सेंट' जायज ही मालूम होगा। बिना किसी सेना दल के इस अनोखे देश में असंख्य ज्वालामुखीयाँ हैं, जिनमें से अनेक अब भी सक्रिय हैं और सबसे ऊँची ज्वालामुखीय पर्वत-चोटी 13,000 फीट की है। हालाँकि यह स्पेनीश भाषी देश है, हर कहीं अंग्रेजी भी बोला और समझा जाता है।

जोखिम भरे पर्यटन के लिये यहाँ अच्छी गूँजाईश दिखायी देती है। सभी बागों में 'जिप लाईन' (गुरुत्वाकर्षण के जरिये केबल के तार से चरखी के बल पर सवारी जो आपको एक जगह से दूसरी जगह ले जाती है) और वन वितान सैर, सर्फिंग, समुंदरी गोता, बेडा चलाना आदि की व्यवस्था है। यें दौरे व्यवस्थित तरीके से आयोजित किये जाते है; कोस्टा रीका वासियों जैसे मिलनसार लोगों को मैंने बेहद कम ही देखा है।

जिन भारतीय पर्यटकों के पास वैध अमरीकी विजा हो, उन्हे कोस्टा रीका जाने के लिये विजा की जरुरत नहीं, जहाँ की स्थानीय मुद्रा है कोलन (1 अमरीकी डॉलर के लिये 550 कोलन मिलता है), लेकिन आपको मुश्किल से ही मुद्रा विनिमय करने की जरुरत पडती है क्यों कि हर जगह अमरीकी डॉलरों को स्वीकार किया जाता है। दुनिया के ज्यादातर देशों की भाँति ना होकर जहाँ विनिमय दर को लेकर आपको लूटने की कोशिश की जाती है, आपको 'ग्रीन बैक' (अमरीकी नोट) के लिये यहाँ वाजबी विनिमय दर मिलता है।

चित्र : परवेज़ भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

टेक्स्टाइल ट्रैल

प्राकृतिक अज्रख

सबिता राधाकृष्ण

एक बिल्कुल काली-नीली पृष्ठभूमि पर, अमावास को याद कीजिये, मध्यरात्रि को याद कीजिये, अँधेरे को याद कीजिये या एक तारों से भरे आकाश को याद कीजिये... इस तरह अज्रख लगता है, और अरबी में इस शब्द का अर्थ नीला होता है।

यह हथकरघे से बने कपड़े और वनस्पतियों के रंगों का तालमेल होता है जो जादू पैदा करता है। 19वीं सदी के अंत तक रासायनिक रंगों की शुरुआत प्राकृतिक रंगों को पतन की ओर ले गई। अज्रख छपाई, भारत की अवरोध छपाई की सबसे पुरानी तकनीकों में से एक, में प्राकृतिक रंग इस्तेमाल होते है और यह छपाई की सबसे जटिल एवं गूढ़ तकनीकों में से एक है। ऐसा भी कहा जाता है कि इसे नाम ''आज रख'' से मिला। हर प्रक्रिया के मध्य जितना अधिक इंतज़ार होता है, उतना अच्छा परिणाम मिलता है।

दंतकथाओं के अनुसार अज्रख छापने वाले वास्तव में क्षत्रीय ब्राह्मण थे और भगवान् राम के पुत्र लव और कुश के वंशज थे। कच्छ का राजा उन्हें, रंगाई करने वाले, छपाई करने वाले, कुम्हार और कढ़ाई करने वालों के साथ अपनी धरती पर लाये जो बंजर एवं निर्जन थी। रंगाई करने वाले खत्री ब्राह्मण थे। दो पीढ़ी पश्चात उन्होंने इस्लाम कबूला और धमदका में बस गए। इस जगह को दो बार विनाशकारी भूकंपों ने तबाह किया और कलाकार भुज से 12 कि.मी. दूर स्थित अज्रकपुर चले गए। अज्रख कारीगरों का मानना है कि उनकी कला प्रारंभिक मध्यकालीन समय की है। छपे हुए टुकड़ों की कतरनें कायरो के समीप फोस्तात से खुदाई में मिली और माना जाता है कि वे पश्चिम भारत में बनी थी।

सबसे बढ़िया डिज़ाइनों की छपाई सिंध में की जाती थी जो अब पाकिस्तान में है परन्तु परम्पराओं को कावड़ा (कच्छ) एवं धमदका और राजस्थान के बारमेर में कायम रखा गया है जहाँ के कुछ खत्री परिवार अज्रख छपाई करते है। लगभग 200 पारंपरिक ज्यामितीय एवं फूलों की डिज़ाइनों के साथ, वे एक डिज़ाइन निर्देशिका निकालने की योजना बना रहे है।

अज्रख से छपे सूती कपड़ों को पारंपरिक रूप से गड़ेरिया मालधारी समुदाय द्वारा पहना जाता है।

खत्री परिवार द्वारा तैयार की गई साड़ी पर टाई और डाई और अजरख प्रिंट का एक संयोजन।

पगड़ी एवं लुंगी के अलावा, महिलायें छपा हुआ लहंगा पहनती है, और अज्रख से छपे सामान को पालना ढकने के लिए बेड़ कवर के तौर पर इस्तेमाल करती है। हर रंग एक गाथा सुनाता है और ड़िज़ाइन ओहदे को प्रकट करती है। खत्रियों ने अज्रख के आयतनों का एक आधुनिक बाज़ार विकसित किया है और छपाई का इस्तेमाल कुर्ते, लहंगे, सजावट, स्कार्फ और भी बहुत कुछ के लिए किया जाता है।

प्रक्रिया

अज्रख छपाई की एक अनूठी विशेषता यह है कि एक अकेले कपड़े पर, समान डिज़ाइन का उपयोग करके, 'अवरोध छपाई' को अन्य छपाई एवं रंगाई की तकनीकों से मिलाया जाता है। कपड़े के दोनों ओर पूरी प्रक्रिया को उत्तम सामंजस्य में दोहराया जाता है, जिसमें अद्वितीय कौशल की मांग होती है। अज्रख के कई स्तरों में मिट्टी-अवरोध का इस्तेमाल किया जाता है और एक अन्य अनोखी विशेषता यह है कि रंगाई और छपाई को दो बार दोहराया जाता है ताकि रंगों की चमक को सुनिश्चित किया जा सके। दोहराने की प्रक्रिया इतनी सफाई से की जाती है की स्पष्टता तीव्र हो जाती है।

अज्रख बनाने वालों का मानना है कि छपे हुए कपड़े पर गर्म और शीतल रंग होते है जो शरीर के तापमान को स्थिर रखते है, नीला शीतलता देने वाला और लाल गर्म होता है।

एक अज्रख के कपड़े को उसकी लाल या नीली पृष्ठभूमि से पहचाना जा सकता है। अन्य वानस्पतिक रंग जैसे पीले या हरे को भी प्रचलित किया गया है। पारंपरिक रूप से चार रंग - लाल (मजीठ), नीला (नील), काला (लौह एसीटेट) और सफ़ेद (अवरोध)

का इस्तेमाल किया जाता है। अज्रख बनाने वालों का मानना है कि छपे हुए कपड़े पर गर्म और शीतल रंग होते है जो शरीर के तापमान को स्थिर रखते है, नीला शीतलता देने वाला और लाल गर्म होता है।

छपाई के सांचों को इस क्षेत्र में माहिर लोगों द्वारा सूक्ष्मता से तराशा जाता है। तीन सांचों का एक सेट एक परस्परानुबंध प्रभाव को जन्म देता है जिससे अंततः डिज़ाइन बनती है। एक सफ़ेद सूती कपड़े को एक तांबे के बर्तन में पानी एवं सोडा पाउडर के साथ रखा जाता है। उसे फिर भाप देकर नरम बनाया जाता है और बहते पानी में धोया जाता है, विशेषकर एक नदी में। कपड़े को फिर पानी की बड़ी सी कड़ाही में फैलाकर उस पर साबुन लगाया जाता है। कपड़े को फिर तेल के मिश्रण में रखा जाता है, निचोड़ा जाता है और रात भर ऐसे रखा जाता है। कपड़े को अगले दिन धोया जाता है और पिसे हुए सकुन के बीजों और तेल के मिश्रण में भिगोया जाता है और फिर से सुखाया जाता है जिसके बाद यह फीके मटमैले रंग का हो जाता है। विशेषरूप से डिज़ाइन किये गए सांचों के इस्तेमाल से कपड़े को गोंद में एक रूपरेखा सांचे का प्रयोग करके छापा जाता है।

लगभग 200 पारंपरिक ज्यामितीय एवं फूलों की डिज़ाइनों के साथ, वे एक डिज़ाइन निर्देशिका निकालने की योजना बना रहे है।

छपाई की दूसरी कतार जो कि काट छपाई होती है, लौह सलफेट और पिसे हुए बीजो के एक घोल का इस्तेमाल करके काला रंग देती है। जब इसे मजीठ (कृत्रिम मजीठ) में रंगा जाता है तो यह काले रंग में परिवर्तित हो जाता है। प्राकृतिक तत्वों से निर्मित अवरोध द्वारा तीसरी छपाई के बाद कपड़े को नील से रंगा जाता है। इसे फिर धोया जाता है और मजीठ से रंगा जाता है जिससे उन क्षेत्रों में लाल रंग उत्पन्न होता है जिन्हें शुरूआत में अवरोध से ढ़का गया था। दूसरी रंगाई नील में नीले रंग की एक अन्य छाया बनाने के लिए की जाती है। इसके बाद अंतिम धुलाई क्रमानुसार सोडा पाउडर, डिटर्जेंट के पानी और फिर बहते पानी में की जाती है जिसके परिणामस्वरूप एक चमकदार और खूबसूरत उत्पाद सामने आता है।

आजकल शॉर्टकट तरीकों द्वारा प्रक्रिया को छोटा कर दिया गया है; कतारों की जटिलता का बलिदान दिया गया है। रासायनिक रंगों का समावेश रंगों की गुणवत्ता को हल्का कर देता है, और पानी की कमी ने भी उत्पादन में बाधा डाली है। आजकल इस्तेमाल किये जाने वाले प्राकृतिक उत्पाद है गोंद, तेल, मिट्टी चूना, सकुन के बीजे और गुड़।

स्वर्गीय खत्री मोहम्मद सिद्दीकी अज्रख के जादू को जीवित रखने में सहायक थे, और उन्होंने इस परंपरा को उनके तीन बेटे, इस्माइल, रज्जाक और जब्बा को सौंप दिया। वर्ष 2001 में आए भुज के भूकंप के बाद, राज्य सरकार और अन्य गैर सरकारी संगठनों ने कलाकारों को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया है ताकि यह हस्तकौशल गुमनामी में ना डूब सके। आज इसकी एक बड़ी मांग है और इसका एक अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार भी है।

चित्र : जयश्री और सबिता राधाकृष्ण

एन कृष्णामूर्ति द्वारा रूपरेखा

टीआरएफ की मदद से अच्छे कार्य

डायलिसिस हुई सस्ती

वी. मुत्तुकुमारण

टंकर फाउंडेशन संस्थापक न्यासी डॉ जॉर्जी अब्राहम एक मरीज के साथ बात करते हुए, चित्र में फेयरफैक्स होल्डिंग्स के अध्यक्ष प्रेम वत्सा,आईपीडीजी नटराजन नागोजी और टंकर फाउंडेशन के ट्रस्टी लता कुमारस्वामी भी शामिल है।

चेन्नई में गरीब एवं सुविधाओं से वंचित लोगों के लिए थिरुवरकाडू चिकित्सीय केंद्र में रोटरी क्लब मद्रास वेस्ट, मंडल 3232, ने 12-बिस्तर के डायलिसिस इकाई का शुभारम्भ किया है।

रु 8.5 लाख की परियोजना की स्थापना रोटरी क्लब कोलंबो वेस्ट, मंडल 3220, द्वारा एक वैश्विक अनुदान और टीआरएफ के माध्यम से हुई। इस पहल में टैंकर फाउंडेशन और फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग ने भी साझेदारी की है। ''तत्कालीन रो ई अध्यक्ष विलियम रॉबिन्स ने परिसर में मातृत्व केंद्र का उद्घाटन किया था, और दो वर्ष पहले, हमनें एक डायलिसिस केंद्र बनाने के लिए उसे ढहा दिया। चिकित्सीय केंद्र अब तिरुवल्लर ज़िले के 21 गाँवों के लोगों को सुविधा प्रदान कर रहा है,'' इसके अध्यक्ष जी. पंचनाथन ने कहा। प्रत्येक डायलिसिस चक्र में रु375 का खर्च आता है, हर माह लगभग 800 मरीज़ों को लाभ पहुँचाते हुए।

200 से आधिक महिलाएं सुविधा केंद्र में सिलाई, आभूषण डिजाइनिंग और कंप्यूटर जैसे कौशलों में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। दानकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए, आईपीडीजी नटराजन नागोजी ने कहा, ''प्रत्येक 10वां व्यक्ति किडनी की समस्या से पीड़ित है और डायलिसिस की बड़ी आवश्यकता है।'' संसाधनों की सीमितता के कारण क्लब ने केवल चार डायलिसिस मशीनों को स्थापित करने की योजना बनायीं थी। ''परन्तु भाग्यवश, हमें पर्याप्त धनराशी प्राप्त हुई जिसके माध्यम से हम पहली मंजिल के तल को भी ऊपर उठा सके ताकि बारिश में बाढ़ से बचा जा सके,'' क्लब के अध्यक्ष शशि मेनन ने कहा।

फेयरफैक्स के अध्यक्ष प्रेम वत्स ने याद किया कि कैसे प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने उनके संवाद के दौरान उन्हें सीएसआर के तहत पूरे भारत में 1,000 डायलिसिस इकाइयों की स्थापना के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने कहा ''तब से, माधवन मेनन (देश-प्रमुख, थॉमस कुक) और डॉक्टर जॉर्जी अब्राहम (टैंकर फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी) भी इस पहल के लिए हमसे जुड़ गए।''

सम्मेलन

खेल जिसे लोग खेलते हैं

जब बात खेलों की आती है, तो टोरंटो, जो 23 से 27 जून तक आयोजित होने वाले वर्ष 2018 रोटरी इंटरनेशनल के सम्मेलन का आयोजन स्थल है, में सभी लोगों के लिए खेल की कुछ न कुछ सुविधाएं उपलब्ध है। मेपल लीफ स्क्वायर में, आपको ''लीफ्स नेशन'' का धड़कता हुआ दिल मिलेगा, जहाँ लाखों हॉकी प्रशंसक NHL के टोरंटो मेपल लीफ्स का समर्थन करेंगे।

खेलों के फाइनल में भिड़ंत के दौरान, हजारों लोग एयर कनाडा केंद्र, के सामने लीफ के घर के मैदान चौक में जमा होते हैं, ताकि सफ़ेद 'रैली तौलिया''लहराते हुए एक विशाल स्क्रीन पर खेल का लुफ्त उठा सके।

वसंत की दूसरी रात्रियों के दौरान, चौक, लाल और काली रंग से रंगे हुए लोगों से भरा रहता है जो कहते हैं, ''हम उत्तर से है।'' ये NBA के टोरंटो रैप्टर्स के प्रशंसक हैं, जो ACC पर भी खेलते हैं। जब वे घर में होते हैं, तो चौक को जुरासिक पार्क के रूप में जाना जाता है।

यदि आप सम्मेलन के दौरान एक विशाल खेल आयोजन को देखना चाहते हैं, तो आपके लिए सर्वश्रेष्ठ मौका टोरंटो ब्लू जेस है, जो 27 जून को न्यूयॉर्क यांकी खेलते हैं। आप ब्लू जेस का घर, रोजर्स सेंटर, CN टॉवर, के निकट देख सकते है।

यदि आप फुटबॉल के प्रशंसक हैं, तो आप कैनेडियन फुटबॉल लीग के टोरंटो ऑर्गोनॉट्स को देखने के लिए वापस आना चाहेंगे। उनका स्टेडियम, BMO फील्ड, टोरंटो FC का भी घर है, एक ऐसी फुटबॉल टीम जिसका एक छोटा लेकिन समर्पित प्रशंसक आधार है। वे 23 जून, सम्मेलन के उद्घाटन की रात, न्यू इंग्लैंड रेवोलुशन के खिलाफ खेलेंगे।

— *रंडी ड्रज़ीन*

riconvention.org पर टोरंटो में 2018 रोटरी सम्मेलन के लिए पंजीकरण करें।

Now Global Grants for Low-cost Shelters & Simple Schools

Clubs and Districts in India can now build Low-cost Shelters and Simple Schools under Global Grants. It's presently functional for three years but its popularity and functioning will determine its continuity.

So, please get going, start now. Today. Guidelines and Application appendix for availing global grant can be downloaded from the link: ***https://my.rotary.org/en/global-grants-available-low-cost-shelters-and-simple-schools.***

For more information, please contact PRIP Kalyan Banerjee at ***banerjeekm@yahoo.com*** or TRF Trustee Sushil Gupta at ***sushil.gupta@yahoo.co.in.***

Low-cost Shelters

Programme Requirements

1 Low-cost shelters are to be built as part of a comprehensive project that fits with one of Rotary's six areas of focus, with sustainable elements and training in the chosen focus area to ensure that the project meets its goals and the shelters do not deteriorate into a state of disrepair.

2. All low-cost shelters must include toilets, sinks, electricity and potable water. Residents must be trained in hygiene and sanitation and home maintenance to help in the collective upkeep of elements like water wells, latrine blocks and roofs. Training must be provided by experienced professionals in the local language and supplemented by illustrated handouts, also in the local language. Toilets and water supply may be commonly located for a batch of four to six shelters in a separate facility close to the homes. Adequate common toilet/wash facilities may be provided where individual toilets etc at homes are not feasible for some reasons.

3. All global grant applications for low-cost shelters must be accompanied by a completed application appendix.

4. A committee of the shelter residents must be formed to work with Rotarians to establish sustainable practices for housing maintenance, water access, sanitation, security and waste management. For each of these items, Rotarian project partners and the village committee should agree on a long-term maintenance plan and training sessions for long-term support. Alternatively, the village committee can form an RCC of non-Rotarians to help sustain the new housing.

5. A draft letter signed by the shelter residents, preferably the women heads of households, should be included along with the applications. Members of the selection committee must be present at the time of signing the agreement to read the agreement aloud for residents who cannot read. The signed letters are required at the time of reporting, and must be written in local language and translated in an official Rotary language. It should include:

a. Family name and number of family members
b. Size and location of the home being provided
c. Proposed date of occupancy
d. Confirmation that the residents agree to live in the shelter for at least five years after the first day of occupancy. Should a resident move within this time, the village committee is authorised to provide the shelter to another family of similar size. Any new residents in this initial five-year period need not pay to own the shelter or the land
e. Confirmation that the residents have received training as agreed in the application
f. Verification that the residents own the shelter and the land thereof
g. Verification that the residents will be responsible for maintaining the shelter and property after occupying it
h. Verification that the residents will be responsible for paying for all utilities, including electricity
i. Verification that the residents are not Rotarians or lineal descendants of Rotarians
j. Confirmation that Rotary's responsibility is limited to the amount of the grant award.

Construction Requirements

1. The global grant funds must be used to build only single-storey shelters. If residents wish to add a second storey after the project's completion, they are responsible for confirming that the shelter is structurally safe to support a second storey.

2. Duplex shelters may be built, as long as each unit is designed to house an individual family. The dividing wall must be built with fire proof materials.

3. Under a global grant project, the minimum number of shelters to be built on a single site is 10, and the maximum is 100.

4. The project sponsors should ensure that the form and type of materials for the shelters conform to local conditions and comply with local building regulations. Global grant projects allot 10 per cent of its budget for project management. Beyond this, the project sponsors can add the cost of licensed construction management to the project budget to help them ensure that contractors are coordinated, construction timeline is met and quality is maintained.

5. Materials and labour used in construction must not harm the local economy or environment. Construction materials deemed hazardous to human health (example: asbestos) cannot be used in building low-cost shelters and corresponding toilet blocks.

6. Construction of shelters must conform to reasonable local construction costs and building standards to ensure building sustainability and safety, and adhere to all applicable local building codes.

7. Demolition of existing structures on the donated land can be included in project costs as long as the costs are only a small part of a comprehensive project that provides shelters and meets the area of focus requirements.

8. Expansion or addition to an existing building are not allowed under the grant. Additions can be made to the shelter only after completion of the project, and at the owner's expense.

9. RI and TRF's financial responsibility is expressly limited to payment of the total grant award. Any additional obligation, including but not limited to, expanding, altering, or maintaining the shelter beyond the initial approved design must be undertaken at no cost to RI or TRF.

Land Procurement

The shelters are to be built on donated land whose dimensions permit easy and safe access. The recipients need not pay for the shelter or the land. Shelters must be in a safe environment which, to the extent possible, should be free of natural disasters or accidents such as chemical contamination etc.

Payment and Reporting

1. Payments for all low-cost shelter global grants will be made in installments, based on an agreed spending plan, with the first payment released on receipt of all payment requirements, and subsequent payments will be made on completion of acceptable visits by a member of TRF's Cadre of Technical Advisers, along with the receipt of acceptable interim reports, that include photographic evidence of the project's progress.

2. A cadre member will review all global grant applications for low-cost shelters during the application review phase and during construction, before a second installment is paid.

3. Final reports to TRF shall include photos of the shelters with the beneficiaries, along with the permanent Rotary signs, which these shelters must display.

Simple Schools

Programme Requirements

1. Simple schools are an extremely limited project type that permits construction of modest school buildings (eg. one to four classrooms with two to three extra rooms for the principal, teachers office plus suitable toilets for boys and girls).

2. Simple schools must be built as part of a comprehensive project that fits with the basic education and literacy area of focus. Providing a school building alone cannot educate children; in order to enhance educational outcomes, teachers should be trained either as per local or government rules. For private simple school, pedagogical teacher training should be provided.

3. Only primary and secondary schools, and early-childhood education centres that follow a mandated government curriculum are eligible for construction. Construction of buildings for colleges, universities, vocational training centres or additions to existing schools, such as computer labs or dormitories, are not eligible for global grant funding.

4. All simple school projects must include gender-specific toilets identified with signs, hand-washing stations, electricity and drinkable water on each property. School administrators and teachers must receive training in hygiene and sanitation and menstrual hygiene management (for primary and secondary schools) for teachers to provide additional training to students after the project is complete. Simple schools must also provide bins in the girls' toilet areas for disposal of sanitary napkins.

5. School maintenance personnel must receive training in the upkeep of construction elements like computers, electric connections, water wells, latrine blocks, roofs etc. If the school does not have maintenance staff, sponsors must identify personnel to handle these matters and provide suitable training.

6. All global grant applications for simple schools must include a completed application appendix.

7. A school management committee (SMC) comprising teachers, students, school administrators and parents must be formed to work with Rotarians to set sustainable practices for school maintenance, governance, water access, sanitation, waste management and training. Members of the SMC who will work with the school budgeting must receive financial management training. When possible, the committee is encouraged to work with local officials in the government's education office to create sustainable practices or follow requisite government instructions.

8. Under the Rotary Foundation Code of Policies, grants may not be used to promote political or religious viewpoints. Therefore, religious schools are ineligible for global grands.

9. The project's sponsors should conduct community assessment to identify the community that will receive a school.

10. As part of the application, project sponsors must complete an MoU between Rotarian project sponsors and either the government's education office or the responsible entity for private schools. The statement must include:

    a. Name of school
    b. Number of students and teachers anticipated
    c. Education levels or grades of school
    d. Size of school
    e. Agreement to form an SMC
    f. Verification that all stakeholders agree to be involved in planning and implementation throughout the project's lifecycle
    g. Verification that the government's education office or the owning entity, in the case of a private school, agrees that it will not sell or lease the school or conduct other business in the school within the first five years of occupancy
    h. Confirmation that the teachers, students and maintenance staff will complete the training agreed upon in the application
    i. Verification that the teachers are trained and certified by the government's education office
    j. Guarantee that the government or owning entity of the private school will be responsible for maintaining the school and property
    k. Verification that either the government's education office or the owning entity, in the case of a private school, will be responsible for paying for all utilities
    l. Acknowledgment that teachers must be hired and certified before the project can be closed
    m. Verification that tuition will not be charged for public schools and that tuition costs for private schools will be reasonable and affordable
    n. Verification that those benefitting from the school are neither Rotarians nor their lineal descendants
    o. Confirmation that Rotary's responsibility is limited to the amount of the grant award.

Construction Requirements

1. The global grant funds must be used to build only single-storey schools. If the SMC, the government's education office, or the owning entity of a private school is interested in adding a second storey after the project is completed, it is responsible for confirming that the school can safely support a second storey.

2. Simple schools built as part of a global grant must meet local government access requirements for children and adults with physical disabilities. Requirements may include ramps, wide doorways and hallways and toilet accessibility. If the local government lacks accessibility requirements, the school must at least make these accommodations. Toilets must have water available at all times and necessary storage tanks which receives water supply from municipality/government or through working pump system. Necessary waste disposal system shall be installed and be functional. Toilets should have electricity connection.

3. The project sponsors are responsible for confirming that the form and materials for the school conform to local conditions and

comply with local building regulations. Global grant projects allot 10 per cent of the project's budget for project management. Beyond this allotment, the project sponsors can add the cost of licensed construction management to the project budget to help them ensure that contractors are coordinated, that the construction timeline is met, and that quality construction is maintained.

4. Materials and labour used in construction must not harm the local economy or environment. Construction materials deemed hazardous to human health cannot be used in building schools and corresponding toilet blocks.

5. Simple schools must adhere to local regulations for teacher-to-student ratios established by the government's education office, and the room size should be designed to accommodate this ratio.

6. Construction of simple schools must conform to reasonable local construction costs and building standards to ensure building sustainability and safety. Construction also must adhere to all applicable local building codes.

7. Demolition of existing structures on the donated land can be included in project costs as long as the costs are a small part of a comprehensive project that provides a simple school and meets the requirements of Rotary's basic education and literacy area of focus.

8. Expansion or additions to existing building are not allowed under a global grant. Additions can be made only after completion of the project, and at the owner's expense.

9. Additional school buildings can be built on the property of an existing school if the new school buildings are not next to other structures and the construction does not interfere with the health, safety and productivity of students currently on the property. Such a building constructed on the property of an existing one must meet all water, sanitation and training requirements. Additional buildings must be used as classrooms.

10. Contractors or construction managers must meet local regulations in acquiring necessary building permits. When local regulations do not require contractors/construction managers to acquire such permits, the Rotarian host project committee must acquire them.

11. The entire financial responsibility of RI and TRF is expressly limited to payment of the total grant award. Any additional obligation, including but not limited to, expanding, altering, or maintaining the school beyond the initial approved design must be undertaken at no cost to RI or TRF.

Land Procurement

1. Schools are to be built or installed on donated land whose dimensions permit easy and safe access. Parents and community members must not be required to pay for the school or the land on which the school is built.

2. Donated land intended for simple school construction must be within short walking distance from the beneficiary community or accessible via public transport.

3. Simple schools must provide safe environment for children, if possible, free of threat from natural disasters or accidents such as chemical contamination etc. Teachers must be trained to move children to safety in case of an emergency.

4. The municipal government, government education office and land donor must provide written commitments expressing full support of the grant and permitting the project to start as soon as grant funds become available. The written confirmation must indicate that the land is without any legal encumbrances or disputes, is zoned for school construction and is suitable for the purposes of the global grant.

5. Water quality tests are to be completed as part of the land procurement process, to ensure that school administrators, teachers and students have access to potable water. If the goal is to connect the school to municipal water or an electrical grid, project sponsors should complete an MoU with municipal service providers, stating that the utilities plan to serve the area at a reasonable price.

Payment and Reporting

1. Payments for simple school global grants will be made in installments, based on an agreed spending plan, with the first payment released on receipt of all payment requirements and subsequent payments made upon the completion of acceptable visits by a member of TRF's Cadre of Technical Advisers, along with the receipt of acceptable interim reports that include photographic evidence of the project's progress.

2. A cadre member will review all global grant applications for simple schools during the application phase and during construction, before a second installment is paid.

3. As standard construction practice, Rotarian project sponsors are advised to withhold 10 per cent of the final payment to contractors until the sponsors do a final walk-through of the completed school.

4. Final reports to TRF must include photos of beneficiaries and the school with permanent Rotary signs, which are to be prominently displayed in the school. ■

शेखर मेहता

अध्यक्ष, RILM

Rotary India Literacy Mission

साक्षरता फोकस

संपूर्ण साक्षरता और शिक्षा की गुणवत्ता के लिए लक्ष्य

MoU पर हस्ताक्षर करने के बाद PRIP कल्याण बेनर्जी और लूमबा फाउंडेशन के अध्यक्ष चेरी ब्लेयर। इसके अलावा तस्वीर में: लूम्बा फाउंडेशन के निदेशक लॉर्ड राज लूम्बा (दाएं से दूसरे) और RILM सलाहकार नयन पटेल (सबसे अंत में बाईं ओर) दिखाई दे रहे है।

विधवा महिलाओं का सशक्तिकरण

रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन ने लूम्बा फाउंडेशन के साथ गठबंधन किया है ताकि भारत में 30,000 विधवा महिलाओं को जरूरी साक्षरता और आजीविका का कौशल प्रदान किया जा सके और उन्हें एक गरिमामय जीवन जीने में सक्षम बनाने के, साथ स्कूल से बाहर उनके 2,000 बच्चों को, वापस स्कूल भेजा जा सके।

मुख्य रूप से रोटरी फाउंडेशन के वैश्विक अनुदानों के माध्यम से इस परियोजना को निष्पादित किया जाएगा। RILM के मुख्य सलाहकार और रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी चेयरमैन कल्याण बनर्जी ने 23 जून को लूम्बा फाउंडेशन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया। वास्तव में, यह परियोजना एक ऐसे सुंदर यात्रा की शुरुआत है। जो विधवा महिलाओं को अपने भविष्य को पुन संवारने में मदद करेगी।

परियोजना का पहला चरण दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल राज्यों में निष्पादित किया जाएगा। इस परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए इन राज्यों के रोटरी मंडल/ क्लब एक वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करेंगे और लाभार्थियों की पहचान करने के लिए कौशल प्रशिक्षण भागीदारों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। प्रशिक्षण के उपरांत, सभी लाभार्थियों को नौकरी का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा या उन्हें अपना लघु-स्तरीय व्यवसाय शुरू करने में मदद दी जाएगी।

बैंगलोर रोटरी द्वारा स्थापित 100 हैप्पी स्कूल

रोटरी क्लब बैंगलोर, मंडल 3190, ने 100 हैप्पी स्कूल का निर्माण कर रोटरी फाउंडेशन के 100 वें वर्ष का उत्सव मनाया। उनकी प्राथमिकता, शिक्षा क्षेत्र में कौशल और निरंतर सुधार पर केंद्रित एक 'बेहतर संसार, एक समय में एक छात्र' का निर्माण करना था। बेंगलुरु के आसपास के सरकारी स्कूलों की पहचान की गई और बेहतर शैक्षिक सुविधा प्राप्त करने के लिए अविकसित क्षेत्रों से अधिक बच्चों को आकर्षित करने के लिए स्कूलों को नया रंग-रूप दिया गया। आधिकारिक तौर पर इस परियोजना का उद्घाटन 27 नवंबर, 2016 को हरकोनाथनहल्ली के MAF रोटरी गवर्नमेंट स्कूल में किया गया।

क्लब के अध्यक्ष रंगा राव कहते है, ''हैप्पी स्कूल का निर्माण करना वास्तव में ग्रामीण साक्षरता परिदृश्य के लिए एक रामबाण के समान है। स्कूली शिक्षा प्रणाली में नामांकन न कराने की समस्या उतनी ही चिंताजनक है, जितनी स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की समस्या।'' वह आगे कहते है, ''चूंकि कर्नाटक में स्कूलों में सबसे अधिक संख्या में बच्चों का नामांकन हुआ है, इसे बनाये रखने के लिए बहुत सारे कार्य करने की आवश्यकता है।'' क्लब

ने औसतन रू4 लाख प्रति स्कूल खर्च किया और 1 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया। क्लब एक सशक्त कॉर्पोरेट रोटरी साझेदारी बनाये रखता है। कुल निधि का लगभग 70 प्रतिशत सदस्यों की उदार दान देने के माध्यम से आंतरिक रूप से एकत्र किया गया था और शेष 30 प्रतिशत निधि का योगदान कॉरपोरेट्स, दोस्तों और समुदाय के शुभचिंतकों द्वारा किया गया। दूसरे चरण में, क्लब शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की योजना बना रहा है, ताकि उन्हें स्वयं उत्साहित रहने और बच्चों को प्रोत्साहित करने की कला सिखलाया जा सके। तीसरा चरण में मॉडल स्कूल का निर्माण किया जाएगा।

‘रोटरी हैप्पी स्कूल’ पर खुशी

पणजी रिवेरा के रोटरी क्लब, मंडल 3170, ने वालपोई, पणजी में एक सरकारी प्राथमिक और मिडिल स्कूल को ‘रोटरी हैप्पी स्कूल’ में परिवर्तित किया। इसका उद्घाटन राज्य स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे और डीजी विनयकुमार पारीकर ने किया।

रोटरी क्लब पणजी रिवेरा द्वारा एक हैप्पी स्कूल।

क्लब ने स्कूल में डेस्क और बेंच, हैंड वॉश स्टेशन, लेखन के लिए बोर्ड, वॉटर प्यूरीफायर और लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय ब्लॉक उपलब्ध कराया और संपूर्ण स्कूल का रंग-रोगन करने के साथ विद्युत व्यवस्था की मरम्मत की। क्लब ने अग्रवाडा और चंदेल में DDF के माध्यम से दो ई-लर्निंग प्रोजेक्टर उपलब्ध कराया। ■

Download the T-E-A-C-H App

and with oneclick view your Asha Kiran... Child

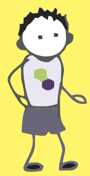

Each of the approximately 32,000 Donors has been tagged for long now

More than **32,000 children** are enrolled in the *Asha Kiran* centre for the bridge course. These children are in process to get back to school. Each of them are tagged with **32,000 donors**. You can now view your sponsored child with just **'ONE CLICK'**.

Have you seen you sponsored child yet? If not then then download the **T-E-A-C-H App** today and reach your sponsored child with just 'ONE CLICK'

Simple Steps to download the T-E-A-C-H App

In the TEACH app menu go to **‘My Asha Kiran’** and just with ONE CLICK on it, you will be able to view you Sponsored child and you will also be able to view his/her detailed report.

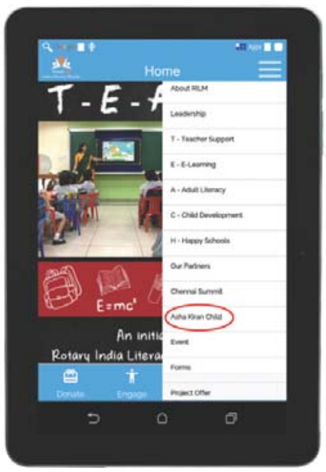

Did you know?

1. 32,000 children are enrolled in the program
2. Of these more than 10,000 children have been mainstreamed in Government schools
3. You can view the child you have sponsored with just ONE click !

रोटरी क्लब तंजावुर कावेरी - मंडल 2981

रोटेरियनों ने कूड़ेद्गान उपलब्धक्ष कराया और तंजावुर के अनाइ सत्या स्टेडियम में बैनर स्थापित किया। स्टेडियम की सफाई सुनिश्चित करने के लिए कूड़ेद्गान और बैनर उचित स्थानों पर रखा गया।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ मेट्रोपॉलिटन - मंडल 3011

क्लब सिंगर इंडिया के साथ मिलकर, कुसुमपुर पहाड़ी में वंचित महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विगत 25 वर्षों से एक रोटरी-सिंगर केंद्र संचालित कर रहा हैं हैं। इसने अभी तक 300 से अधिक महिलाओं के सशक्तिकरण में योगदान दिया हैं, और 60 अधिक महिलाएं इस केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

रोटरी क्लब वुय्युरु - मंडल 3020

क्लब ने वुय्युरु पुस्तकालय में रु10,000 की लागत से वॉटर कूलर स्थापित किया। यह क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों के लाभ के लिए स्थानीय इलाकों में स्वच्छ, सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के क्लब के प्रयासों का हिस्सा था।

रोटरी क्लब इंदौर मालवीका - मंडल 3040

रोटेरियन निकट के गांव में एक कॉलोनी में रोजाना मजदूरी करने वाले श्रमिकों के बच्चों को वस्त्र और स्वस्थ आहार उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने स्वच्छता की समस्या से निपटने के लिए एक शौचालय ब्लॉक का भी निर्माण किया हैं और वे बस्ती में बच्चों और वयस्कों के लिए साक्षरता कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं।

विधियाँ

रोटरी क्लब जोधपुर संस्कार - मंडल 3053

क्लब ने जोधपुर में गुरु क्रिपा मानसिक विमंदित आश्रम में मानसिक रूप से विकलांग मरीजों के लिए विशेष रूप से निर्मित बिस्तर उपहार में दिया। रोटेरियन भावना कनुंगा, प्रिया कोठारी, कंचन अग्रवाल, दीपा बोहरा, प्रिया भंडारी, अनिता नगर और श्वेता जैन ने अपना जन्मदिन इस विशेष कार्य के साथ मनाया।

रोटरी क्लब मोहम्मदाबाद - मंडल 3060

रोटेरियनों ने 21 महिलाओं को अपना स्वयं का व्यवसाय संचालित करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद करने के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराया। DGN पिंकी पटेल ने लाभार्थियों को मशीन प्रदान किया।

रोटरी क्लब राजपुरा ग्रेटर - मंडल 3090

ट्रैफिक एजुकेशन सेल, पटियाला की मदद से पटेल पब्लिक स्कूल में एक ट्रैफिक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एस बलराज सिंह, एस पी (यातायात), पटियाला, और PDG विजय गुप्त ने दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात के नियमों का पालन करने की जरूरत के बारे में छात्रों को समझाया।

रोटरी क्लब बरेली मेट्रो - मंडल 3110

पूर्व अध्यक्ष अनिल मेहरोत्रा कहते हैं कि गत वर्ष बरेली के निकट मुंदिया अहमद नगर गांव में बारह स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया था। प्रत्येक शिविर में लगभग 170 मरीजों का उपचार किया गया, जहाँ मुफ्त में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच की गई और सलाह दिया गया।

रोटरी क्लब शिमला - मंडल 3080

क्लब ने 21 जून को विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में रिज शिमला में विद्यालय के छात्रों के लिए एक योग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 15 स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया और इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि थे।

मंडल गति

रोटरी क्लब मुंबई घाटकोपर - मंडल 3141

क्लब के सर्वोत्कृष्ट 'मुस्कान का दान' परियोजना के तहत क्लब के पिछले वर्ष के अध्यक्ष डॉ. अमर रवजियांनी और उनकी पत्नी डॉ. स्वाती रवजियानी के क्लिनिक में ब्रेसिज़ और ऑर्थोडोंटिक उपचार प्रदान किया जाता हैं। चेहरे की सुंदरता बढ़ने से बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

रोटरी क्लब कदुर - मंडल 3182

क्लब ने इग्लारादल्ली और के. गोलार्हाटी गांव गांवों के सरकारी माध्यमिक स्कूलों के छात्रों के बीच स्कूल बैग, नोटबुक और स्टेशनरी किटों का वितरण किया। अध्यक्ष के एच श्रीनिवास ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

रोटरी क्लब गुलबर्गा मिड्टाउन - मंडल 3160

क्लब ने स्कूली बच्चों के लिए एक दंत शिविर का आयोजन किया। उनके मुँह के रोगों की जांच की गई और परामर्श दिया गया। बच्चों के बीच टूथपेस्ट और ब्रश का वितरण किया गया।

रोटरी क्लब तिरुपुर साउथ - मंडल 3202

अपने 'महिला सशक्तीकरण' परियोजना के एक भाग के रूप में, क्लब ने महिलाओं को सिलाई मशीन उपलब्ध कराया ताकि वे व्यवसाय करते हुए आय का सृजन कर सकें।

रोटरी क्लब पनाजी रिवेरा - मंडल 3170

क्लब ने वालपोई में सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल को नया रूप दिया और कक्षा में फर्नीचर, वॉश स्टेशन, शौचालय ब्लॉक, वॉटर प्यूरीफायर आदि सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध करायी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत पी राणे द्वारा 'हैंप्पी स्कूल' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन DG विनयकुमार पाई रायकर भी उपस्थित थे।

विधियाँ

रोटरी क्लब सिलीगुडी सेंट्रल - मंडल 3240

क्लब ने सिलीगुडी में एक सरकारी स्कूल में डेस्क और बैंच का 25 सेट दान में दिया। रोटेरियनों ने चालू वर्ष में स्कूल के लिए अधिक फर्नीचर, लाइट फिटिंगस, फैनस, स्वच्छता से संबंधित सुविधाएँ और शौचालय ब्लॉक उपलब्ध कराने की योजना बनाई हैं।

पटना का इनर व्हील क्लब - मंडल 325

सदस्यों ने बेउर जेल के निकट झुग्गी बस्ती सहित विभिन्न झुग्गी बस्तियों में 10 'हैप्पी स्कूल' आठ शौचालय ब्लॉक, सात व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और वयस्क साक्षरता केंद्र स्थापित करने सहित कई परियोजनाएं निष्पादित की।

रोटरी क्लब रायपुर - मंडल 3261

क्लब ने दुर्ग मंडल के पारसाडा गांव में सरकारी स्कूल में एक पेयजल सह वॉश स्टेशन स्थापित किया हैं। रोटेरियनों ने एक कंप्यूटर प्रयोगशाला भी स्थापित की और छात्रों को डिजिटल शिक्षा प्रदान करने के लिए एक शिक्षक नियुक्त किया।

रोटरी क्लब कटक महानदी - मंडल 3262

WinS परियोजना के तहत सीतादेवी जोगलेकर स्कूल में एक हैंड वॉश स्टेशन स्थापित किया गया। सुविधा का उद्घाटन DG नारायण नायक और PDG ए बी मोहपात्रा ने किया। रोटेरियनों द्वारा आयोजित WASH कार्यक्रम में 150 छात्रों ने भाग लिया।

रोटरी क्लब बेलुर - मंडल 3291

क्लब, ने जागृति क्लब के साथ मिलकर, गांधी जयंती के अवसर पर एक चित्रकारी प्रतियोगिता और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। भवानीपुर में आदर्श हिंदी हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में 130 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित;
एल गुनाशेकरण द्वारा रुपांकन

सेहत छोटी चीज़ों से आती है

भरत और शालन सवुर

अपने आप पर एक एहसान कीजिये। हर दिन अधिक सेहतमंद, *अधिक* फिट, *अधिक* प्रसन्न और *अधिक* हल्का बनिए। जानकार कहते है, ''जो हर दिन छोटी चीज़ों पर ध्यान देते है वे ज़िंदगी से अधिक ताकत और रोशनी प्राप्त करते है।'' वह छोटी चीज़ें ही है जो हम करते है जो हमारी दुनिया में साफ़ स्वास्थ्यप्रद हवा को बहने देती है, उसे ठंडा, ताज़ा, हरा भरा रखती है और उसे शुष्क, वायुहीन, गर्म रेगिस्तान में परिवर्तित होने से बचाती है।

गोली लीजिये। उदाहरण के लिए, हाल ही में, विजय ने महसूस किया कि उनका दिल तेजी से धड़क रहा है। उनका रक्त चाप जाँचने पर, उन्होंने पाया कि यह 203/110 तक चला गया था। उन्होंने तुरंत अपने आप को एक अस्पताल में भर्ती किया। तीव्र दवाओं ने उनके बी. पी. को 150/90 तक गिरा दिया। प्रकृति से चिंतनशील होने के कारण, उन्होंने सोचा कि बी.पी. की इस बढ़त का क्या कारण हो सकता है। उनके जीवन में सब कुछ अच्छा चल रहा था। कोई समस्याएं नहीं थी, चिंता करने की कोई बात नहीं थी।

जीवित रहना इतिहास है। जीवन जीना वर्तमान है। और सरल छोटे अभ्यासों के माध्यम से अच्छी तरह जीना समझदारी है।

फिर उनको याद आया। उन्होंने तीन हफ्ते पहले ही पूरी जांच करवायी थी। डॉक्टर ने आश्वस्त किया था कि उनके सभी मूल्यांकन एवं मापदंड बिल्कुल ठीक है। विजय ने भी अच्छा महसूस किया, जीवन में सब कुछ अच्छा है वाली भावना जैसे। वह इतने अधिक प्रसन्न थे कि उस दिन से वह उनकी बी पी की दवा नियमित रूप से लेना भूल गए! यही कारण था। उस हर दिन एक गोली लेने के *छोटे* कार्य ने उन्हें कई दिनों की बैचनी, चिंता और डर से बचा लिया होता।

ताकत के लिए। एनी को भी समान अनुभव हुआ। स्पॉन्डिलाइटिस होने के कारण, उन्हें उनके गले, रीढ़ और कन्धों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए कुछ व्यायाम बताए गए थे। एक महीने तक लगन से व्यायाम करने के बाद, उन्हें वापस से स्वस्थ महसूस होने लगा - दर्द से मुक्त, वह उनकी गर्दन बिना उस भयानक टीस के घुमा पा रही थी। उन्होंने व्यायाम करना बंद कर दिया और चार दिनों में दर्द होना वापस शुरू हो गया।

हम भूल जाते है, पर ज़िंदगी नहीं भूलती। गलती हमारी सोच में होती है। किसी स्तर पर, हमनें यह निश्चित कर लिया है कि दवाइयां और व्यायाम हमें उनका गुलाम बनाते है। इसे दूसरे नज़रिए से देखिये: ये सुनिश्चित करते है कि हमारे शरीर में जो भी रोग हो, वह हमें गुलाम ना बना पाएं, हम उस रोग से ना बंधे, हम उसे चलाये, हम उससे ऊपर उठे। बिल्कुल वैसे ही जैसे विजय और एनी ने पहले किया था। जब हम इस नयी जागरूकता के साथ अपनी दवाइयां लेते है और व्यायाम करते है, हमें एहसास होता है कि औषधीय और चिकित्सीय सहायक हमारे अंदर स्वास्थ्य और ज़िंदगी डालने के लिए है - समर्थ बनाने के लिए है ना कि गुलाम बनाने के लिए। इसलिए, अपनी सोच को इस ओर ले जाइये: ''मैंने इन उपकरणों के इस्तेमाल का चुनाव मेरी तंदरुस्ती के लिए किया है।''

एक जगह जिसे मेहरबानी कहते है। चुनने का अर्थ है सभी प्रतिबंधों को तोड़ना। सभी प्रतिबंधों को तोड़ने का अर्थ है अपने आप को ताज़ी, नयी संभावनाओं के लिए तैयार करना। भरत की तरह जो लंगड़ाते हुए डॉक्टर के क्लीनिक गया और कहा, ''डॉक्टर, मेरे घुटने में बहुत दर्द है; मैं बमुश्किल चल

पा रहा हूँ।'' डॉक्टर ने पूछा, ''आपकी उम्र कितनी है?'' और भरत ने गर्व से कहा ''98!'' डॉक्टर ने आह भरते हुए कहा, श्रीमान, माफ़ कीजियेगा। मेरा मतलब है कि स्वयं को देखिये। आप लगभग सौ वर्ष के हो गए है और आप शिकायत कर रहे है कि आपके घुटनों में दर्द है? आप क्या आशा करते है? और भरत ने कहा, मेरा दूसरा घुटना भी 98 साल का है, और उसमें दर्द नहीं है। भरत की तरह, जब आप अपने अंदर कोई प्रतिबन्ध नहीं रखेंगे, तो आप स्वयं पर मेहरबानी करेंगे - स्वास्थ्यप्रद संभावनाओं का एक क्षेत्र।

यह सोचने और सही छोटी चीज़ों को रोजाना करने के बारे में है ताकि आप कभी क्रोध, असंतोष, ईर्ष्या, आत्म-तरस, अवसाद, विश्वास और जीवनशैली के कारकों की वजह से बीमारी में ना डूबें।

हम में से अधिकतर गलत ढंग से यह मानते है कि जीवन जीवित रहने के बारे में है। सच यह है कि: हम पहले ही उस दिन जीवित रह चुके है जिस दिन हम पैदा हुए थे। जीवित रहना इतिहास है। जीवन जीना वर्तमान है। और सरल छोटे अभ्यासों के माध्यम से अच्छी तरह जीना समझदारी है।

सुझाव:

- 30 मिनट चलिए/साइकिल चलाइये; 15 मिनट कसरत कीजिये - निश्चित तौर पर होने वाले सकारात्मक जैव रासायनिक प्रभावों का अनुभव कीजिये जो अवसद, कैंसर और ह्रदय रोग का निवारण करते है। कसरत करना ऐसा है जैसे आप ब्रम्हांड में से अपने शरीर के अंदर एक उपचारात्मक एप डाउनलोड कर रहे हो।

- एक मार्गदर्शित ध्यान की सीडी के साथ ध्यान कीजिये। यह कोमलता से हमारे रवैये की सिलवटों को दूर करता है। एक मानसिक मुट्ठी खुल जाती है जो आपके स्वीकृति क्षेत्र को बढ़ाती है। जटिलताएं समाप्त हो जाती है और एक साधारण जागरुकता आपके अंदर जागृत होती है।

- बिना जलन करने वाले भोजन को चुनिए। जलन करने वाला भोजन दिमाग में जलन करता है और अवसाद की ओर ले जाता है। वर्ष 2015 में किये गए एक कनाडियाई अध्ययन में पाया गया कि अवसाद की तीव्रता दिमाग में जलन की मात्रा पर निर्भर होता है। भोजन जिनसे परहेज करना चाहिए वे है: गेंहूँ में ग्लूटेन, पकाने के तेल में ओमेगा-6, और शक्कर। सुरक्षित भोजन है: बेर, चाय, कॉफ़ी, चावल, अंगूर, अदरक, हल्दी, गुलमेहंदी, चॉकलेट, अंकुरित अनाज, अखरोट, ताज़ी कच्ची सब्जियां और फल। कृपया इन्हें आजमायें। पता लगाइए कि आपके दिमाग के लिए क्या अच्छा है।

- शांतिपूर्वक नींद लीजिये। शांतिपूर्वक सोचिये। अपने काम को शांतिपूर्वक कीजिये। स्वयं को और अपने रिश्तों को शांतिपूर्ण सामंजस्य में संचालित कीजये। सामंजस्य को आपके अंदर फैलने के लिए, आपको स्वीकृति की एक गहन अवस्था में होने की आवश्यकता है। स्वीकृति का संसार रोशनी, जोश एवं बुद्धिमानी से भरा है। स्वाग्रह को त्यागने से सम्पूर्णता, ऊर्जा और जीवन में पूर्णता आती है। स्वीकृति की कोई सीमा नहीं होती है - अनंत आकाश की तरह, यह सब जगह फैलता है। जब मैं एक बच्चे में हंसी और हंसी में एक बच्चा देखता हूँ, जब मैं मेरे अंदर तुम्हें और तुम्हारे अंदर मुझे देखता हूँ, मेरे विचार, भाव और ऊर्जा एक बनकर बहते है। कोई विभाजन नहीं होता है। यह गहन स्वीकृति होती है। यह तब होता है जब मैं मेरे रौब जमाने वाले छोटे अहम् को किसी भी स्थिति में कोई हानि या डर का अनुभव किये बिना छोड़ता हूँ। इसलिए पूर्ण स्वीकृति में इतनी अधिक सरलता है, इतनी अधिक सुन्दरता एवं रोशनी है, और शुद्ध सामंजस्य और उत्तम स्वास्थ्य है।

जलन करने वाला भोजन दिमाग में जलन करते है और अवसाद की ओर ले जाते है।

- प्रत्येक दिन, पूरा दिन, केवल प्रसन्न, स्वास्थ्यप्रद, शान्तिदायक विचारों को अपने अंदर गुनगुनाने दो। मैं थका हुआ हूँ, या मैं ठीक नहीं हूँ को अपने दिमाग में मत आने दो या अपनी जुबान से ज़ाहिर मत होने दो। एक क्लिनिकल मनश्चिकित्सक सेठ स्विरस्काई कहते है कि 'तनाव' जैसे शब्द स्वयं को परिपूर्ण करने वाला हो सकता है। यह शरीर में रसायनों - एपिनेफ्रीन और कोर्टिसोल - के झरने को और दिमाग में तंत्रिकासंचारकों को शुरू करता है जो हमें पूर्णतः तनावमुक्त महसूस करवाते है। हमारा दिल तेजी से धड़कता है, हमारी सांसें अधिक तेजी से चलती है, हमारा रक्तचाप बढ़ जाता है, हम सीधा नहीं सोच सकते और हम डर और फ़िक्र से भरे हुए होते है। संक्षिप्त में, आप जैसे सोचते एवं बोलते है उसके प्रति सावधान रहिये। अपने कन्धों को बराबर कीजिये, पीठ सीधी रखिये और स्वयं को मैं ठीक हूँ,मैं अच्छा हूँ से अभिमंत्रित कीजिये। एक समझदार व्यक्ति ने मुझसे कहा, गाने के कई तरीके है। दिमाग का संगीत सकारात्मकता है, इन्द्रियों का संगीत सुन्दरता है, दिल का संगीत प्रेम है और आत्मा का संगीत शुद्धता है।

जब आप प्रत्येक दिन को अपने मधुर संगीतों से, तंदरुस्ती की अपनी आरामदेह फ़ुसफ़ुसाहट से, अपनी खुशमिजाज़, मुस्कुराती आदतों से भरते है, तो आप सदा उपचारात्मक रोशनी में चलेंगे और सदा युवा रहेंगे।

लेखक 'फिटनेस फॉर लाइफ' किताब के लेखक है एवं फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।

नये निदेशकों और ट्रस्टियों ने संभाली जिम्मेदारी

रोटरी इन्टरनेशनल निदेशक मंडल (बोर्ड) के नये निदेशकों ने 1 जुलाई, 2017 को अपना कार्यभार संभाल लिया। निदेशक मण्डल (बोर्ड) रोटरी इन्टरनेशनल के संविधान और नियमावली के अनुसार रोटरी इन्टरनेशनल के कामकाज और वित्त सम्बन्धी मामलों की व्यवस्था देखता है। रोटरी फाउण्डेशन के बोर्ड ट्रस्टी फाउण्डेशन के दिन प्रतिदिन के कार्य का निष्पादन करते हैं। इन ट्रस्टीज की नियुक्ति रोटरी इन्टरनेशनल के निर्वाचित अध्यक्ष द्वारा की जाती है, जिन्हें रोटरी इन्टरनेशनल बोर्ड द्वारा चार वर्ष की अवधि के लिए चयनित किया जाता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष व तीन अन्य ट्रस्टी एक जुलाई को कार्यभार ग्रहण करते हैं।

निदेशक

भास्कर चोकालिगंम

रोटरी क्लब करूर, भारत

भास्कर चोकालिगंम वी.एन.सी. नामक एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के प्रबन्धकीय साझेदार हैं। यह प्रतिष्ठान तमिलनाडु राज्य में टाटा स्टील की खुदरा वितरक है। औद्योगिक इकाईयों के विकास में भास्कर के योगदान को पहचान देते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 1986 में उन्हें 'लघुस्तरीय उद्यमी पुरस्कार' से सम्मानित किया।

उन्होंने विभिन्न औद्योगिक समूहों और खेल संगठनों में उच्च पदों पर अपनी सेवायें दी हैं। सामाजिक सेवाओं तथा चयनित क्षेत्रों में असाधारण योगदान के लिए उन्हें मिले विविध पुरस्कारों में विजयश्री अवार्ड, नेशनल यूनिटी अवार्ड, शिरोमणी विकास अवार्ड और हिन्दू गौरव अवार्ड शामिल है।

वर्ष 1988 में रोटेरियन चोकालिगंम बेनीफेक्टर और रोटरी फाउण्डेशन के मेजर डॉनर हैं, तथा उल्लेखनीय सेवाओं के लिए रोटरी फाउण्डेशन प्रशस्ति-पत्र (साइटेशन) से सम्मानित हैं।

जेम्स रोनॉल्ड फेरिल्ल

रोटरी क्लब मार्टिनसविले, वर्जीनिया

रॉन फेरिल्ल डू पोन्ट (DUPONT) कम्पनी में 33 वर्ष तक कार्य करने के पश्चात सेवानिवृत्त हुए हैं, जहां उन्होंने विभिन्न इंजीनियरिंग और प्रबन्धकीय पदों पर अपनी सेवायें दी। वे अनेक धार्मिक नागरिक और सामुदायिक सेवाओं के संगठनों से जुड़े हुए है।

वर्ष 1967 से रोटेरियन फेरिल्ल रोटरी फाउण्डेशन से सराहनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति-पत्र (साइटेशन) तथा उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार व 'स्वयं से ऊपर सेवा' पुरस्कार से सम्मानित हैं। वे पॉल हेरिस सोसाइटी के सदस्य हैं, तथा फाउण्डेशन बेनीफेक्टर हैं। वे और उनकी पत्नी एलेन 'मेजर डॉनर' हैं। (फेरिल्ल जॉसेफ मल्केरिन की अवधि पूर्ण कर रहे हैं।)

पीटर इब्लेहर, रोटरी क्लब न्यू बर्ग-रिचस्वॉल्ड, जर्मनी

पीटर इब्लेहर सेवानिवृत्त सलाहकार हैं। उन्होंने एक अस्पताल समूह में प्रबन्ध निदेशक, बावरियान सिविल सर्वेंट अस्पताल में लेक्चरर, सिटी ऑफ फर्थ के व्यापार विकास के प्रमुख तथा म्युनिख और बेसल में परामर्शदाता कम्पनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में अपनी सेवायें दे चुके हैं। वर्ष 1990 से रोटरी सदस्य इब्लेहर मल्टीपल पी.एच.एफ. तथा रोटरी फाउण्डेशन के मेजर डॉनर हैं।

केइची इशिगुरो, रोटरी क्लब त्सुरूका वेस्ट, जापान

केइची इशिगुरो ''इशिगुरो डेंटल एण्ड ऑर्थो डेन्टिक्स क्लीनिक'' के चैयरमेन हैं। उन्होंने जापान डेंटल एसोशिएशन के उपाध्यक्ष और सचिव के रूप में अपनी सेवायें दी हैं, और वे यामागाता डेंटल एसोशियशन के बोर्ड मेम्बर, अध्यक्ष व सलाहकार भी रह चुके हैं। वे त्सुरूका व्यापक योजना परिषद के अध्यक्ष हैं। 2014 में उन्हें दंत स्वास्थ्य स्वच्छता में विशिष्ट योगदान के कारण ''आर्डर ऑफ दी राइजिंग सन'' सम्मान हासिल हुआ। वर्ष 1985 से रोटेरियन इशिगुरो मल्टीपल पीएचएफ और रोटरी फाउण्डेशन के बेनीफेक्टर हैं।

रॉबर्ड सी न्यूपेफर जूनियर

रोटरी क्लब शिकागो

रॉबर्ड सी न्यूपेफर अन्तर्राष्ट्रीय कानूनी फर्म बेकर मकेन्जी में कारपोरेट प्रेक्टिस से वरिष्ठ साझेदार से सेवानिवृत्त हुए हैं। वे

विश्व स्तर पर कार्यरत एक विशिष्ट केमिकल कम्पनी 'हॉलस्टार' के शेयर हॉल्डर, निदेशक और वरिष्ठ कार्यकारी हैं, तथा इसके अलावा अनेक कॉरपोरेट और नागरिक संगठनों के निदेशक हैं। वर्ष 1982 से रोटरी सदस्य न्यूपेफर और उनकी पत्नी नैन्सी रोटरी फाउण्डेशन की मेजर डॉनर हैं।

जॉन सी मैथ्यूज
रोटरी क्लब मर्सर आइसलैंड, वाशिंगटन

जॉन सी. मैथ्यूज 25 वर्ष तक कोस्टको हॉलसेलर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने आपूर्ति कोर के कमाण्डर के रूप में सेवानिवृत्त होने से पूर्व 20 वर्षों तक अमरीकी नौ सेना में भी कार्य किया है। मैथ्यूज कॉरपोरेट और सामुदायिक संस्थाओं के संचालन मण्डल में सक्रिय हैं जिनमें सिएटल चैम्बर ऑफ कॉमर्स, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी बॉथल एडवाइजरी बोर्ड, मर्सर आइसलैण्ड प्रेस बाइटेरियन, रोटरी फर्स्ट हार्वेस्ट और एन. डब्लू. रिइन्श्योरेंस प्रमुख हैं

वर्ष 1988 से रोटेरियन मैथ्यू और उनकी पत्नी मैरी एलेन पी.एच.एफ., मेजर डॉनर, आर्च क्लम्फ सोसाइटी सदस्य तथा रोटरी फाउण्डेशन के बीक्रेस्ट सदस्य है। दोनों ने जॉन एंड मैरी एलेन मैथ्यूज एन्डॉव्ड रोटरी पीस फेलोशिप की स्थापना की है।

यूनसू मून
रोटरी क्लब च्योनान डोसेल, कोरिया

यूनसूमून च्योनान मून डेंटल अस्पताल के मुख्य कार्यकारी और हॉनए मेडिकल फाउण्डेशन के प्रमुख हैं। वे कोरिया के विभिन्न संगठनों के निदेशक है। मून और उनकी पत्नी ह्यूनजू यांग आर्च क्लम्फ सोसाइटी सदस्य है। उन्हें रोटरी इन्टरनेशनल 'स्वयं से ऊपर सेवा' पुरस्कार व उल्लेखनीय व सराहनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति-पत्र (साइटेशन) भी मिले हैं।

ब्रायन ए.ई. स्टॉयल
रोटरी क्लब साल्टेश, इंग्लैंड

ब्रॉयन स्टॉयल ने स्लोघ में शिक्षक के रूप में और इसके बाद न्यू बरी स्वतंत्र में हैडमास्टर बनने से पूर्व संगीत शिक्षक की आवश्यक योग्यता हासिल कर ली थी। बाद में उन्होंने एक शैक्षिक परामर्शदाता कम्पनी की स्थापना की। यह कम्पनी पूरे ब्रिटेन में अध्ययनरत अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों को संरक्षण देने का कार्य करती हैं।

वर्ष 1981 से रोटेरियन स्टॉयल ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड में रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय के अध्यक्ष पद पर कार्य कर चुके हैं। वे तंजानिया में मलेरिया हटाने वाले एक्शन ग्रुप के संस्थापक है, और जयपुर पैर प्रॉजेक्ट के ट्रस्टी है।

रॉयल और उनकी धर्मपत्नी पीडीजी. मैक्सीन मल्टीपल पीएचएफ. रोटरी फाउण्डेशन के बेनीफेक्टर मेजर डॉनर तथा बीक्रेस्ट सोसाइटी के सदस्य है। वे रोटरी के 'स्वयं से ऊपर सेवा' पुरस्कार एवं उल्लेखनीय व सराहनीय सेवाओं के लिए रोटरी प्रशस्ति पत्र (साइटेशन) से सम्मानित हो चुके हैं।

ग्रेगोरी एफ. यांक
रोटरी क्लब ओ फैलन, अमेरिका

ग्रेग एफ. यांक लघु और मध्यम दर्जे के व्यवसाय-मालिकों के प्रशिक्षक हैं। उन्होंने कैथोलिक हेल्थ सिस्टम के अध्यक्ष और दो बार अस्पताल के मुख्य कार्यकारी के रूप में 25 वर्ष तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उच्चस्तरीय नेतृत्व का कार्य किया है। यांक ने 11 वर्ष तक एक कोचिंग और सहकर्मी सलाहकार बोर्ड फ्रेंचाइज व्यवसाय का भी संचालन किया, जिसे वैकल्पिक बोर्ड (ढ-इ) के नाम से जाना जाता था। वे जी.वाई. कन्सलटिंग एंड फैसीलिटेशन सर्विस के प्रमुख है। जो विशेष रूप से व्यावसायिक प्रशिक्षण, कार्ययोजना, कार्य-सुगमता, रणनीतिक शासन-प्रबन्ध, बोर्ड-विकास व शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करती है। यांक मेट्रो ईस्ट पार्क और रिक्रियेशन डिस्ट्रिक्ट के कमीश्नर हैं तथा सेंट लुईस के नीलसन हेल्थकेयर समूह और ओ फालन-शिलोह चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्य है और इसकी रणनीतिक योजना समिति के अध्यक्ष हैं। वर्ष 1978 से रोटेरियन यॉंक रोटरी के 'स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार' से सम्मानित है। यॉंक और उनकी पत्नी पी.डी.जी. कैथरीन मेजर डॉनर हैं, और पॉल हैरिस फलो तथा आर्च क्लम्फ सदस्य बीक्रेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

पाऊलो ऑगस्तो ज़ैनार्डी
रोटरी क्लब क्यूरीटिबा-सिडेड इंडस्ट्रीयल, ब्राज़ील

पाऊलो ऑगस्तो जैनार्डी वर्ष 1984 से परिवहन कम्पनी 'जलोग ऑपेराडोरा लॉजिस्टिका' के निदेशक हैं। वे जियोफिजीकल कम्पनी डब्लू. एस. ब्राजील इनोवेकोएस टेक्नोलिकॉस लि. के भी निदेशक हैं। वर्ष 1988 से रोटेरियटन जैनार्डी रोटरी फाउण्डेशन द्वारा सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति-पत्र (साइटेशन) से सम्मानित हो चुके हैं। वे और उनकी पत्नी लूली मेजर डॉनर और बीक्रेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

ट्रस्टी

रॉन डी. बर्टन, निर्वाचित अध्यक्ष-ट्रस्ट 2017-18
रोटरी क्लब नॉर्मन, ऑकलैंड

रॉन डी बर्टन वर्ष 2007 में ऑकलाहोमा फाउण्डेशन इंक विश्वविद्यालय के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए। वे क्लीवलैंड, (ऑकलैंड) काउंटी और अमेरिकन बार एसोशिएशन के सदस्य हैं तथा ओकलाहोमा व अमेरीकी सर्वोच्च न्यायालय में वकालत के लिए अधिकृत हैं। वे नॉर्मन पब्लिक स्कूल के संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष हैं। वे पूर्व में नॉर्मन कम्यूनिटी फाउण्डेशन के बोर्ड सदस्य भी रहे हैं। बर्टन 1979 से रोटरी के सदस्य हैं और रोटरी इन्टरनेशनल के अध्यक्ष, निदेशक फाउण्डेशन ट्रस्टी व उपाध्यक्ष, रोटरी इन्टरनेशनल अध्यक्ष के सहयोगी, समितियों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, कार्यदल (टॉस्क फोर्स) सदस्य, (RRFC) अन्तर्राष्ट्रीय एसेम्बली ग्रुप-चर्चा लीडर सहायक आदि के रूप में अपनी सेवायें दे चुके हैं। बर्टन 'स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार' से सम्मानित है, तथा उन्हें रोटरी फाउण्डेशन द्वारा उल्लेखनीय व सराहनीय सेवाओं के लिए एवं पोलियो मुक्त संसार अभियान में योगदान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

ब्रेन्डा एम. क्रेसी
रोटरी क्लब पॉसो रोबल्स, कैलिफोर्निया

ब्रेन्डा एम. क्रेसी मेने दूर संचार व्यवसाय में कार्यालय सहयोगी सिस्टम से जुड़ी एक कम्पनी की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। वे विभिन्न सामाजिक एवं नागरिक संगठनों जैसे 'अमेरिकन कैंसर सोसाइटी' में स्वयं सेवक (वॉलन्टियर) के रूप में कार्य कर चुकी हैं। वर्ष 1989 से रोटरी से जुड़ी क्रेसी क्षेत्रीय सदस्यता और फाउण्डेशन समन्वयक, रीजनल फाउण्डेशन समन्वयक (RRFC) के प्रशिक्षण संस्थान की मॉडरेटर, एन्डोमेंट मेजर गिफ्ट सलाहकार, रोटरी विधायी परिषद (COL) की सदस्य, रोटरी इन्टरनेशनल एसेम्बली की कार्यकारी समिति की सदस्य एवं सहयोगी मॉडरेटर, रोटरी इन्टरनेशनल प्रशिक्षक व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में कार्य कर चुकी हैं। क्रेसी को रोटरी का 'स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार' रोटरी फाउण्डेशन द्वारा सराहनीय व उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रशस्ति-पत्र (साईटेशन) से सम्मानित किया जा चुका है। ब्रेंडा और उनके पति डिक मेजर डॉनर, बीक्वेस्ट और पॉल हेरिस सोसाइटी के सदस्य हैं और हाल ही आर्च क्लम्फ सोसाइटी के सदस्य बने हैं।

के. आर. रवीन्द्रन
रोटरी क्लब कोलम्बो, श्रीलंका

के. आर. ''रवि'' रवीन्द्रन मीडिया समाधान, पैकेजिंग और प्रिटिंग का सार्वजनिक सूचीबद्ध कम्पनी के संस्थापक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जिसके विश्व स्तर पर ग्राहक है। उनकी कम्पनी ''प्रिंट केयर पी.एल.सी.'' दुनिया में चाय के बैग बनाने वाली सबसे बड़ी कम्पनियों में से एक है और उत्कृष्टता के लिए अनेक राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी है। वे श्रीलंका और भारत में अनेक कम्पनियों के बोर्ड सदस्य है, और चैरिटेबल संस्थाओं से जुड़े हैं। वे श्रीलंका एटीनारकोटिक्स ऐसोशियशन के संस्थापक अध्यक्ष हैं। (यह उनके क्लब की परियोजना है) यह उनके देश की बड़ी संस्था है।

वर्ष 1973 से रोटरी सदस्य रवीन्द्रन ने रोटरी इन्टरनेशनल के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, निदेशक और फाउण्डेशन ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवायें दी हैं। अपने देश में पोलियो के अध्यक्ष के रूप में रवीन्द्रन ने कार्यदल का नेतृत्व किया, जिसमें सरकार रोटरी और यूनिसेफ के प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने यूनिसेफ के साथ अपने देश में उत्तरी आतंकवादियों से बातचीत की मध्यस्थता कर राष्ट्रीय पोलियो टीकाकरण दिवसों के दौरान ''सीज़फायर'' करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2004 में सुनामी से उनके देश में करीब 35,000 लोगों की मृत्यु हो गई थी। रवीन्द्रन की अध्यक्षता में श्रीलंका के सभी रोटरी क्लबों के सौजन्य से स्कूल पुनर्संरचना परियोजना बनाई गई, जिसके जरिए 12,000 अमरीकी डॉलर लागत से 25 नये स्कूलों का निर्माण कर 15,000 बच्चों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 2017 में उनकी सरकार द्वारा उन्हें श्रीलंका सिखमनी (ज्वैल ऑफ श्रीलंका) सम्मान से नवाजा गया।

माइकल एफ. वेब
रोटरी क्लब मेंडिप, इंग्लैण्ड

माइक वेब इंग्लैण्ड और वेल्स में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स के फेलो सदस्य हैं और दक्षिण पश्चिमी इंग्लैण्ड सिटी ऑफ वेल्स में लेखा कार्य करने वाली फर्म में वरिष्ठ भागीदार हैं। वे राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक चैरिटेबल व खेल संगठनों में कोषाध्यक्ष के रूप में सक्रिय है। वर्ष 1976 से रोटरी से जुड़े वेब ने रोटरी इन्टरनेशनल में निदेशक, आर.आई. अध्यक्ष प्रतिनिधि, विविध समितियों में अध्यक्ष व सदस्य, वर्ष 2016 में विधायी परिषद (COL) व प्रस्ताव परिषद (COR) के उपसभापति, रोटरी प्रशिक्षण लीडर और डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में अपनी सेवायें दे चुके हैं। उन्होंने ग्रेट ब्रिटेन व आयरलैण्ड में रोटरी इन्टरनेशनल के अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के रूप में भी सेवा कार्य किया है। वेब एवं उनकी पत्नी एलिसन मेजर डॉनर व पॉल हेरिस फेलो है। वेब बीक्वेस्ट सोसाइटी के भी सदस्य है।

द रोटेरियन से पुनः प्रकाशित

Now you can reach

Rotary News

on the

mobile number

+91 98400 78074

Change of Address, or any subscription issues? SMS or WhatsApp to this number.

Made electronic transfer of subscription dues? Please communicate to us on this number.

Rotary

Rotary at a glance

Rotarians : 12,09,022

Clubs : 35,664

Districts : 539

Rotaractors : 2,33,312*

Clubs : 10,144*

Interactors : 4,95,857*

Clubs : 21,559*

RCC members: 2,16,315*

RCC : 9,405*

* As on April 3, 2017

Membership Summary

As on July 4, 2017

RI Zone	RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract	Interact	RCC
5	2981	110	4,331	187	55	223	172
5	2982	65	2,711	73	57	109	43
5	3000	126	5,093	421	287	626	193
4	3011	72	3,152	622	46	102	28
4	3012	86	3,563	740	65	121	55
5	3020	97	4,176	195	110	460	351
4	3030	93	4,989	602	74	284	163
4	3040	95	2,174	239	52	109	135
4	3054**	126	6,035	970	89	290	471
4	3053	74	2,870	449	16	36	93
4	3060	97	3,839	357	58	111	128
4	3070	106	2,994	240	66	151	54
4	3080	77	3,310	202	64	213	106
4	3090	77	2,061	83	33	36	122
4	3100*	71	1,618	60	10	71	146
6	3110	113	3,924	246	53	49	104
6	3120	74	2,964	271	36	50	50
4	3131	133	5,148	932	89	265	74
4	3132	110	4,380	471	60	180	121
4	3141**	89	5,253	1,065	110	241	86
4	3142**	77	2,715	367	61	180	67
5	3150	100	3,589	345	93	227	108
5	3160	68	2,269	99	21	44	81
5	3170	128	5,364	359	54	290	160
5	3181	72	3,026	196	29	168	103
5	3182	79	3,161	226	27	265	92
5	3190	132	5,090	558	134	336	48
5	3201	139	5,126	286	93	123	46
5	3202	131	4,867	226	95	425	44
5	3211	136	4,295	251	11	85	123
5	3212	95	3,702	179	107	261	126
5	3231**	66	2,505	83	53	175	235
5	3232**	93	3,621	435	121	287	82
6	3240	87	2,930	329	59	145	146
6	3250	92	3,555	609	38	197	175
6	3261	68	2,328	222	16	100	42
6	3262	97	3,256	366	42	72	74
6	3291	150	3,831	728	66	129	579
India Total		**3,701**	**1,39,815**	**14,289**	**2,550**	**7,236**	**5,026**
5	3220	71	1,888	239	80	191	77
6	3271	75	1,400	214	44	16	13
6	3272	140	2,505	386	37	36	36
6	3281	199	5,572	754	222	83	186
6	3282	133	3,707	287	131	36	40
6	3292	116	4,413	662	118	106	106
S Asia Total		**4,435**	**1,59,300**	**16,831**	**3,182**	**7,704**	**5,484**

**Non-districted*

***Newly formed districts from mergers/bifurcation.*

Source: RI South Asia Office

सूरजकुंड मेले में एक मिलियन दर्शक

संतोष मेहता

हरियाणा के सूरजकुंड में दो सप्ताह तक आयोजित सूरजकुंड इंटरनेशनल क्राफ्ट्स मेले में अनुमानित एक मिलियन दर्शकों की भीड़ जमा हुई। भारत और विश्वभर से प्रतिभावान कलाकार उनके क्षेत्र के पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रदर्शन करने के लिए आते है।

वर्ष 2013 में, इसे एक अंतर्राष्ट्रीय मेले के रूप में उन्नत किया गया और वर्ष 2015 में, 20 देशों ने मेले में भाग लिया। लेबनान साथी देश था और छत्तीसगढ़, विषय राज्य था। मेले में झारखण्ड के लगभग 300 कलाकारों ने प्रसिद्ध लोक कलाओं जैसे छऊ, खैरा, करसा और पैका का प्रदर्शन किया।

हर साल एक भारतीय राज्य को उसकी कला और शिल्प प्रदर्शन दिखाने के लिए 'थीम राज्य' बनाया जाता है। और वहाँ पर एक अंतर्राष्ट्रीय सहभागी होता है; इस साल वह मिस्र था। श्रीलंका, नेपाल, ट्यूनिशिया, थाईलैंड, किर्गिस्तान और लेबनान अब नियमित प्रतिभागी बन गए है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रसिद्द कवियों द्वारा गुदगुदा देने वाला *हास्य कवि सम्मेलन,* आयान खान और अमान खान द्वारा सरोद वादन, झारखण्ड के जीवंत नृत्य, नूरन बहनों द्वारा *सूफ़ियाना कलाम* और रंजना गौहर का सुन्दर नृत्य सम्मिलित था।

विदेशी कला एवं शिल्प के लिए आरक्षित छह क्षेत्रों में निर्मित 969 झोपड़ियों में विभिन्न किस्म के हस्तशिल्प, कपड़े, जैतून की लकड़ी के उत्पाद, चमड़े के बैग, अफगानिस्तान से कालीन, नेपाल से शॉल, आदिवासी कलाकृतियाँ, इत्यादि मुख्य आकर्षण थे।

शिल्प कलाओं में, हर साल एक आकर्षण भारत के उत्कृष्ट हथकरघे और हस्तशिल्प होते हैं। विशिष्ट सांस्कृतिक रंगों में हाथ से बने कपड़ो ने आगंतुकों को चकित किया। मेले में विविध प्रकार के व्यंजनों वाले भोजन परिसर भी थे।

शिल्पकारों के लिए 1000 से अधिक झोपड़ियों के साथ, 40.5 एकड़ में फैला हुआ, सूरजकुंड को उसका नाम 10वीं शताब्दी के एक तोमर सरदार राजा सूरज पाल द्वारा निर्मित एक प्राचीन रंगभूमि 'सूर्य कुंड' से प्राप्त हुआ है।

वी. एस. कुंडू, सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के अतिरिक्त सचिव एवं अध्यक्ष, कहते है कि इस वर्ष कई नयी पहलों की शुरुआत की गई, और *BookMyShow* द्वारा ऑनलाइन एवं मेट्रो स्टेशनों पर टिकटें पेश की गई।■

संक्षेप में

जंगल की बस

काई से ढके सीटों और डंडे के चारों ओर लिपटे हुए मनमोहक फूलों के साथ, ताइवान की 'जंगल की बस' अब मनोरम यात्रा का रोमांच प्रदान करते हुए यात्रियों को आनंदित कर रही हैं। पुष्प विशेषज्ञ एल्फी लिन ने काई, ऑर्किड, अदरक के फूलों और विभिन्न किस्मों के फर्न का उपयोग कर एक साधारण सिंगल डेक सिटी बस को ग्रीन हाउस बस में परिवर्तित कर दिया है। जंगल की बस, जो पर्यटकों को लक्षित करती है, ताइपे के कला दीर्घाओं, मंदिरों और रात्रि बाज़ार से होकर गुजरती है और एक बार में 20 यात्रियों को ले जाने में सक्षम है।

हरित अंत्येष्टि

चीनी व्यवसायी एलेक्स सन द्वारा स्थापित एक ताबूत बनाने वाली कंपनी, शेडोंग इकोफिन इंटरनेशनल, ने दफ़नाने के लिए एक अभिनव हरित प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। हांगकांग में आयोजित एक प्रदर्शनी कागज़, विकर और सीग्रास के निर्मित ताबूत को प्रदर्शित किया गया था। कंपनी का कहना है कि यूरोपीय ग्राहक इस उत्पाद से परिचित है, और अब एशियाई ग्राहकों, विशेष रूप से फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और चीन, के ग्राहकों ने इस उत्पाद में बहुत रुचि दिखाई है।

फ्लाइंग सूट

क्या आपने कभी आयरन मेन के फ्लाइंग सूट में उडान भरने के लिए कल्पना की है? ब्रिटिश आविष्कारक रिचर्ड ब्राउनिंग आपके स्वपन को सचाई में बदलने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने डेडलस-प्रेरित एक सूट डिजायन किया और वेस्टर्न हार्बर से उड़ान भर कर उन्होंने TED सम्मेलन में प्रतिनिधियों को आश्चर्यचकित कर दिया। छह गैस टरबाइन इंजनों द्वारा संचालित और हेलमेट और बॉडी कवच से लैस, यह सूट कुछ हज़ार फुट की ऊंचाई पर 320 किमी प्रति घंटे तक उड़ान भरने में सक्षम है। ब्राउनिंग इसके लिए व्यवसायिक संभावनाओं की तलाश कर रहे है और सैन्य, खोज और बचाव कार्य, और थीम पार्कों में इसके उपयोग के लिए अवसरों पर विचार कर रहे है। इस सूट की कीमत 250,000 डॉलर है।

सबसे युवा क्लब अध्यक्ष

यूके में मैनचेस्टर ट्रेलब्लॉजर्स़ रोटरी क्लब का नेतृत्व अब मार्टिन जुड कर रहे है। मात्र 22 वर्ष की उम्र में, वह संभवतः दुनिया में सबसे कम उम्र के सेवारत अध्यक्ष हैं। जूड, एक घुडदौड. प्रशिक्षक के पुत्र है, उनका जन्म टाकोरोआ, न्यूज़ीलैंड में हुआ था। वह वर्ष 2012 में यूके आये, और वर्ष 2014 में नवनिर्मित मैनचेस्टर ट्रेलब्लॉजर्स़ से जुड गए थे, और एक वर्ष में अध्यक्ष नामांकित किए गए। वह मैनचेस्टर पिकाडिली की वेट्रोज शाखा में ग्राहक सेवा में कार्य करते है। यूके में एक रोटेरियन की औसत आयु 72 हैं । रोटरी के 112 वर्षो के इतिहास में सबसे युवा रोटरी अध्यक्ष टोनी मेन्डेज. है, जिन्होंने 21 वर्ष की आयु में वर्ष 2015 में रोरिंग फोर्क, कोलोराडो, यूएस के रोटरी क्लब के शीर्ष पद का दायित्व संभाला था।

ग्लोबट्रॉटर डॉग

कोचि, केरल, का एक आवारा कुत्ता, चपाती, जो कभी भूख से पीड़ित था और सड़क के किनारे मरने के कगार पर था, आज उसके पास पासपोर्ट है और संसार की सैर कर रहा है। चपाती को एक यूक्रेनियाई दंपति ने गोद लिया, और अब तक वह थाईलैंड, फिलीपींस और नेपाल का भ्रमण कर चुका है, इसके साथ ही उसने देश के भीतर 10 शहरों का दौरा करने के अलावा, 5,500 किलोमीटर की दूरी तय की है, 16 ट्रेनों में सफर किया और 13 होटलों में रहने का आनंद उठाया। चपाती ने परिवहन के सभी साधनों का लुफ्त उठाया - जिसमें बसों, ट्रेनों, विमानों, कारों, रिक्शा, फेरिज, कटमैरनऔर यहाँ तक कि मोटरबाइक भी शामिल है। उनके पास एक इन्स्टाग्राम अकाउंट भी है, जहाँ वह अपने यात्रा की रोमांचक तस्वीरें साझा करता है।

के. टी पी. राधिका द्वारा संकलित, एस कृष्णप्रथीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2015-2017 Licensed to post without prepayment No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2015-2017
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/5271 Rotary Samachar Published on 1st of every month
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: Rs 35